STUDENT SUPPORT MATERIAL

Session : 2019-20

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Class-XII

हिन्दी

छात्रोपयोगी सहायक सामग्री

कक्षा 12 वों

[illegible] ([illegible])

सत्र 2019-20

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, [illegible]

संतोष कुमार मल्ल, भा.प्र.से.
आयुक्त
Santosh Kumar Mall, I.A.S.
Commissioner

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016
दूरभाष : 91–11–26512579, फैक्स : 91–11–26852680
18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016 (India)
Tel. : 91-11-26512579, Fax : 91-11-26852680
E-mail : commissioner@kvsedu.org, Website : www.kvsangathan.nic.in

विद्यार्थियों के लिए संदेश

केन्द्रीय विद्यालयों के कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी केन्द्रिक पाठ्यक्रम को □□ □□□□□ □ध्□□□ □□□ग्री सौंपते हुए हम हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

ि□□□ □□ □□□□□ अध्ययन सामग्री को सफलता □□ □□□ □□ □□□□ □□ि □□□ □द्या□ि□□ं □ि □□□ओं, □□ज्ञा□□ओं □□□□□ □□ □ध्□□□ को लालसा को प्रबल करने को कितनी शक्ति अंतर्निहित है। इस सामग्री का □□□□□ □□□□हु□ □□ □□□ □□ ध्□□□ □□□ □□□ □□ि □□ठ्यक्र□ □□□□□-□□□ □□□क्ष□ प्रश्न-□त्र □□□□□□□ण□ □□ अनुसार विद्यार्थियों का मागदशन हो सके।

□□ □□□ग्री □□ □□□क्ष□ प्रश्न-□त्र □□'प्र□रू□' □□□□□□□ □द्या□ि□□ं को पाठ्यवस्तु का □भ्□□□ □□□□□□□ □□□—साथ उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तैयार किया □□□ □□□□□ि□□ □द्या□,□द्या□, □□□□□□□, अभिव्यक्ति एवं माध्यम एवं पाठ्य पुस्तकों के पाठों का सारांश, □न्द्री□ □□□, महत्त्वपूण प्रश्नों के अतिरिक्त बोध और अधिगम पर आधारित सामग्री को प्रस्तुत ि□□□ □□□ □ि□□ □□ □□ □□□□ □□ि □□ □□□ग्री को पाठ्यपुस्तकों के विकल्प के रूप म न लेते हुए पूरक सामग्री के ही रूप म □□ □□□□ □□□□□ ि□□□ □□□।

मुझे आशा है कि इस सहायक सामग्री का विद्यार्थियों द्वारा भरपूर उपयोग किया जाएगा और बोड □□□क्ष□ओं □ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □द्ध □□□□। □त्र प्र□□□-□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□-पिता गुरुजनों □□ □द्री□ □द्या□□ □□□□ □□ □□□□□न्□□ □□□□।

□□□□□□□□ओं □□□□ !

□न्□□□ □□□□ □ल्□
□□क्त

प्राक्कथन

□□ □□ □□ □□□□□ □□ि□ □क्ष□ □□□□□□ों ि□□ □□□ □□विद्यार्थियों के लिए □□ □□□□□□ □□□ग्री □□□□ □ो □□ □|□□न□□ □□□□ □□शिक्षकों द्व□□□ □□ □□□ग्री □□□□□ज्ञों □□पर्यवेक्षण □ □□□□ □ो □□ □|उद्देश्य यह है कि इससे □□द्यार्थि□□ों □□ □□□□, □□क्षिप्त □□ □□र्ि□□ रू□ □ □ध□□□ □□□ग्री □□□□ब□ □□ □□,□□ □□□□□□□□□ □ □□□□□ □□| □□□ों □□संक्षिप्त रू□, □ध□□□ □□□□□□ □ □□ स□ष्ट □□□□□ □□□□, □□□□न्न □□ल□□□ओं □□ उपयोगी सूत्रबद्ध रूप □ प्रदर्शित □□□□, □□□ प्रश्न □त्र □□□ □□□□□त्त□, □त्त□ □□□ □त□र्ि□ □□ □ध□□□ □□□ग्री □ □□□□□ ि□□ □□ □□

□□ □□□ग्री □□ □□□□□ □□.□□.□□.□.□□□त्र 2019-20 □□पाठ्यक्रम □ ि□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□रू□ □□□ प्रश्न □त्रों □□□□□□□□ □□ ध□□□ □ □□□□□ एवं आवश्यक पुनरीक्षण के बाद किया गया है| □□□द्व□□□ □□द्यार्ि□□ों □□ महत्वपूण □□□□र्ि□□□संक्षिप्त रू□ □ □□□□ब□ □□□□ □□ □□| □□□ □□ □□□ □□□□□ □□श□□ □□□महत्वपूण ि□□□ □□□□□ ि□□ □□ □, □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ प्र□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□श□□ □| □□ □□ठ्य □□□ग्री □ो □□□□□□स□□□□ □□□□□□ □ □□□□□□ □□□ प्रस□□□□□□ □ □□□रू□□□ □□□□श्वे□ □□□□□□उद्देश्य □□□□□केंद्रीय □□द्य□□□ □□□□ □ख□□□□ □□स□□ □□ □□□□ रू□ ि□□□ □□□ □|□□□□ □□ □□ □□ों, □□ □□श्व□□ □र्ि□ □□ □□□ग्री □□□द्यार्थी □□□ों □□ □□ग्र□□ □□हृ□□□□ □□ □□;|□□□□□श्व□□ □र्ि□ □□ □□□□□ □□□ग्री □□द्यार्ि□□ों □□□□□ □□□□□□□ □र्ि□ र्ि□श्व□, □□□□ □□□ प्र□□□ □□□ □□ष्ठ□□□□ □ध□□□ द्व□□□ □□□□□□ □□□च्च □□□□ □□ □हुँ□□□□ □ □□श□ □□□□□ □□द्ध □□□□|

□□□□□□□□ओं □□□□ !

(□□□.□□□□)□

□□□ □□□क्त(□क्षे□)

Hindi

STUDENT SUPPORT MATERIAL

ADVISORS

Shri Santosh Kumar Mall, IAS, Commissioner, KVS (HQ), New Delhi	
Sh. Saurabh Jain, IAS Additional. Commissioner (Admn.) KVS (HQ), New Delhi.	Sh. U.N Khaware, Additional. Commissioner (Acad) KVS (HQ), New Delhi.

CO-ORDINATION TEAM KVS (HQ)

- Dr.E. Prabhakar, Joint Commissioner (Training/Finance) KVS (HQ), New Delhi.
- Smt. InduKaushik, Deputy Commissioner (Acad), KVS (HQ), New Delhi.
- Shri Ravindra Kumar Sharma, Assistant Education Officer, KVS (HQ), New Delhi.

CONTENT TEAM

- **Jh t-,e- jkor]** mik;Dr] pMhx< lHkkx ¼oreku e ZIET pMhx<½
- **Jherh lrk"k fe/kk]** mik;Dr] fnYyh lHkkx
- **Jh l;'khy dekj]** Lukrdksùkj f'k{kd ¼fgUnh½] d-fo- 01] ifV;kyk
- **Jherh ek;k noh]** Lukrdksùkj f'kf{kdk ¼fgUnh½] d-fo- 01] vEckyk Nkouh
- **Mk- d'ko no]** Lukrdksùkj f'k{kd ¼fgUnh½] d-fo- d-fj-i- cy] fitkj
- **Jherh ljkt oek ek;]** Lukrdksùkj f'kf{kdk ¼fgUnh½] d-fo- 02] Mh-,e-MCY; ifV;kyk
- **Jherh chuk Mkxjk]** Lukrdksùkj f'kf{kdk ¼fgUnh½] d-fo- gkb xkmM pMhx<
- **Jh ih-Mh- xk;y]** Lukrdksùkj f'k{kd ¼fgUnh½] d-fo- 01] pMh efnj Nkouh

REVIEW TEAM

- Ms. ChandanaMandal, Deputy Commissioner, KVS Raipur, Region.
- Shri D. Venkteshwarloo, Assistant commissioner, KVS Raipur Region.
- Dr. S.Nalyani,Assistant Commissioner, KVS Raipur Region.
- Shri Dhirendera Kumar Jha, Principal, KV Bilaspur.
- Dr. Yogendera Kumar Pandey,PGT(Hindi),KV Rajnandgaon.
- Shri Ajay Kumar Shahu,PGT(Hindi),KV No.1 Raipur,1st Shift.
- Shri Jitendera Pratap singh, PGT(Hindi),KV Dhamatri.

Typing, Type-setting & Designing
M/s Choudhary Printing Press
Near Mohanpur Devi Asthan, Punaichak, Patna
Mob.: 0943096087, 09835492012 T/F: 0612-2546751
E-mail: choudharyprintingpress@gmail.com

अनुक्रमणिका (विषय-सूची)

क्र.□□	□□□□□स□□	□ष्ठ क्र.
1	□□ठ्यक्र□ □□□□ □□□□□ (प्र□रू□)	6
2	प्र□□□□ प्रश्न□त्र □□□त्त□ □□□	8
3	अपठित गद्यांश, काव्यांश, जनसंचार एवं रचनात्मक लेखन	18
4	पाठों का सूत्रात्मक विवरण	40
5	प्राय: पूछे जाने वाले महत्तवपूण प्रश्न	51
6	□□□□□त्ते □□□□क्षेप्त □□□ग्र□	87
7	अभ्यास हेतु प्रश्नपत्र	92

वार्षिक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम एवं प्रश्न-पत्र प्रारूप

कक्षा-11 विषय :-हिन्दी (कोर)

* प्रश्न-□त्र □□ प्र□रू□ □□म्न□□ □□□□ :-

□□– □ (16 □□)

(प्र.1) □□f□□ □द्य□□ – 12 □□ (5 X 2 = 10, 1 x 2 = 2)

(प्र.2) अपठित पद्यांश – 4 □□ (1 X 4 = 4)

□□– □ (20 □□)

(प्र.3) □□□□f□□-□त्र – 5 □□ (□□□ल□ □□□□)

(प्र.4) □□□□त□□ □□□□ – 5 □□ (□□□ल□ □□□□)

(प्र.5) □□□□□□□ □□□□□ध□□ □□ □□त्त्र□त□क प्रश्न - 5 □□ (1X5=5)

(प्र.6) □ो□□ /□□□ - 5 □□

□□– □ (44 □□)

□□□□ □ध□ □□□ – 1 16 □□

(प्र.7) (□f□□ □द्य□□ -2 x3=6 □□)

(प्र. 8) आरोह गध्य भाग – 1 (10 □□ □प्रश्न 4+4+2=10 □□)

□□□□ □द्य □□□- 1 16 □□

(प्र.9) पठित पद्यान्श म □□6 □□ (2 x 3 = 6 □□)

(प्र. 10) पठित पद्यान्श पर आधारित भाव सौंदय / काव्य सौंदय = 4 अंक)

(प्र. 11) कविता से प्रश्न 3 x 2 = 6 □□

(प्र.12) □□□□□ □□□ – 1 = 12 अंक (विकल्प सहित) (कुल 4 प्रश्नो म से 3 प्रश्न करने है)

वार्षिक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम एवं प्रश्न-पत्र प्रारूप

कक्षा-12 विषय :-हिन्दी (कोर)

* प्रश्न-□त्र □□ प्र□रू□ □□म्न□□□ □□□□ :-

□□ – □ (16 □□)

(प्र.1) □□ि□□ □द्यां□ – 12 □□ (5 X 2 = 10, 1 x 2 = 2)

(प्र.2) □□ि□□ □द्यां□ – 4 □□ (1 X 4 = 4)

□□ – □ (20 □□)

(प्र.3) □□□ि□□-□त्र – 5 □□ (□□□ल□ □□□□)

(प्र.4) रचनात्मक लेखन – 5 □□ (□□□ल□ □□□□)

(प्र.5) जनसंचार एवं माध्यम पर लघुत्त्रात्मक प्रश्न - 5 □□ (1X5=5)

(प्र.6) □ो□□ /□□□ - 5 □□

□□ – □ (44 □□)

□□□□ □ध□ □□□ – 2 16 □□

(प्र.7) (□ि□□ □द्यां□ -2 x3=6 □□)

(प्र. 8) □□□□ □ध□ □□□ – 2 (10 अंक के प्रश्न 4+4+2=10 अंक)

□□□□ □द्य □□□- 2 16 □□

(प्र.9) □ि□□ □द्या□ं□ □ □□6 □□ (2 x 3 = 6 □□)

(प्र. 10) पठित पद्यान्श पर आधारित भाव सौंदय / काव्य सौंदय = 4 अंक)

(प्र. 11) □□□□□ □प्रश्न 3 x 2 = 6 □□

(प्र.12) □□□□□ □□□ – 2 = 12 अंक (विकल्प सहित) (कुल 4 प्रश्नो म से 3 प्रश्न करने है)

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

[illegible]:- [illegible] ([illegible]) [illegible]: 80 [illegible]

[illegible] : 3 [illegible] [illegible]:- [illegible]

[illegible]:

- प्रश्न-[illegible] [illegible], [illegible], [illegible]
- सभी प्रश्न अनिवाय है। प्रश्नों के अंक उनके सामने दिए गए है।
- प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमश :[illegible]

खंड- क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के [illegible]- 12

[illegible] व्यक्ति [illegible] व्यक्ति [illegible] अंग्रेजी म उसकी दक्षता असंदिग्ध हो। संसार के अन्य देशों म सुसंस्कृत व्यक्ति वह समझा जाता है, [illegible] यह पता रहे कि उसकी भाषा के अच्छे लेखक और कवि कौन ह तथा समय-[illegible] रही ह। भारत म स्थिति दूसरी है। यहाँ प्राय : [illegible], किंतु अपनी भाषा की कोई पुस्तक या पत्रिका दिखाई नहीं पड़ती। यह दुरावस्था भले ही किसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है, [illegible]

इस दुरावस्था का भयानक दुष्परिणाम यह है कि भारतीय भाषाओं के समकालीन साहित्य पर उन लोगों की दृष्टि नहीं पड़ती, [illegible]: सर्वोत्तम छात्र थे और अब शासन तंत्र [illegible] पर काम कर रहे ह। इस दृष्टि से भारतीय भाषाओं के लेखक केवल यूरोपीय लेखकों से ही नहीं बल्कि मिस्र, [illegible], चीन और जापान के लेखकों से भी हीन है। क्योंकि इन देशों के लेखकों की कृतियाँ वहाँ [illegible]त शिक्षित समुदाय की दृष्टि प्राय:[illegible] पड़ती। ये लोग अंग्रेजी म ही पढ़ना पसंद करते ह। यहाँ तक कि उनकी कविता और उपन्यास पढ़ने की तृष्णा भी अंग्रेजी रचनाओं से बुझ जाती है और उसे यह जानने की इच्छा ही नहीं होती कि शरीर से वह [illegible] उसके मनोभाव उपन्यास व काव्य म किस प्रकार व्यक्त हो रहे ह।

(□) भारत तथा अन्य देशों के सुशिक्षित व्यक्ति म क्या अंतर है ? 2

(□) ‘यह दुरावस्था ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है’- से क्या अभिप्राय :□□? 2

(□) □□□□□□ □□□क्षे□ □□□□□ प्र□□:किस भाषा का साहित्य पढ़ना पसंद करता है ? □□□□□□□

“□□□□□□□” विशेषण का प्रयोग क्यों किया गया है? 2

(□) □□□□ □ शिक्षित व्यक्ति □ो क□□ □□□□□ □?□ 2

(□) भारतीय भाषाओं के साहित्य के प्रति समाज के किस वग म अरुचि को भावना है? 2

(□) □□ □द्य□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □ 1

(□) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी बताइए- □□□□, □क्ष□□ □ 1

2. निम्नलिखित पद्यान्श के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए- – 1x4=4

‘□□□□□□ □ि□□□□ □ि□□ □□ □□ □□□ □□,
□□ – □द्र, □□ – □□□ □□□□ □त्□□□ □□,
□ि□□□□प्रे□ –प्र□□□ , □□ □□□□□ण□□ □ ,
□□ □□ □□ – □□ □□□□ □ि□□□□ □□,
□□□□□□□□□□ □□□□ □ , □□□□□□□ □□ □□ □ो ,
□□□□□□□ ! □□□त□ □□ □□□ मूर्ति □□□ □ो ,
□□□□ो □□ □ □□□ – □□□□□ □□□ु□ □ ,
□□ों □□□ □□□ – □□□□□□ □□□ु□ □ ,
□□□□□ □□ □□ल□□□□ □ □□ □□ □□□ ,
□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ ,
□□ □□□– □□□□□□□ , □□□□ो ए□□□ □□□ □ ,
□□□□□□□ ! □□□□ □□□□ , □ग्र क्यों □ □ों □□□ □ |’

(□) प्रस्तुत काव्यांश का उपयुक्त शीषक दीजिए |

(□) प्रस्तुत काव्यान्श म ‘□ि□□ – □□’ ि□□□□□□ □□□ □□?

(□) कवि अपने देश पर क्यों बलिहारी जाता है ?

(□) ‘□□ □□□□□ि□□□□□□ □□□ □□?

खंड -ख

3. □□म्न□□□□□ □ □□ि□□□ □□ □□□□ □□ □□□□त□□ □□ □□□□□ – 5

(क) □□□□□ □□□

(ख) □□□ □□□ि□□

(ग) बारिश को एक शाम

4. सड़कों को दुदशा □□□□□□ □□□□□ नगरपालिका अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए | 5

□□□□

युवा वग को बेरोजगारी को समस्या पर ध्यान दिलाते हुए दैनिक समाचार पत्र □□□□□□□ □□ □त्र □□□□□ |

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजि□ --- 1x5=5

(□) □□□□ □ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□ ?

(ख) बीट किसे कहते ह ?

(ग) अंशकालिक पत्रकार किसे कहते ह ?

(घ) हिन्दी म प्रकाशित दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों के नाम बताइए |

(□) □□□□□□ □□□□□ □□ □त्त □□□□□□|

6. □□ □□क्ष□ □□ □□त्त□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ 5

□□□□

“विद्यालय म स्वच्छता पखवाड़े को धूम“ □□□□ □□ □□ □ो□□ |

7. □□म्न□□□□□ □द्य□न्□ □□□ □□□ □□ प्रश्नों □□□त्त□ □□□□□ - 2x3=6

□□□□□ □ □□ □□□□□| □□ □□□□□ □ □ी □□□ □□□ □□□□ □□| □□ रू□ □□ □□□□| □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□, □□□□ □□ □□□□ी □□ □□□□□ □□| □□ □□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ , □□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□| □□ □□□□ □□ □□ □□□ □ □□ , □□ □□ □□□□□□□ □□□□□ | □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □ी □□□□□□ □□□ीं □□ □□□□त्र□ □□ □□ □हुँ□ □□□□□ | कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह किसको □□□□□□□ □□| □□□□ □□□□ □□□□ □□ □, □□□ □□ □□| □□□ □□□□□ □रू□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□| □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□| जादू को सवारी उतरी कि पता चलता है कि फ़ैन्सी चीजों को बहुतायत आराम म मदद नहीं देती , बल्कि खलल ही डालती ह | □□□□ □□□ □□ स□□□□□□□ □□ □रू□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □ी □□ल्□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□| □□□ □□□□ □□□□ □ी □□, रेशम के स्पश के मुलायम के □□□□ क□□ □□ □□□ □□ □□□□ ?

(□) □□□□□ □ क□□ □□□ □ □□ □□□□□□ □□□□ □□?

(□) □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □ □□ □□ीं ?

(□) □□ □□□□ □□□□□□ क□□ □□□□ □□?

□□□□

चैप्लिन ने न सिफ फिल्म – कला को लोकतान्त्रिक बनाया बल्कि दशकों को वग तथा वण – व्य□स□□ □□ □□□□ | यह अकारण नहीं है कि जो भी व्यक्ति , समूह या तंत्र गैर बराबरी नहीं मिटाना चाहता वह अन्य संस्थाओं के अलावा चैप्लिन को फिल्मों पर भी हमला करता है | □ॅ□□ □□□ □□ □□ □च्च□ □□□□ □□□□□□□ बतला देता है कि राजा भी उतना ही नंगा है जितना म हूँ और भीड़ हँस देती है | □□□ □□ □□□□ □□ □त्र □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □ीं □□□□ | □□ □ि□त□क्त, दूसरे दज को स्टेज अभिनेत्री का बेटा होना , □□□ □ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ , □□म्र□ज□ ,औद्योगिक क्रांति , □□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□रू□ □□ □□□□ द्व□□□ □□□□□□ □□□□ – □□ □□□□□ॅ□□ □□ □□□□□□ – □ल□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□ □□□ □□|

(□) □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ |

(□) □ॅ□□ □क्या युगांतकारी परिवतन किए ?

□ॅ□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ ?

खंड – 'ग'

8. □□म्न□□□□□ प्रश्नों □□□त्त□ □□□□□ -- 4+4+2= 10

(□) 'भक्तिन अच्छी है , यह कहना कठिन होगा क्योंकि उसम दुगुणों का अभाव नहों'– □□□□□ □□□□□□
□□□ □ऐसा क्यों कहा होगा?

(□) '□□□' □□□□□ □ □□□□ □□ □□□□स□□□ □ो □□□□ □□□ □□□□□ □□– □□□ □□□□□ □□□ब□□ □□ □□□□□ो□
स□□□ □□□ हु□ □□, □□□?

(□) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने शिरीष को कालजयी अवधूत को तरह क्यों माना है ?

(9) □□म्न□□□□□ □□व्य□□ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर □□□□□ -- 2X3=6

□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□ | □□हु □ □□□ □□ □□ □□□□□□□ ||

□□ □□□□□ □□ □□□□□□□हु | पितु बचन मानतेऊँ नहिं ओहू ||

सुत बित नारि भवन परिवारा | होहि जाहों जग बारहों बारा ||

□□ □□□□□ि □□□ □□□हु □□□□ | □□□□□ □ □□□ □□□□□ भ्र□□□ ||

(क) '□□ □□□□□ ....□हू'- पंक्ति के माध्यम से राम को मनोदशा का वणन कोजिए |

(ख) □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □ □□□ – □□□ □□ □स□□□□□ □□ – □□□□ □□□□□ □ ?

(ग) □□□ □□□क्ष□□ □ो ि□□ □□□□□□□ □□ प्र□□ ि□□□ □□?

□□□□

□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□
□□□□□ □ो □□□□ □□□ □□□□□□□ व□□ □□□□
□□□□ □□□□
□□ □□, □□ □□
□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□□
□□□□□□ व□□ □□□□?

(क) □□□□□ □□ □□□□□□□ □ व□□ □□□□□□□ □□?

(ख) □□□□□□ व□□ □□ों □□□□□ ?

(ग) □□□□ □□□□ □□ □□ □□, □□ □□ □□व□□ □□□ □□?

(10) □□म्न□□□□□ □□व्य□□ □□□ □□□ □□ प्रश्नों □□□त्त□ □□□□□ - 2x2=4

“□□□□ □□□□□□ □ो □□□□□□ □□□□□□
□□□□ □□□□□□ □□
□□□□□ □□ □क्ष□ □□ □□ □□ □□□त□□ □□
□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□व्य□□ □□□□□ □□
□□□□□□ □□□□□□ □त□□□□□ □□□□श□ □ों □□□□ □□!”

(क) प्रस□□ □□व्य – □□क्ति□ों □ो □□□□ – □□□ □ो □□ □□□□□□□□□□□□□□ |

(ख) प्रयुक्त दो अलकारों के उदाहरण चुनकर उनके सौन्दय पर टिप्पणी कोजिए|

अथवा

“□□□□ □□□□□□– □□□□□□□□ □□ □□
□□□□हु□ □□ओं □ □□□□ □□□□
f□□ प□□□ □□□□□□ □□□च्च□ □□□ □□
□□ □□□□□□ों □ □□□□□ □□न□□□□ □□□□”

(□) □□□ – सौंदय स्पष्ट कोजिए –

“f□□ प□□□ □□□□□□ □□□च्च□ □□□ □□
जब घुटनियों म ले के है पिन्हाती कप□”

(□) □□व्य□□ □□□न□□, □□'□□ □ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ |

11. निम्नलिखित म से किन्हों दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए -- 3+3=6

(□) ‘□□□□□ □□ □□□□□□□’ करुणा के मुखौटे म छिपी क्रूरता को कविता है – □□□□□ □ो□□□ |

(□) □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □न्न□ □□□□□ क□□ □□ □□□□□ □□? स□ष्ट □ो□□□|

(□) ‘□□□□□□ □□□□ □□□□□, □□ों □□□□□ □□ □□□□□’ – □□□ f□□□□ □□□ □च्च□ □□□□□ क□ों □□□ ?

12 .निम्नलिखित म से किन्हों तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए 3x4=12

(□) यशोधर बाबू को पत्नी समय के साथ ढल सकने म सफल होती है , □f□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ | □□ □□□□ □त्त□ □□□□□ |

(□) ‘□□’ कहानी के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट कोजिए कि क्या यह शीषक कथा नायक को किसी □न्द्री□ □□f□□त्रे□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□?

(□) डायरी के पन्ने के आधार पर औरतों को शिक्षा और उनके अधिकारों के विषय म एन फ्रैंक के □□□□□ों □□ □□□□□ |

(□) सिंधु सभ्यता को खूबी उसका सौन्दय बोध है जो राजपोषित या धमपोषित न होकर समाजपोषित □□| □□□ क्□ों □□□ □□□ □?

<u>उत्तर-संकेत</u>

खंड- क

1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर- 12

(□) अन्य देशों के पास अपनी भाषा के पुस्तकों का संग्रह होता है जबकि भारतीयों के पास नहों। 2

(□) ऐतिहासिक घटनाओं के घटने के कारण हमारी यह दुरावस्था हुई है। 2

(□) □□□□□ □□□□□ ,□ग्रे□□ □□□□ओं □□ □□□□□त,'□□□□□□□' □□□□□ □□□□□ □□□□ष्ट □□□ों □□□□□ □□□ □□ 2

(□) जो अपनी मातृभाषा म दक्ष हो या न हो किंतु अंग्रेजी म दक्षता असंदिग्ध हो। 2

(□.) '□□□□□□□ □च्च □□□क्षे□ □□□□□' 2

(□) भारतीय शिक्षित समुदाय अथवा अन्य सटीक उत्तर स्वीकाय 1

(□) □□, □□श्व □ □□□□□□, □□□□□□ □

2.

(□) □□□□□□ □ों □□□□□ अथवा अन्य सटीक उत्तर स्वीकाय| 1

(□) □□□ – □□□ □□□□ , □□□– □□□□□ों □□ □□□ों □□च्□ा□□ □□| 1

(□) □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□न्□□ □□ □□□□□□□ □□| 1

(□) □□□ □□स्□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ों □□ □□□ □□| 1

3 □. □□□□ – □□स्□□□ □□स्□□□ 2

□. □□□ □□□□□□□त्□□□□ 2

□. □□□□ □□ □□□□ 1

4. निम्नलिखित विंदुओं के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा –

(□) □त्र प्र□रू□ 1

(□) □□□□ □□स्□□□ 3

(□) □□□□ □□□ 1

5 1 x 5 = 5

([illegible]) 1856 [illegible], [illegible] 1

([illegible]) [illegible] क्षेत्र [illegible] | 1

([illegible]) किसी निश्चित समय के लिए काय करनेवाला अंशकालिक पत्रकार कहलाता ह | 1

([illegible]) [illegible], [illegible], [illegible] 1

([illegible]) [illegible], [illegible], [illegible] , प्र[illegible] [illegible] |

6. [illegible]

([illegible]) प्र[illegible] – प्रकरण का अथ स्पष्टीकरण – 1

([illegible]) [illegible] – 3

([illegible]) [illegible] – 1

खंड – 'ख'

7 (क) बाज़ार म जादू है और वह आँखों की राह काम करता है | [illegible] , [illegible] [illegible]ओं [illegible]

[illegible] व्यक्ति [illegible] | 2

([illegible]) [illegible] व्यक्ति [illegible] [illegible]ओं , [illegible] चीजों के प्रति आकर्षित हो रहा हो तो इस जादू का असर होता है | [illegible] | 2

([illegible]) [illegible] [illegible]ओं [illegible] | व्यक्ति अनावश्यक चीज [illegible] | 2

[illegible]

([illegible]) [illegible] – [illegible] , [illegible] – [illegible] | 2

(ख) चैप्लिन ने फिल्म कला को लोकप्रिय एवं लोकतान्त्रिक बनाया | [illegible] – व्य[illegible] [illegible] | 2

(□) □ऻ□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□. □□ व्य□क्ते , □□□□ □□ □त्र □□□□–□□□ □□ □□ों □□□□□□ □□□□□| □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ रू□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ | 2

8. निम्नलिखित म से किन्हों चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए -- 4+4+2 = 10

(□) भक्तिन बहुत कुछ ऐसा करती है जो लेखिका को सही नहों लगता जैसे , □□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ , □□□□ व्य□□□□, □□ष्ट□□□□, अपने लिए हस्ताक्षर सीखना आदि को गैर जरूरी बताना |

(□) उनमे प्रेम और स्नेह का स्वाद है | □□स□□□ □ □□□□□□ □□,□□□□□ □□ □प्रे□□□ों □□□□□□ प्रेम एवं स्नेह को दशाता □|□

(□) □□□□ □स□, □क्क□ , □□□□□□ □□□□ □□| □□ – □□ , □□□ – □□□□□ , □□ – □□□□ □□प्र□□□□ | □□□ प्र□□□ शिरीष भी विषम एवं प्रतिकूल स्थिति म सामान्य बना रहता है | अन्तः शक्ति से विषमता पर विजय प्राप्त करता है |

9. (□) □□□ □त□□ □□□□□□ , व्यग्र □□□□□□□□□ □ | 2

(□) □त्र , स्त्री , □ि□□□□ , □□ □ि□ | 2

(□) प्रे□□□ व्य□□□□ , भ्र□□प्रे□ □□ | 2

□□□□

(1) दोनों उड़ान भरती ह| 2

(2) कविता के उड़ान को सीमा को चिड़िया नहों जानती| 2

(3) सारे घर और समाज तथा मन को दुनिया और बाह्य जगत| 2

10 .(□) □□व्य□□ □ि □□□□ □□□ □□□□ , संस्कृतनिष्ठ शब्द प्रयोग , □□□ि□□ □□□□ □□□ 2

(□) □□□□ □□□□□□ – रू□□ | □□□□□□□ □□□□ – □□प्र□□ 2

□□□□

(□) ‘रू□□□□□□□□□□ □□□द□□ प्रस□□ □क्ते□ों □□□□– बच्चे का वात्सल्य बिंबित हुआ है | □□ □श□ □□म□ □ □□□□ ि□□□□ गोरखपुरी कहते ह कि जब माँ अपने बच्चे को नहला कर घुटनों पर लिटाकर कपड़े पहनाती है तो बच्चा अत्यंत स्नेह से माँ के □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□| □□□□ , □□□□□□□ – □□□□ , स्पश –□□ , □□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ों □□ देखकर बच्चा उस सुख को अभिव्यक्ति कर रहा है | इस प्रकार अत्यंत मनोरम सूक्ष्म भाव को अभिव्यक्ति हुई है| 2

(□) □□न□□ प्र□□□ □□□□□□□□ – □□□ , □□ , □□□□□□□□□,□च्चा , □क्ष□□□□ |

उर्दू प्रयोग के उदाहरण – □□ओं , □□□□,□□□ ,

□□□□□□□ प्र□□□ □□□□□□□□ – □□□□ , □□न□□□□ , □□□□□ों , □त□ि□ | 2

11. निम्नलिखित म से किन्हों दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए -- 3+3 = 6

(□) □□□□□□□ □भ□□□ □ व्य□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□| □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□द्देश□ □ी पूर्ति के लिए वह पद के पीछे क्रूरता को हद पर करता है पर दशकों के सामने करुणा दिखाता है |

(□) □□ □□□□रू□□ □□□न्े□□□ | कवि और कृषक दोनों एक ही प्रक्रिया से गुजरते ह और सृजनकम करते ह | □□□ों □ी □□म्□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□|

(ग) दाना सांसारिकता को दुनिया म ऐश्वय , □□ □□□□□ □□ प्र□□□ □□|नादान शब्द संसार वासियों के लिए है | □□□□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□, □□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□| □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□|

12 .

(□) □□□□□ □□□□□□□□ □□ही जिम्मेदारियों के बोझ से लद गए थे । बचपन म ही इनके माता-□□□□ □□ □□□□ □□ ग□□ □□ □ □□□□ □□□□-पोषन इनको विधवा बुआ किया था। मैट्रिक होने के बाद वे दिल्ली आ गए तथा किशनदा जैसे कुँवारे के पास रहे । इस तरह वे सदैव उन लोगों के साथ रहे जिन्ह कभी परिवार का □□ □□ों □□□□ □ □□□□□ □□□□□ □□□ों □□□□□ □□□□□□□□□□ :□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ों □□□□□□□□□□ □□□ □□□ो □ी पुराने संस्कारों को □□। वे एक संयुक्त परिवार से आयी थी जहाँ उन्ह सुखद अनुभव नहीं हुआ ।

(□) '□□' का अथ है संघष | □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□ ि□□ □□ | □□ □□ ि□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□श्व□□□□ □□त्र□ □□| □□□ □□□□□ □ □□□ो □□, □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□□ परिस्थिति म भी मराठी अध्यापक के सहयोग ने उसके संघष को सफ□□□ □ □□□ ि□□□ | □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □ी प्रवृति एवं विपरीत परिस्थिति म भी आगे बढ़ते रहने को प्रेरणा लेखक को मूल केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता □□| □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□|

(□) ऐन चाहती ह कि औरतों को पुरुषों के बराबर सम्मान दिया जाए, क्योंकि औरत ही मानव-□□□□ □ी □□□□□□□ □□□□ रखने के लिए पीड़ा सहती है| ऐन उम्मीद करती ह कि आगामी सदी म औरतों द्वारा बच्चे पैदा करने वाली स्थिति बदलेगी और उन्ह ज्यादा सम्मान और हक़ मिलेगा| 4

(□) ि□□– सभ्यता के लोगों म कला या सुरुचि का महत्व ज्यादा था | यहाँ से प्राप्त नगर – □□□□□□ , धातु व पत्थर को □ि□□□, □□□□□ , □□ □□ □□□त्रे□ □□□ष , □□स□□□ □ □□□– □□क्षे□ों □ी □□□□□, □□□□□□, □□□□ □□□ □□□ □क्षों □□ □□□□रू□ □ि □□□ □□ □□ □भ□□□ □□ □□□□□ □□द्ध □□□□□□ □□□ □□द्ध □□□□□ □□□□ □□| □□□□□□ □□□□□□ □□ों □□□□ जो बताता है कि यहाँ अनुशासन ज़रूर था , □□□□न□ □भ□□□ □□ □□ों | □□□□□□ □□□□त्र□ □□ □□□त्र □ी □□□□ □□ प्र□□□ □□□□□□□ □स□□□□□, उपासना स्थल या मंदिर आदि नहीं मिलते | □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ से बनाई गईं और बहुतायत म प्राप्त हुईं | इन सारी चीजों से जो सौंदय बोध उभरता है , □□ प्र□□□□ □□□□ □ि□ □□ □भ□□□ □□□□ □□□□□ □□ | 4

अपठित गद्य / पद्य निर्धारित अंक:16

(गद्यांश के लिए 12 और काव्यांश के लिए 4 अंक निर्धारित)

स्मरणीय बिंदु :-

- □□ठित □द्य या पद्य के प्रश्न 1 □□ 2 □□□ □□□□□है जिन्हे कम से कम दो बार पढ़ना □□□□□ ।
- प्रश्नों के उत्तर देते समय सरलतम प्रश्नों का चुनाव पहले कर ।
- प्रश्नों को सावधानी से पढ़कर समझना अति अनिवाय है उत्तर देते समय ज्यादा विस्तार न कर ।
- आपको भाषा सरल और सहज होनी चाहिए ताकि उलझन पैदा न हो ।
- व्या□□□□ □म्□□ □□□□ □□ प्र□□□ □□□□□□ प्र□□□ □□□□ □□□□□ ।
- □थ□ □ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ ।

निम्न उदाहरण देखिए :-

सुव्यवस्थित समाज का अनुसरण करना अनुशासन कहलाता है। व्यक्ति के जीवन म अनुशासन का बहुत महत्व □□ अनुशासन के बिना मनुष्य अपने चरित्र का निमाण नहीं कर सकता तथा चरित्रहीन व्यक्ति सभ्य-□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □कता। अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए भी मनुष्य को अनुशासनबद्ध होना अति अनिवाय है। विद्यार्थी जी□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □विद्या□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□

वतमान समाज म सवत्र अव्यवस्था का साम्राज्य फैला हुआ है। विद्यार्थी, □□□□□□, □□□□□□ □□□□□□, श्र□□□ □□□ सभी स्वयं को स्वतंत्र भारत का नागरिक मानकर मनमानी कर रहे है। शासन म व्याप्त अस्थिरता समाज के अनुशासन को भी प्र□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□ '□□□□ □□ □□□□□□' □□□□□ □□□ □□□□□ अपनी अनुशासनहीनता पर पदा डालने का प्रयास करता है। वास्तव म अनुशासन शब्द का अथ अपने पर नियंत्रण ही है। विद्यार्थी जीवन म अबोधता के कारण उन्हे भले बुरे को पहचान नहीं होती। ऐसी स्थिति म थोडी सी असावधानी उन्हे □□□□□□□□□ बना देती है। आजकल विद्यार्थियों को पढाई म रूचि नहीं है। वे आधुनिक शिक्षा पद्धति को बेकारों को सेना □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□प्र□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□, □□-सुविधापूण जीवन जीने के लिए गलत रास्तों पर चलने लगे ह। वतमान जीवन म व्याप्त राजनीतिक दलबंदी भी विद्यार्थियों म अनुशासनहीनता को प्रोत्साहित करती है। राजनीतिक नेता अपने स्वाथ के लिए विद्यार्थियों को भडका देते है तथा विद्यार्थी वग भले–□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□-□□□ □□□□ □□□□ □□

आधुनिक युग म अति व्यस्त जीवन पद्धति के कारण माता पिता अपनी संतान का पूरा ध्यान नहीं रख पाते। चार-पांच घंटे कॉलेज म रहने वाला विद्यार्थी उन्नीस बीस घंटे तो अपने परिवारजनों के साथ ही रहता है। पारिवारिक परिवेश का उस पर बहुत प्रभाव पडता है। यदि उसके माता-□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □च□ख□ □□□□ □□□□ □□□□ है। वे माता पिता जो अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते उनके बच्चों म भी समय पाबंदी और मूल्यों को लेकर संदेह बना रहता है तथा बच्चे भी शिक्षा को तरफ ध्यान नहीं दे पाते। विद्यार्थियों म अनुशासन बनाएं रखने के लिए विशेष योजना चलानी चाहिए □□□□ □□□ नैतिक व चारित्रिक उत्थान को बढाया जा सके। इस प्रकार के प्रोत्साहनों से उन्हे अपने कर्त्तव्य का बोध कराया जा सकता है। अतः हम कह सकते है कि अनुशासन से ही विद्यार्थियों के साथ साथ राष्ट्र को ऊंचा उठाया जा सकता है। इससे □□□□ स□□□□ □ □द्□त्ति□□ □□ □□□□ □□□या जा सकता है। ऐसा विद्यार्थी समाज और राष्ट्र का नाम करता है। उसम सद्गुण और कमठता के गुण आते है। परिश्रम और कर्त्तव्य के द्वारा वह देश सेवा करता है।

(□) □द्या□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ 1

(□) □□□□□□□ □□व□□ □□□□प्र□□ □□? 2

(□) □□□□ □□□□ □□ □च्चों □प्र□□ व□□ □र्त्तव्य □□□□ □□□□□ ? 2

(□) □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□व□□ □ □शि□ □□? 2

(□) □□□□□ □□□□ □ □□□ प्र□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□? 2

(□) □□□□ □□द्या□□ □□□ई के प्रति उदासीन क्यों है? 2

(छ) परिश्रमी और कमण्य शब्दों के विलोम शब्द लिखिए | 1

उत्तर :-

(□) □□□□ □ □□□□□□□ □□ □□□□

(□) स्□□□□ □□□त्र□ □

(□) उनको सही दिशा और मागदशन देना चाहिए ।

(□) □□□□□□ □ो □□□□□ □

(□) □□□□□□ □प्रे□

(□) □□□□□□□, □□□□□ □ □□ □□□ □ो □ि□□से□□□□□□□□ □□ों □ि□□ □□□ □

(□) □□ि□श्र□□, □□□□ण□

प्रश्न 2 □□व्या□□ □□ □□□□□□- 1.

थे कमवीर कि मृत्यु का भी ध्यान कुछ धरते न थे,
थे युद्धवीर कि काल से भी हम कभी डरते न थे।
□□□□□□□ ि□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□
थे कमवीर कि प्राण के भी मोह पर मरते न थे,
□□□□□ □ल□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□,
श्रीकृष्ण लीलमय हुए थे, □□ □□□□□□□□□□□
□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □द्ध □□ □□ □□□ □□
□□□□ □□□ □ □□ □□ो □□ □□ ि□□□□□ □□□ □□
□□ □□□□□□□ □□□□□ □ □□□ □□□ □□?
□□ □ब□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□ □□?
हां मत्स्य जैसे लक्ष्य बेधक धीर धन्वी थे यहाँ
रिपु को गिराकर अस्त्र पीछे लौट आते थे वहाँ ॥
वह सामरिक सिद्धांत भी औदायपूण पवित्र था,
□□ □द्ध □ □□ □त्रु□□, □न□त्र □□□ □□त्र □□□
□□ □□□ □ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□,
प्रतिपक्षियों को भी हमारे साथ का विश्वास था।

(□) अंतिम दो पंक्तियों के माध्यम से □□□ □□□□□ो □ो □□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □? 1

(□) हमारे पूवजों को किनके समान श्रेष्ठ बताया है? 1

(□) □□□□ □□ □□□□□ क□□ □□? 1

(□) हमारे पूवजों के सामरिक सिद्धांत कौन से थे ? 1

उत्तर :-

(□) □□□□ □□□ □□ □□□ □□□क्त □□□□□□

(□) □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □

(□) कम का उपदेश (युद्ध करना पुण्य)।
(□) □द्ध □□□ □ □□ □त्रु□□न□त्र □त्र □□ □□□ □

उदाहरण -2.

□□ □□□□, □□ □□□□□□ □, □□ □□□□, □□ □□□□,
f□□□ी □□म□□ □□f□ □म□□ष्ट□□ □□ष्टे □□□□
□ □□□□, □□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ओं □□□□,
□□□ी □क्ष□ म तुम सक्षम, □□ □□म□ □□□□□□ □
□□□□, □□, प्र□□ □□न्न □,f□□ □□ □□□- □□□,
□□□□ □ी □□□□ □स□□□ □ □□□□□□□□□□□ □
सुदिनों म हम एक साथ हँसते, □□□,□□□□□,
□f□□ □ □□ □□□ □□□ □□□□,□□रू□ □□□□ □
□□ □□ □स□ श□□□□□, □□ों □ □□ □□□□□□ □□,
प्र□□□ प्र□□□□□, □□□ □□□□□□, □□ □ f□□□□□□□ □□ □
□□ □ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ क□ों □□□□□□?
□□ □□□□□□□ □□□□, □□□□ क□ों □□□ □□□□?

प्रश्न :-

(क) □□□□ □स□□□ □□ क□□ □□□ □□? 1

(ख) भारत को अदम्य बलशाली क्यों कहा गया है? 1

(ग) □□-दुःख के दिनों म भारतीयों का परस्पर सहयोग कैसा होता है? 1

(घ) साम गानमयी का क्या तात्पय है? 1

उत्तर :-

(क) □□□□, □□, प्रदेश भिन्न होते हुए भी सभी के सुख-□□ □□ □ □

(ख) भारत को एक अरब से अधिक जनसंख्या भारत माता को मजबूत भुजाएँ ह।

(ग) □□□□□□ों का सुख दुख म भी मिल जुलकर रहने का भाव उत्तम है।

(घ) □□□□□□□□□ □□□क्त □

प्रश्न 3 दिए गए नए और अप्रत्याशित विषयों पर रचनात्मक लेखन 5

स्मरणीय बिंदु :

- f□□ □□ □□□□ों □□ ध्□□□ □□□□ और विचार कर कि कौन से विषय पर आप ज्यादा प्रभावी ज्ञान, □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □
- □□□□□त्ते □□□ □□□□□ □□□□□ f□□□ प्रस□□ □□□□□□ प्र□□□ □□ |
- □□□□ □□□□ ,□□□ □□ □□□ प्र□□□ □□ □

नए और अप्रत्याशित विषय पर लेखन

□□ □□ □प्रत□□□□ □□□□ों □□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ □|□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ f□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ी □□□ f□□□□ □□□ □□□□ □,□□ों □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ प्र□□□ □□ □□□□□ □□□□f□□ों □ी

प्र[illegible] क्ति [illegible] प्र[illegible], [illegible], [illegible]|

नए और अप्रत्याशित विषय पर लेखन कैसे कर? [illegible] अप्रत्याशित [illegible] क्योंकि [illegible] व्यक्ति [illegible] प्र[illegible]|

वास्तव म जितने व्यक्ति ह, [illegible] प्र[illegible]|

[illegible]–

1 [illegible] प्र[illegible] अप्रत्याशित [illegible] प्र[illegible]|

2 इस तरह के लेखन म प्रस्तावित विषय से संबंधित कोई सीमा नहीं होती है| अपने मन म उठने वाले विचारों को [illegible]|

[illegible]

पहला दृष्टिकोण [illegible] प्रश्नों [illegible] 3 [illegible] प्रश्नों [illegible] प्र[illegible] 2:00 [illegible], [illegible] 3 [illegible]|

ऐसी कई याद दीवाल घड़ी के साथ जुड़ी ह| [illegible], [illegible] जाती है| हम सब उस दिन अंकल पोज़र को मुद्रा म थे| हर कोई भवन शास्त्र से लेकर सौंदयशास्त्र तक का विशेषज्ञ [illegible]| [illegible], [illegible] | [illegible], [illegible]| [illegible] 6 [illegible]|

[illegible]| [illegible] ऐसा है,जो तकरीबन सभी मध्यवर्गीय परिवारों म पाया जाता है|

दूसरा दृष्टिकोण [illegible]| [illegible]| इसका मतलब यह कि कील पर उसके टंगे होने का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण उपलब्ध नहीं है लेकिन तक शास्त्रियों ने तो [illegible]| [illegible] तक पर आधारित यह अनुमान बिल्कुल निरापद है कि घड़ी कील के सहारे टंगी है| वह अपनी जगह बिल्कुल स्थिर है| पता नहीं कब से लेकिन चल रही है| उसके कानों म एक अनवरत चक्रीय गति है| चक्र या वृत्त को न कोई शुरुआत होती है न उसका अंत होता है| इस [illegible] क्रीय गति हम बताती है कि समय अनादि अनंत है| घड़ी को दीवार के आसन पर बिठाकर मानो यही बताते रहने का जिम्मा सौंप दिया गया है कि समय लगातार बीत रहा है, पर खत्म होने के लिए नहीं| [illegible]! किसी झुके हुए मतबान से लगातार पानी गिर रहा है,पर न पा[illegible] मतबान खाली होता है| गौर कर तो यह विरोधाभास नहीं है| [illegible]| [illegible] अनंत नहीं| घड़ी के चक्र म हर थोड़ी थोड़ी दूर पर जो लकीर ह, वे समय के कृत्रिम खंड ही सही, वे हम बताती ह [illegible]|

पहला दृष्टिकोण मुख्यतः स्मृति पर आधारित है| दूसरा नमूना दाशनिक मिजाज़ वाला है|

तीसरा दृष्टिकोण अवलोकन पर आधारित हो सकता है| इसकी शुरुआत कुछ इस तरह हो सकती है, वह मेरे ठीक [illegible]| [illegible]वार पर कील के सहारे टंगी हुई बिल्कुल स्थिर है अपनी जगह पर| पता नहीं कब से [illegible]| हिंदी म टिक टिक टिक टिक और अंग्रेजी म टिक टॉक टिक टॉक| उसे अंग्रेजी या हिंदी नहीं [illegible]| ठीक वैसे ही जैसे कुत्तों को [illegible]-बाउ करता है और हिंदी समाज के लिए भौं-[illegible]| [illegible] की चारों दीवारों पर कहीं भी और कुछ नहीं है| न तो कोई पटिंग,न कैलडर| ऐसे म इस गोलाकार घड़ी का वजूद सिफ उपयोगितावादी नहीं [illegible]| [illegible]|

प्रश्न-निम्नलिखित विषयों पर 200 शब्दों म लेखन कीजिए-

(1) सिनेमा हाल की टिकिट खिड़की
(2) कक्षा की दीवाल घड़ी
(3) [illegible]
(4) परीक्षा के दिन
(5) [illegible]
(6) [illegible]
(7) [illegible]
(8) [illegible]
(9) सदियों के दिन
(10) [illegible]
(11) [illegible]
(12) [illegible]
(13) [illegible]
(14) [illegible]
(15) [illegible]
(16) [illegible]
(17) [illegible]
(18) [illegible]([illegible]) [illegible]
(19) विद्यालय के मध्याह्न [illegible]
(20) [illegible]
(21) [illegible]

(22) □□□□□□□ □□ □□म□□□□ □□□□□ (23) □□स□ □□ □□ □□□

प्रश्न 4 : औपचारिक पत्र लेखन :- **5**

□□□□□ों, □□□ों, □□□ों □□□□□□□ओं □□□प्रे□□ □□□□□ □त्र □□□□, □□□ □□□ □□□□ि□□ □□ध□□ □□ □त्र □□□□ प्र□□□ □□ □□ □□□□□, □□ प्र□□□ □□□क्ष□ओं □ □□□□□□□ □त्र, आवेदन पत्र तथा संपादक के नाम पत्र पूछे जाते ह । इन पत्रों को □□□□□□□□ □□म्न □□□ों □□ ध□□□ □□□□ □□□□□ □

- **पता और दिनांक-** पत्र के ऊपर बाईं ओर प्रेषक का पता □ ि□□□ □□□□ □□□□ □□(□□त्र □□□□□□□ □□□क्ष□ □□□ □□ □□□□□)
- **संबोधन और पता-** □□□□□ □त्र □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□रू□ □□□□□□ ि□□□ □□□□ □□,औपचारिक पत्रों म □□, □□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□
- **विषय-** केवल औपचारिक पत्रों म प्रयोग कर (पत्र के कथ्य का संक्षिप्त रूप, जिसे पढ़ कर पत्र को सामग्री का संकेत □□□ □□□□ □□)
- **पत्र को सामग्री-** □□ □त्र □□ □□ □□□□ □,इसे संक्षेप म सारगर्भित और विषय के स्पष्टीकरण के साथ लिखा जाए ।
- **पत्र को समाप्ति-** □□□ □न्□□□□,□□□□, साभार सहित जैसे शब्दों को लिखा जाता है इसके बाद लेखक अपना नाम व □□□ □स्□क्ष□ □□□□ □□ □□
- **विशेष सूचना :- विद्यार्थी बोड को परीक्षा म कहीं भी अपना नाम व पता न द जो पत्र म प्रस्तुत हुआ है केवल वही नाम पता देना होता है । जानबूझ कर अपना सही पता नाम देना परीक्षा नियमों का उल्लंघन है ।**
- **पत्र का नमूना**

□□□□□□ □त्र □□□□□□□ □□ 'स्□च्□ □□द्य□□□ □□□□□□' □□□□□□□ □□ प्र□□□□ □□□□□□□□□ □त्र □□□□

□□□क्ष□ □□□,
....
ि□□□□:-............

प्र□□ष्ठ□ □,

□□□□□ □□□□□,

□□□□............,

□.□.□

□□□□ :- □□द्य□□□ □ □□□□□□ 'स्□च्□ □□द्य□□□ □□□□□□' □ी □□□□ □□□

श्रीमान/श्रीमती जी,

□ □□□□□□□□□ □त्र.......□□ □□□□□□ □□□□ हूँ□ □□ □□□□समाचार पत्र म देश विदेश के साथ □□□ क्षेत्री□ □□□□□ों □□ □□ □□□ प्र□□□□□ □□□□□ । म कद्रीय विद्य□□□ क्र-1 □□ □□त्र हूँ□ □□□□द्य□□□ म कल प्राचाय श्री .... ि□□ जी के नेतृत्व म स्वच्छ विद्यालय अभियान चलाया गया जिसम सभी शिक्षकों एवं बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया । सभी कक्षाओं, □□□□□ों , प्रयोगशालाओं व बगीचों को सफाई को गई । प्राचाय महोद□ □□□□□□□ □□ निरीक्षण भी किया व सफाई के महत्त्व को बच्चों के सामने प्रस्तुत किया गया । इस गतिविधि को फोटो भी आपको □□ □□□ हूँ□□□म्□□□ □ा□ □□ □□□□□□□□□□□ □त्र □ प्रकाशित करगे जिससे अन्य लोगों को भी सफाई के प्र□□ □□□रू□□□ □□ □न्□ □□□□

□न्□□□□ □□□□
□□□□□
□.□.□.

□भ□□□□□ □त्र :-

1. f□□□ □□□□ □□□□□□-पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए जिसम वृक्षों को कटाई रोकने के लिए सरकार का ध्यान □□f□□ f□□□ □□□ □□ □
2. हिंसा प्रधान फिल्मों को देखकर बाल वग पर पडने वाले दुष्प्रभावों का वणन करते हुए किसी □□□□ □□□□□□ □त्र □□ □□□ □त्र □□□□ □
3. □□□□□□□ □□□ □□□□□ □ो □□□□□□ □□□□हु□ □□स□□□स□□ □□ □त्र □□□□ □
4. लिपिक पद हेतु विद्यालय के प्राचाय को आवेदन पत्र लिख।
5. अपने क्षेत्र म बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों का वणन करते हुए अधिशासी अभियंता विद्युत बोड □□ □त्र □□□□□ □
6. भारतीय युवाओं म क्रिकेट के प्रति अत्याधिक लगाव को चचा करते हुए अन्य खेलों के प्रति उदासीनता पर किसी □□□□□□ □त्र □□□□□□□ □□ □त्र □□□□ □
7. दूरदशन कद्र के निदेशक को प्रायोजित कायक्रमों के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए पत्र लिखो□
8. किसी दुघटना के साक्षी/दशक उस घटना के प्रति उदासीन रहते ह कोई सहायता नहों करते इस विषय पर संपादक □□ □त्र □□□□ □
9. □□□□□ओं □प्र□□ □□ रहे अपराधों के कारणों का उल्लेख करते हुए संपादक को पत्र लिखो ।
10. □□□□क्षेत्र □ो □□□□ व्य□स□□ □ो □□□□□□□ □□□□ □□ □□ व्यक्त □□□□हु□ □□□□ □□□□क्ष □□ □त्र □□□□ □

5. जनसंचार माध्यम 1+1+1+1=4

1. **संचार किसे कहते ह ?**

□त्त□ :'□□□□' □ब□ □ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□—जिसका अथ है चलना या एक स्थान से दूसरे स्□□□ □□ □हुँ□□□□ □ □□□□ □□□ों □□ □□□□ - प्र□□□ □□□ □□□□ओं,□□□□□ों □□ □□□□□ओं □□ □□□□□, □□□□□ □□ □श□-श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूवक आदान-प्र□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ □हुँ□□□□ □□□□ □□

2. **संचार माध्यम से आप क्या समझते ह ?**

उत्तर : संचार प्रक्रिया को सम्पन्न करने म सहयोगी तरीके तथा उपकरण सं□□□ □□□ध□□ □□□□□□□ □

3. **संचार के मूल तत्त्व लिखिए ?**

उत्तर : * संचारक या स्रोत

- □□□□f□□ (□□□□□□)
- संदेश (जिसे संचारक प्राप्त कता तक पहुँचाना चाहता है)
- माध्यम (संदेश को प्राप्त कता तक पहुँचाने वाला माध्यम होता है जैसे ध्वनि तरंगे, □□□,□ □□□□□□,□□□□□□ □त्र, □□□□□, □□.□□. □f□ □
- प्राप्त□त्त□ (□□□□f□□ □□ □□□□ □□ प्राप्त □□□□□□□)
- फोडबैक (संचार प्रक्रिया म प्राप्तकता को प्रतिक्रिया)
- □□□ (संचार प्रक्रिया म आने वाली बा□□)

4. **संचार के प्रमुख प्रकारों का उल्लेख कोजिए ।**

□त्त□ : *** सांकेतिक संचार** *** मौखिक संचार**

- □□□□□□ □□□□ * अंतवयक्तिक संचार
- □□□□ □□□□ * □□□□□□

5. **जनसंचार से आप क्या समझते ह ?**

□त्त□ : प्रत्यक्ष संवाद को बजाय किसी तकनीको या यांत्रिक माध्यम के द्वारा समाज के एक विशालवग से संवाद □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□

6. जनसंचार के प्रमुख माध्यमों का उल्लेख कोजिए ।

□त्त□ : □□□□□□ □त्र, □□□□□, □□□□□, □□.□□. □□□□□ □ि□ □

7. जनसंचार को विशेषताएँ लिखिए ।

उत्तर 1. इसम फोडबैक तुरंत प्राप्त नहीं होता ।
2. □□□□□□ों □ो प्र□□□ □□□□□□□ □□□□ □□
3. □□□□□ □□ प्र□त्त□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □ों □□□□ □
4. □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ि□□ □□□□□ □ो □□श्त्त□ □□□□ □□
5. □□□ □□□□□□द्व□□□□ □□□ □□□□□ □

8. जनसंचार के प्रमुख काय कौन - कौन से ह ?

□त्त□ : 1 □□□□ □□ 2. □□क्षे□ □□□□ 3 □□□□□□ □□□□ 4 □□□□□□□ □□□□ 5 □□□□ □□ □□□□ 6 □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ब □□□□□ □

9. लाइव से क्या अभिप्राय: है ?

□□□ : ि□□ □□□□ □□ □□□□ स□□ □□□□□□ प्र□□□□ □□□□ □□□□□□ □□

10. भारत का पहला समाचार वाहक किसे माना जाता है ?

□त्त□ : □□□□□ □□□□

11. जनसंचार का सबसे पहला महत्त्वपूण एवं विस्तृत माध्यम कौन सा था ?

उत्तर : समाचार पत्र एवं पत्रिका

12. प्रिंट मीडिया के तीन प्रमुख पहलू कौन से ह ?

उत्तर : समाचारों को संकलित करना, □□□□□ □□□□ , मुद्रण तथा प्रसारण ।

13. समाचारों को संकलित करने का काय कौन करता है ?

□त्त□ : □□□□□□□□

14. भारत म पत्रकारिता को शुरुआत कब और किससे हुई ?

□त्त□ : □रत म पत्रकारिता को शुरुआत सन् 1780 म जेम्स ऑगस्ट हिको के बंगाल गजट से हुई जो कलकत्ता □□ प्र□□□□□ हु□ □

15. हिंदी का पहला साप्ताहिक पत्र किसे माना जाता है ?

□त्त□ : □□□ □□□□, □□□□□ □□□ ि□□□□ □क□ □

16. आजादी से पहले कौन कौन प्रमुख पत्रकार हुए ?

□त्त□: □□□त□ □□□, □□□□□न □□□□, □□□ □□□□ □□□□□□, □□□ □□□ □□द्य□र्□ि, □□□□□□□ □□□□□ □

17. आजादी से पूव के समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के नाम लिखो ।

□त्त□ : □□□□, हिंदुस्ता□, □□स□□□, □□, □□□□□, □□, प्र□□□,प्र□□□, □□□□□ □□□□ □ि□

18. आजादी के बाद को प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाओं के नाम लिखो ।

□त्त□- प्र□□ □त्र– □□ □□□□ □□□म□, □□□त्त□, □□ □□□□□, ि□स□□□, □□□ □□□□□ □□□□ □□स□□

□त्रे□□□:- □□□□,□□□□□□ ि□स□□□, ि□□□□□, □□□□□□, □□□□□□□,□□ □□□□

□त्र□□ :- □ज्ञे□, □□□□□ □□□□, □□□□□ □□□□□, □□□□□ श□□□ □□□□, राजद्र माथुर ।

19. पत्रकारिता क्या है ?

उत्तर: [illegible], जिनम अधिक से अधिक लोगों को रूचि [illegible] अधिक लोगों को प्रभावित करती हो , [illegible]

20. पत्रकारीय लेखन तथा साहित्यिक सृजनात्मक लेखन म क्या अंतर है ?

उत्तर : पत्रकारीय लेखन का मूल उद्देश्य सूचना प्रदान करना होता है , इसम तथ्यों को प्रधानता होती है जबकि [illegible],कल्पना और सौंदय प्रधान होता है।

21. पत्रकारिता के प्रमुख आयाम कौन कौन से होते है ?

उत्तर : संपादकोय,फोटो पत्रकारिता, [illegible], [illegible], [illegible] ।

22. समाचार किसे कहते ह ?

उत्तर: [illegible]

23. समाचार के तत्वों का उल्लेख कर ।

उत्तर : [illegible]

24. डेड लाइन से आप क्या समझते ह ?

उत्तर : समाचार माध्यमों के लिए समाचारों को प्रकाशित करने के निर्धारित समय को डेड ला[illegible]

25. संपादन से आप क्या समझते हो ?

उत्तर: [illegible] प्राप्त सामग्री से उसको अशुद्धियाँ दूर कर पठनीय और प्रकाशन योग्य बनाना संपादन [illegible]

26. संपादकोय क्या है ?

उतर : संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर दिए गए विचारात्मक लेख को, [illegible]

27. पत्रकारिता के प्रमुख प्रकारों का वणन कर ।

उत्तर : * खोजी पत्रकारिता

- [illegible]
- वॉचडॉग पत्रकारिता
- एड्वोकेसी पत्रकारिता
- पीत पत्रकारिता
- [illegible]

28. खोजी पत्रकारिता क्या है ?

उत्तर : [illegible]

29. वाचडॉग पत्रकारिता किसे कहते ह ?

उत्तर : सरकारी कामकाज पर पैनी नजर रखते हुए गड़बड़ियों के संबंध म पत्रकारिता करना।

30. एडवोकेसी पत्रकारिता किसे कहते ह ?

उत्तर : [illegible]या विचारधारा पर जनमत तैयार करने को मुहिम के लिए को गई पत्रकारिता एडवोकेसी पत्रकारिता कहलाती है।

31. पीत पत्रकारिता किसे कहते ह ?

उत्तर : [illegible]-प्रत्यारोपों आदि से जुड़ी सनसनी खेज [illegible]

32. पेज थ्री पत्रकारिता किसे कहते ह ?

उत्तर : ऐसी पत्रकारिता जिसम फैशन, अमीरों को पार्टियों, □□ि□□ □□ □□□□□□□□□ों □□□□□□ □□□□ □□ □□□-□□ उच्चे □□□ों □□ □□□□□□ ि□□□ □□□ □

33. विशेषीकृत पत्रकारिता क्या है ?

उत्तर : किसी विशेष क्षेत्र को □□□□□□□ □□हु□ □□□□ □िश्ले□□ □□□□ □□□□□□□□ □त्र□ि□□□ □□

34. वैकल्पिक पत्रकारिता किसे कहते ह ?

उत्तर : मुख्य धारा को मीडिया के विरुद्ध जो मीडिया स्थापित व्यवस्था के विकल्प को सामने लाकर अनुकूल सोच को अभिव्यक्त करता है उसे वैकल्पिक पत्रकारिता कहा जाता है □

35. विशेषीकृत पत्रकारिता के प्रमुख क्षेत्रों का उल्लेख कोजिये ।

उत्तर : * संसदीय पत्रकारिता

- न्यायालय पत्रकारिता
- आर्थिक पत्रकारिता
- □□ □त्र□ि□□□
- □□ज्ञा□ □□ □□□□□ □त्र□ि□□□
- □□□□□ □त्र□ि□□□
- फैशन और फिल्म पत्रकारिता

36. प्रिंट मीडिया से क्या आशय है ?

□त्त□ : छपाई वाले संचार माध्यम को प्रिंट मीडिया कहते ह । इसे मुद्रण माध्यम भी कहते ह ।

37. आधुनिक छापेखाने का आविष्कार किसने किया ?

□त्त□ : □□□□ □□□□□□□ □□

38. भारत म पहला छापा खाना कब और कहां पर खुला था?

□त्त□ : □न 1556 □ □□□□ □ □□□ □

39. जनसंचार के मुद्रित माध्यम कौन से ह ?

□त्त□ : □□□□□, □त्रि□□□,□स्त□ □ि□ □

40. मुद्रित माध्यम को विशेषताएँ बताएँ ?

उत्तर : * छपे हुए शब्दों म स्थायित्व होता है ।

- □□ □□ध□□ □□□□□ □□□□ □□ □स्□□□ □□
- □□ ि□□□,□□□□□-विश्लेषण का माध्यम है ।

41. मुद्रित माध्यम को सीमाएँ लिखिए ।

उत्तर : * निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम किसी काम के नहों होते ।

- □□□□ □□□ □□□□ओं □□ □□□□□□ □□ों □□ □□□□
- इसम स्पेस तथा शब्द-□□□□ □□ ध्□□□ □□□□ □□□□ □□

42. मुद्रित माध्यम के लेखन के लिए कौन कौन सी सावधानियाँ रखनी चाहिए?

□त्त□ : *□□□□□□ □द्ध□□ □□ ध्□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □

- प्रचलित भाषा का प्रयोग किया जाए ।
- □□□, □ब्□ □ स्□□□ □ो □□□□ □□ ध्□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □

43. इलैक्ट्रोनिक माध्यम से क्या समझते ह ?

□त्त□ : □□□ □□□□□□□ □ □□क्ट्रॉ□□□ □□□□□□ों □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□इलैक्ट्रोनिक माध्यम कहते ह ।

44. ऑल इंडिया रेडियो को स्थापना कब हुई ?

□त्त□ : □□ 1936 □ □

45. एफ.एम. रेडियो को शुरुआत कब से हुई ?

उत्तर सन 1993 म ।

46. रेडियो किस प्रकार का माध्यम है ?

उत्तर : इलैक्ट्रोनिक श्रव्य माध्यम है ।

47. रेडियो समाचार किस शैली पर आधारित होते ह ?

□त्त□ : □ल्□□ □□□□□□□□ □□□□ □ □

48. **उल्टा पिरामिड शैली किसे कहते ह ? यह कितने भागों म बंटी है** ?

उत्तर : जिसम तथ्यों को महत्त्व के क्रम से प्रस्तुत किया जाता है, सवप्रथम सबसे महत्तवपूण तथ्य को तथा उसके बाद कम महत्त्व को सूचनाओं को घटते क्रम म रखा जाता है । उसे उल्टा पिरामिड शैली कहते ह ।

49. **भारत म पहली मूक फिल्म किसने बनाई ?**

□त्त□:- □□□□ □ □□□□ □□-फिल्म '□□□□ □□श्चन्द्र' (1913) □□□□ □□□□ □□ल□□□□□□ |

50 भारत को पहली बोलती फिल्म कौन सी थी ?

□त्त□:- □□□ □□□ (1931) |

51. पत्रकारिता का मूल तत्त्व क्या है ?

□त्त□:- पत्रकारिता का मूल तत्त्व जिज्ञासा है |

52. मनुष्य सूचनाएँ क्यों जानना चाहता है ?

□त्त□ : □□□□ □□ज्ञ□□□ □□□ □□□□□□□□, □□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□| □□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□ प्र□□□□□ □□□□ □□|

53. समाचार प्राप्त कर□के माध्यम कौन-कौन से ह ?

□त्त□:- □□□□□□-□त्र, □□□□□, □□□□□, □□□□□□□ □□□ |

54. डिकोडिंग का अथ बताइए |

□त्त□ :- □□□□ □□ □-□स्□ष्ट □□□ □ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□| □□ □□□□□□□ □□□□□ प्रक्रि□□ □|इसम संदेश प्राप्तकता प्राप्त चिह्नों व संकेतों के अथ निकालता है |

55. फोडबैक किसे कहते ह ?

□त्त□ :- संचार प्रक्रिया म संदेश प्राप्तकता द्वारा दशायी गई प्रतिक्रिया को फोडबैक कहते ह| □□ □□□□□□□ □□ नकारात्मक दोनों ही प्रकार को हो सकती है |

56. शोर क्या है ?

□त्त□:- □□□□ प्रक्रि□□ □ □□□□□□□ □□□□ओं □□ □□□ □□□□□, □□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □|इसके कारण कोई संदेश अपने प्राप्तकता तक अपने मूल रूप म नहों पहुँच पाता |

57. भारत म छपने वाला पहला अखबार कौन-सा था ?

□त्त□ :- □□□□ □□□ (1780) |

58. **हिंदी का पहला साप्ताहिक पत्र कौन-सा था ?**

□त्त□ :- □□□□ □□□□ □□□□□ □क□ द्व□□□ □म्□□□□ – □□□ □□□□ (1876-80) |

59. संचार के साधन कौन-कौन से ह ?

□त्त□:- □□□□□□□, □□□□□, □□□□□□-त्र, □क□, □□□□□, □□□□□□□□, □□□□□ □□□ |

60. संचार को प्रक्रिया के तत्त्व कौन-कौन से ह ?

□त्त□:- संचार को प्रक्रिया के तत्त्व निम्नलिखित ह :-

(□) स्रो□ (□) □□□□□□□ (ग) माध्यम (घ) प्रापकता

61. पत्रकारिता किसे कहते ह ?

□त्त□:- □□-विदेश म घटने वाली घटनाओं को समाचार के रूप म परिवर्तित करने को प्रक्रिया को पत्रकारिता □□□□□ |

62. सम्पादन का अथ बताइए |

□त्त□:- □म्□□□□ □□ □□ □□– किसी सामग्री से उसको अशुद्धियां को दूर करके उसे पठनीय बनाना| □□□ □□-सम्पादक रिपोटर को खबर सम्बन्धी भाषा-□□□, व्या□□□□, वतनी तथा तथ्य सम्बन्धी अशुद्धियां को दूर करता □□|

63. सम्पादन के मुख्यबिंदु कौन-कौन से ह ?

□त्त□ :- (□) □थ्□ों □ो □द्ध□□ □□ □थ□□□□□□□ (□) □स्□□□□□□
(□) □□ष्□क्ष□□ (□) □□□□□
(□) स्रो□

64. वस्तुपरकता और तथ्यपरकता इनम क्या अंतर है ?

□त्त□:- □स्□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□, □स्□□□□ □□□□□□□ □ल्□ों □□□□□ □,□□□□□ □थ□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □थ्□ों □□□|□स्□□□□□□ □थ□ □□ □□□□□ों □ष्टे □□|

65. सम्पादकोय पृष्ठ पर टिप्पणी लिखिए |

□त्त□:- सम्पादकोय पृष्ठ को समाचा□-त्र □□ □□त्त□□□ □ष्ठ □□□□ □□□□ □|इस पर विभिन्न घटनाओं व □□□□□ों □□ □□□□□ □□□□ □□□ व्यक्त □□□□ □|इस पृष्ठ पर विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के लेख होते ह| □म्□□□□ □□□□□ □त्र □□ □□ □ष्ठ □□ □□ □□□□| जो लोगों को भावनाओं को व्यक्त करते ह |

66. फोचर क्या है ?

उत्तर : फोचर एक प्रकार का सुव्यवस्थित, □□□□त□□ □□ □त□□□ष्ठ □□□ □□

67.समाचार के छहः ककार कौन कौन से ह ?

□त्त□ : क□□, □□□, □□□,□□□, क्यों और कैसे ।

68 भारत म टी.वी को शुरुआत कब हुई और क्यों?

□त्त□:- भारत म टी.वी. को शुरुआत 15 सितंबर 1959 को हुई | इसका उद्देश्य शिक्षा और सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करना था |

69 बीट का क्या महत्त्व है ?

□त्त□ : □□□□□□□□□□ □त्र □प्र□□□□ □□□□□□□ों □□□□□ □ □□□□□ □□□□ □□

70 आलेख किसे कहते ह ।

उत्तर : किसी विषय पर सार गभित एवं आलोचनात्मक लेख आलेख को श्रेणी म आता है ।

6. [illegible] प्रक्रिया

[illegible] शब्दों [illegible]-[illegible] [illegible] क्त [illegible] व्यक्त [illegible]|

कविता कैसे बनती है

[illegible]| [illegible] प्र[illegible] [illegible]| [illegible]त्र[illegible] -

“[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]|”

पहला उपकरण-[illegible]| [illegible] प्र[illegible]| [illegible] के भीतर सदियों [illegible]| वास्तव म रचनात्मकता सबके भीतर होती है| [illegible] प्र[illegible] [illegible]-[illegible]|

[illegible]- [illegible]

[illegible] -

[illegible], [illegible]

[illegible], [illegible]

दूसरा उपकरण-[illegible]| [illegible]| [illegible], [illegible] इंद्रियां [illegible]| [illegible] त्र [illegible] [illegible]| [illegible] स[illegible]| [illegible] शब्दों [illegible] त्र [illegible]| [illegible] स[illegible] त्र [illegible] निर्मित [illegible]| [illegible]-

“प्र[illegible]

[illegible]

[illegible] हु[illegible]

([illegible])

[illegible]हु[illegible]

[illegible]

स[illegible]

[illegible]”

[illegible] क्योंकि [illegible] हु [illegible] प्र [illegible]

[illegible]

तीसरा उपकरण- [illegible]

[illegible]

[illegible]! [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कविता के अन्यतत्त्व–

1 [illegible]

2 [illegible]

3 [illegible]

4 [illegible] शब्दों [illegible]

5 [illegible]

कुछ महत्त्व पूण प्रश्न

1 [illegible]?

[illegible]

2 [illegible]? [illegible]?

[illegible]

3 [illegible]?

[illegible]

4 [illegible]?

□त्त□-□□□□□ □□ □□□ □त्त□ □□□ष□ □ह□□ □□ □□□ो □□□□□ □□□□ □|□□□ □ो □□त्के□ □□□, □ष्ट □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ि□□□ □□□□□ □ो □□□ □□□□ □□□□ □|□

अन्यप्रश्न

1- □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□□□□□□ि□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ रू□ □ □□□□□□□ प्र□□□ □ो□□□|

2- □□□□□ □ ि□□ □□ □□□□□□ क□□ □□□□□□?

3- □□□□□ □□□□त्त□□□ □□□ □□□-□□□ □□?

□□□□□ □ो □□□□ प्रक्रिया

ि□□ □ो वरिष्ठ □□□□□□ □ष□□ □□□□□ □□□□□ □-

“कहानी किसी एक को नहीं, वह कहने वालों को है, सुनने वालों को भी| इसको,उसको, सबको; सृष्टि समूचे परिवार को| नानी की मुहर इस पर है| इस लोक को प्र□ □□□□□□□□ □□ ि□□□ □ो □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □|”

अगर हम कहानी को परिभाषित कर तो किसी घटना, पात्र या समस्या का क्रमबद्ध ब्योरा,जिसम परिवेश हो, द्वंद्वात□□□□ □□, □□□ □□ क्र□□□ □□□□□ □□, □□□ □त□□ □□ ि□□□□, □□□□□□□ □□□ □□□□ □|□□□□□ □प्र□□ □त□ □□□□□ □□□□- प्रारंभ, मध्य और अंत| कथानक का देश काल और स्थान| कथानक के पात्र| पात्रों का चरित्र-□□त्र□| □त्रों □□□□□|

कथानक के अनुसार कहानी का चरमोत्कष अथात क्लाइमैक्स का चित्रण बड़ी सावधानी से करना चाहिए|

कुछ प्रश्न

1 □□□□□ किसे कहते ह?

□त्त□- कथानक कहानी का कद्रीय बिंदु होता है| यह कहानी का वह संक्षिप्त रूप होता है जिसम प्रारंभ से अंत तक कहानी की सभी घटनाओं और पात्रों का उल्लेख किया गया हो |

2 कहानीकार के मन म कहानी का कथानक क्यों आता है?

□त्त□- □□□□□□□□ □□□□ □ □□□□□ □□ □□□□□ ि□□□ □□□□, □□□□□□□, □□□□ □□ □ल□□□ □□□□□□ □□□ □|□

3 कथानक म द्वंद्व का क्या महत्व है?

□त्त□- कथानक म द्वंद्व के कारण कहानी म रोचकता बनी रहती है|

4 कहानी के पात्रों के संवाद लिखते समय क्या-क□□ ध□□□ □□□□ □□□□□?

[illegible]- [illegible]त्रों [illegible],उनके स्वभाव और पूरी पृष्ठभूमि के अनुकूल ही होने चाहिए| वह उनके विश्वासों, आदर्शों [illegible] [illegible]| इन्हे सुनकर ही श्रोता को पता चल जाए कि कौन बोल रहा है, और उसको पृष्ठभूमि क्या है?

अन्य प्रश्न

1-[illegible] प्र[illegible]

2-कहानी के पात्रों के संवाद क्यों महत्त्वपूण ह?

3-कहानी को प्रामाणिक और रोचक बनाने के लिए कहानीकार को किन-किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है?

[illegible] प्रक्रिया

[illegible]|

समय का बंधन –[illegible] 3 [illegible] 48 [illegible]|

शब्द नाटक का शरीर- [illegible] अत्यंत महत्त्वपूण [illegible]| [illegible]

नाटक के तत्त्व कौन-कौन से होते ह?

<u>[illegible]</u> [illegible] संक्षिप्त [illegible] प्र[illegible] वर्णित [illegible]|

<u>[illegible]</u>-नाटक म सवप्रथम [illegible]रूप को किसी शिल्प,फॉमया [illegible]|

□□□□-□□□□ □□ □□□□□रू□□ □□ □□क्त □□ध□□ □-□□□□| □□□□ों □ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□ों □□□□ □|□

नाटक के लिए तनाव,उत्सुकता,रहस्य,रोमांच और अंत म उपसंहार जैसे तत्त्व अनिवाय ह| □□□ □□□□ □□ि□ □□□□, प्र□□□□□□, सूत्रधार को परिकल्पना भारतीय या पाश्चात्य नाट्यशास्त्र म आरंभ से ही को गई थी|

□□□□ □ □स□□□□□ □ो □स□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □|□□□ □□□□ □ □□□□ष्टे, □□□□□□□□, प्र□□□□□ □□ □स□□□□□ □□□□□□□त□□ □त□ों □ो □□□□□ ज□□□□ □स□□□ □□□□,□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□क्त □□□□ □□□□□ □□□□| □□□ □□ □□□□□, □□□□□ □ ि□□□ □□ों □□ □□□ □□□□□|

□ि□त्र □□त्र□-□□□□□ □ □ि□त्र □ो □□क्ते □□ □□ □□□□ □□त□ □|नाटक म जो चरित्र किए जाएँ वे सपाट,सतही □□ □□□ष □ □□| चरित्रों के विकास म इस बात का ध्यान रखा जाए कि वे स्थितियों □□□□□□□ □□□□ क्रियाओं-प्र□□क्रि□□ओं □□ व्यक्त □□□□□□|

□□ल□-□□□□ों □□□□ल □□□□ □□□□□□ □-□□□ज्ञ□□ □□□□□□ □□□□□स्त्रि□□ □□□□, □□□□□□□□, □□□□□ □□□□, □□□□ □□□□ □□□□, □क्क□ □□□□ □ि□| □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ल□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □|□

प्रश्न-

1.□□□□ □ो □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ष□ □□□ □□□□□□ □□, □□ □□ □□□□□□□□ □□□ □ □□ □ि□□ □□□□ □□□□ □|□□ □□□□□ □□□□□□वा□□ □□□□ □□ □□□□□?

□त्त□-□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ष□ □□□ □□□□□□ □□, □ि□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □ □□ □□□□ □□□□ □|□ □□ □□□□ों □ो □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ों □□□ □□ □ि□ □□□□□ □ो □□□□ □□□□□□□□□□□ों □□ □□ □□□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□□| उसे होता हुआ अनुभव कर पाते ह|

2.साहित्य को अन्य विधाओं और नाटकों म प्रमुख अंतर बताइए|

□त्त□- साहित्य को अन्य विधाओं जैसे कहानी या कविता को पढ़ते हुए या सुनते हुए कभी भी बीच म हम इसे रोक □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□र उसे फिर शुरू कर सकते ह| नाटकों म ऐसे नहों होता|नाटक का कोई भाग देख कर शेष भाग बाद म नहों देखा जा सकता है|

3. नाटक का शरीर किसे कहा गया है और क्यों?

□त्त□-नाटक का शरीर शब्द को कहा गया है क्योंकि नाटक को दुनिया म शब्द अपनी एक नई नीति और अलग □□स□□□ के साथ आते ह| यह शब्द कथानक का विकास करने म सक्षम होते ह और किसी वातावरण को प्रस्तुति तक □ □□□□□ □□□□□|

4.□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ क□ों □□श□□ □?

[illegible]त्त[illegible]- एक नाटककार को पहले अनेक घटनाओं, स्थितियों व दृश्य का चुनाव करने [illegible]| [illegible] ऐसे क्रम म रखा जाए कि कहानी का उचित विकास हो और घटनाएं आगे बढ़े, इसलिए नाटककार एक कुशल [illegible]|

अन्य प्रश्न

1. नाटक म संपूणता कब आती है?

[illegible]त्त[illegible]-[illegible]|

2. [illegible] रू[illegible] [illegible]?

[illegible]त्त[illegible]-[illegible]|

3. नाटक को सफलता म संवाद को महत्ता स्पष्ट कोजिए|

[illegible]त्त[illegible]-वास्तव म नाटक को सशक्त या कमज़ोर बनाने म संवादों को महत्वपूण भूमिका होती है|

4. शिल्प के संबंध म नाटककार का कौन सा प्रयास असफल सिद्ध होता है?

[illegible]त्त[illegible]-[illegible]टककार जब पहले शिल्प या संरचना को निश्चित कर लेता है और बाद म किसी कहानी या कथ्य को उसम [illegible] प्र[illegible]क्त [illegible]|

5.अपनी कल्पना के आधार पर एक संक्षिप्त नाटक के संवाद के रूप म कुछ मौलिक पंक्तियाँ लिखिए|

[illegible]त्त[illegible]- ([illegible]द्या[illegible] [illegible] क्ति[illegible]|)

[illegible] द्ध [illegible]

([illegible] 999 [illegible] हु[illegible] द्ध [illegible])

[illegible]: [illegible] व्य[illegible]क्ति [illegible]

[illegible] हूं[illegible]

(अंगुलिमाल तलवार लिए हुए एकाएक बुद्ध के आगे प्रकट होता है।)

[illegible]: [illegible]?

([illegible]द्ध [illegible])

[illegible]द्ध: [illegible]?

[illegible] : [illegible]! [illegible] कि[illegible]? क[illegible] [illegible]ों [illegible], [illegible] हूं?

गौतम बुद्ध :नहों !म जानता हूं कि तुम कौन हो। तुम एक भले मनुष्य हो, जो इस जंगल से गुजरने

[illegible]व्यक्ति[illegible]ों [illegible]

[illegible]: [illegible] तुम नहों जानते कि म मगध साम्राज[illegible]

[illegible] हूं [illegible]

[illegible]द्ध : [illegible] कि[illegible]!

[illegible] कि[illegible]

[illegible] :[illegible]ों [illegible]कि म कौन हूं। म वह अंगुलिमाल हूं जिसके नाम का आतंक

[illegible]

बुद्ध: तुम ऐसा काम क्यों नहों करते जिससे लोग तुम्ह तुम्हारी अच्छाई के लिए याद रख ।

[illegible] : [illegible]प्र[illegible]

[illegible]

बुद्ध: म तुम्ह कुछ दे भी क्या सकता हूं ।अच्छा [illegible] ! [illegible] क[illegible]?

अंगुलिमाल: यह मेरे द्वारा मारे गए 999 व्यक्तियों को अंगु[illegible]ों [illegible]
[illegible]

[illegible]द्ध: [illegible]क[illegible]

[illegible]: 1000 [illegible]ों [illegible]

[illegible]द्ध : [illegible] हूं[illegible], [illegible]क[illegible]?

अंगुलिमाल: हां बताओ। म प्रयत्न करता हूं ।

[illegible]द्ध : [illegible]

[illegible]: [illegible] हूं[illegible]

[illegible]द्ध: [illegible]- [illegible]त्ते[illegible] उनम से तुम केवल एक पत्ती [illegible]

[illegible]: [illegible]

([illegible]र्त्त[illegible])

[illegible]द्ध :[illegible]हु[illegible]! [illegible]हु[illegible]र्त्त[illegible]

[illegible]: [illegible] ? [illegible]? [illegible]

[illegible]? नहों ! नहों लगाई जा सकती है।

बुद्ध: तो तुम जिस तरह लोगों को मारते हो ।उनको प्राण हत्या करते हो। क्या तुम उनके प्राण वापस ला सकते हो ?

[illegible] : [illegible]! [illegible]

बुद्ध :तो तुम्ह किसने यह अधिकार दिया कि तुम उनके प्राण छीन लो । उनके परिवार वालों को अनाथ कर

[illegible] अपने माथे पर किसी को हत्या का घोर कलंक ले लो ।

[illegible]: [illegible]! [illegible]

[illegible]

(अंगुलिमाल अपनी तलवार बुद्ध के चरणों म रखता है और उनके आगे शीश झुकाता है)

[illegible]: [illegible] अपनी भूल का प्रायश्चित करो | [illegible]

(बुद्ध अंगुलिमाल को अपने साथ लेकर आगे बढ़ जाते ह)।

7.[illegible]

[illegible] | [illegible], [illegible], [illegible] अनुच्छेद म लिखा जाता है| इन्ह [illegible] | इसके बाद अपेक्षाकृत कम महत्व [illegible], जो समाचार को समाप्ति तक अपेक्षतया कम महत्त्व के होते ह|

[illegible] | [illegible], बल्कि पिरामिड के शीष भाग पर इसे स्थान दिया [illegible]|

समाचार लेखन के छह क कार-[illegible] ? [illegible] ? [illegible]? [illegible]? [illegible]? क्यों?

[illegible] | सामान्यतः किसी [illegible]|

[illegible]:**भारत का चंद्रयान-2 अभियान रवाना**

[illegible]: [illegible]-2 [illegible]

GSLV-[illegible] III-M1 ([illegible]) [illegible] 22 [illegible] 16 [illegible]

ध्रु□□ □क्षा □ स्□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □द्र□□□-2 □□ □□ □□□ 48 ि□□ं □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □न्न□ □□□□□□ 100 ि□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ि□क्ष कद्र □ □□□□□□□ □□ □□द्र□□□-2 □□ प्रक्षेपण □□□□□ □□□ 2 □□□□ 43 □□□□ □□ ि□□□ □□□□ □□ □□□□ □ं □□□□ 978 □□□□ रु□□□□□□□ □म्□□ □□□□□□□□□ं □□□□□ □□□□□□□ □द्र□□□-2 □□ प्रक्षेपण □□□ ि□□□ □□□ □□□

<u>□□□□15 □□□□ □□ □□□□ □□ □□न्ि□□</u>

□□□□□□ □□ि□क्ष □□□□□□ □□□□ (ISRO) □□□ज्ञ□□□ं □□15 □□□□ □□ □□□□ □प्रक्षेपण □□56 □□□□ 24 □□□ □□□□□□□□ □□□त्र□ □क्ष □□□□□□□ □□□□□□□□ 1.55 □□□□□□□□ ि□□□ □□□ □□ दिग्गज वैज्ञानिकों □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □ं प्र□□ □□ □ं □□□ □□□□ □□□□ □□ ि□ □ल□□□□□ □ □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ 3 ि□□ □□□□□ □□प्रक्षे□□ ि□□□□□□□ं □□ □□□□ □ं □□□□□ □ं □□□□ ISRO □□□□□□□ □ं, ि□ □□□□□□ □ं □□□ 6 □□□□ 43 □□□□ □□ प्रक्षेपण □□□□ 20 □□□□ं □ल्□ □□□□□ □रू □□ □□□

□□□□ □□□□□□□ ‘□द्र□□□-2’ □द्र□□ □□□क्षे□□ ध्रु□ क्षेत्र □ □□□□□, □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ओं □□ □□□□□ □□ प्र□□□ □□□□□ □□□□11 □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □द्र□□□ ‘□द्र□□□-1’ □□ प्रक्षेपण ि□□□ □□, □□□□□द्र□□ □3,400 □□□□□□ □क्क□ □□□□ □□ □□ 29 □□स□, 2009 □□, 312 ि□□ं □□ □□□ □□□□ □□□□ □द्र□□□-2 □□□□□□□ □□ □ि□□□, □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □द्र□□ □□□क्षे□□ ध्रु□ □□ □□□□□□

अन्य प्रश्न-

1.□□□□□□ क□□ □?

□त्त□- लोकमहत्व व जनरुचि को समकालीन घटनाओं को संतुलित प्रस्तुति को समाचार कहा जाता है|

2.□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□-□□□ □□?

□त्त□-क□□, ि□□□(□□□□□),□□, □□□,□□□□□ □ क□ं|

अन्य प्रश्न

1. इंट्रो या मुखड़ा किसे कहते ह?

2. □□□□ □ □□□□□ ि□□□□□□□?

3. विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच म इंग्लड को जीत का समाचार लिखिए |

4. □□□□□□ □ □□□□□ □ं □□□ □ क□□ □□□ □□□ □?

5.□□□□□ □प्र□□ □त□ □□□ □□ ?

□□□

<u>आलेख लेखन हेतु महत्वपूर्ण बात :-</u>

1. किसी विषय पर सवागीण जानकारी जो तथ्यात्मक, विश्लेषणात्मक अथवा विचारात्मक हो, आलेख कहलाता है ।
2. □□□ □□ □□□□ □क्षेप्त □□□□ □□
3. इसम विचारों और तथ्यों को स्पष्टता रहती है, विचार क्रमबद्ध रूप म होने चाहिए ।
4. □□□□□ □□ □थ्यों □ो □□□□□त्ति □ □□ □
5. □□□ □ो □□□ □□□□□□त□□,□श्ले□□□त□□ □□□□ □□□□□ –प्र□□□ □□ □□□□ □□
6. ज्□□□ □द्दों , □□स्□ओं,□□□□ों, चरित्र पर आलेख लिखे जा सकते ह ।
7. आलेख गंभीर अध्ययन पर आधारित प्रमाणित रचना होती है ।

नमूना आलेख :-

<u>शेर का घर जिम काबट नेशनल पाक</u>

जंगली जीवों को विभिन्न प्रजातियों को संरक्षण देने तथा उनको संख्या को बढाने के उद्देश्य से हिमालय को तराई से लगे उत्तराखंड के पौडी और नैनीताल जिले म भारतीय महाद्वीप के पहले राष्ट्रीय अभ्यारण्य को स्थापना प्रसिद्ध अंग्रेजी लेखक जिम काबट के नाम पर को गई है । जिम काबट नेशनल पाक नैनीताल से एक सौ पंद्रह किलोमी□□ □□ ि□ल□□ □□□□ □□ □ब□□ किलोमीटर दूर है । यह अभ्यारण्य पाँच सौ इक्कीस किलोमीटर क्षेत्र म फैला हुआ है । नवम्बर से जून के बीच यहाँ घूमने फिरने □□ □□त्ति□ □□□□ □□

यह अभ्यारण्य चार सौ से ग्यारह सौ मीटर को ऊंचाई पर है । ढिकाला इस पाक का प्रमुख मैदानी स्□□ □□□ □ □□□ □□□□□□□ स्□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□क्षे □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ो □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□,□□□□ □□□ □□स्□□□□□ □□□, □र्द्ध□ प्र□□□□ों □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□र्क्ष□ □□ □□□□□□□ □□□, □□□□, □□□,□□□□ □त्ते,□□□□,□□□, □□□, जंगली भसे जानवरों से भरे यह जंगल आबाद ह। हर वष लाखों पयटक यहाँ आते ह । शाल वृक्षों से घिरे लम्बे लम्बे वन-□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□प्र□□□□ ौंदय म चार चाँद लगाते ह ।

इसके अतिरिक्त छात्र निम्नलिखित विषयों पर फोचर लिखने का अभ्यास कर सकते ह ।

1. □□□□ □□□□□ : □□□ ो □□□□□
2. □प्र□□□□□ □द्ध□□□□
3. □□ □ □□□ ि□□□□
4. □□□□□□ □ो □□स्□□
5. □व□□ □□□□□ □□, □□□□ □□□□□
6. वतमान शिक्षा प्रणाली
7. □□□ □□ □□□□
8. □त्ते, □□□ □□ □□□□
9. ि□श्व□ □□ □□□
10. □□□□ □□ □□ □□□□

फोचर लेखन

समकालीन घटना तथा किसी भी क्षेत्र विशेष को विशिष्ट जानकारी के सचित्र तथा मोहक विवरण को फोचर कहा जाता है। फोचर मनोरंजक ढंग से तथ्यों को प्रस्तुत करने को कला है। वस्तुतः फोचर मनोरंजन को [illegible] प्र[illegible] रूप [illegible], [illegible] ज्ञा+[illegible] क्ष[illegible]

[illegible] ज्ञा[illegible] :-

1. [illegible] ष्ट [illegible]
2. एक समाचार हर एक पत्र म एक ही स्वरूप म रहता है, जबकि फोचर अलग अलग पत्रों म अलग अलग प्रस्[illegible]
3. [illegible] क्ति [illegible] ज्ञ, [illegible] श्र [illegible]
4. [illegible], विविध प्रतिक्रियाएँ व उनके दूरगामी परिणाम भी फोचर म रहा करते ह ।
5. [illegible]
6. [illegible]

[illegible]:-

“[illegible] फिर चाहे आदमी हो या तोता । ब्रिटेन म एक तोते को अपने मालिक को संगत म शराब को ऐसी लत लगी कि उसने घर वालों और पडोसियों का जीना बेहाल कर दिया । जब तोते को सुधारने को सारी कोशिश असफल [illegible] फ्री[illegible] प्रजाति का तोता मलिन पाला । माक यदा कदा शराब पी लेते । गिलास म बची शराब मलिन चट कर जाता । धीरे- धीरे मलिन को तलब बढ़ने लगी । वह वक्त बेवक्त [illegible]...........................।

अभ्यास के लिए निम्न विषयों पर फोचर लिख :-

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] ख[illegible]
- किसान का एक दिन
- क्रांति के स्वप्न दृष्टा : अब्दुल कलाम
- क्रिकेट का नया संस्करण : ट्वटी-ट्वटी
- [illegible] ख[illegible]
- विश्व कप क्रिकेट का नया चपियन इंग्लड
- [illegible] 2 [illegible]

पाठों का सूत्रात्मक विवरण (संक्षिप्त परिचय)

([illegible]-2 [illegible]-2 [illegible], उद्देश्य, संक्षिप्त परिचय)

प्रश्न 7 8 एवं 12 से सम्बंधित सामग्री

1 कविता: आत्म परिचय (हरिवंश राय बच्चन)

कविता सार :-

1. [illegible]

2. व्य[illegible]क्त [illegible] क्ष [illegible] व्यंग[illegible] [illegible], [illegible] – प्र[illegible] ष्ट [illegible] व्य[illegible]क्त [illegible] व्यक्ति को बनाता ह, [illegible]

3.[illegible] हु[illegible] स[illegible] करने को बात को ह।

4.छायावादोतर गीति काव्य म प्रीति-कलह का यह विरोधाभास दिखाई देता ह। व्यक्ति और समाज का संबंध इसी प्र[illegible] को परवाह न करते हुए संतुलन स्थापित करते हुए चलता ह।

5.'[illegible], [illegible]' पंक्ति के माध्यम से कवि सत्य को खोज के लिए , [illegible]

(ख) <u>कविता[illegible]दिन जल्दी जल्दी ढलता है। -:</u>

प्रस्तुत कविता म कवि हरिवंश राय बच्चन कहते ह कि समय बीतते जाने का अहसास हम लक्ष्य-प्र[illegible] बढाता है कि कहों रास्ते म ही रात न हो जाए। पक्षियों को भी दिन बीतने के साथ यह अहसास होता है कि [illegible] बच्चे कुछ पाने को आशा म घोंसले से झांक रहे होंगे। यह सोचकर उनके पंखो म गति आ जाती है कि वे जल्दी से [illegible]च्चों [illegible]

कविता म आशावादी स्वर है। गंतव्य का स्मरण पथिक के कदमों म स्फूर्ति भर देता है। आशा को किरण जीवन को [illegible] ती है। वैयक्तिक अनुभूति का कवि होने पर भी बच्चन जी को रचनाएं किसी सकारात्मक सोच [illegible] प्र[illegible]

2. पतंग (आलोक धन्वा)

कविता सार :- पतंग कविता म कवि आलोक धन्वा बच्चों को बाल सुलभ इच्छाओं और उमंगों तथा प्रकृति के साथ [illegible] अत्यंत सुंदर चित्रण किया है । भादो मास गुजर जाने के बाद शरद ऋतु का आगमन होता है । चारों ओर प्रकाश फैल जाता है, सुबह के सूय का प्रकाश लाल चमकोला हो जाता है । शरद ऋतु के [illegible]

शरद ऋतु का यह चमकोला इशारा बच्चों को पतं[illegible] चला कर आकाश को इस योग्य बनाता है कि दुनिया को सबसे हल्को रंगीन कागज और बांस को सबसे पतली कमानी से बनी पतंग आकाश को ऊंचाइयों म उड सके । बच्चों के पांवों को कोमलता से आकर्षित होकर मानों धरती [illegible]पास आती है । अन्यथा उनके पांव धरती पर पडते ही नहों ऐसा लगता है मानों वे हवा म उड़ते जा रहे ह । पतंग उडाते समय बच्चे रोमांचित होते ह । एक संगीतमय ताल पर उनके शरीर हवा म लहराते ह । वे किसी भी खतरे से बेखबर होते ह । प्रस्तुत कविता म बाल मनोविज्ञान बाल क्रियाकलापों एवं बाल सुलभ इच्छाओं का सुंदर [illegible]

3. कविता के बहाने एवं बात सीधी थी पर (कुवंर नारायण)

<u>कविता सार</u> :- कुवँर नारायण को रचनाओं म संयम, परिष्कार एवं साफ सुथरापन है। यथाथ का कलात्मक संवेदनापूण चित्रण उनको रचनाओं को विशेषता है। उनको रचनाएँ जीवन को समझने को जिज्ञासा है यथाथ-प्राप्ति को घोषणा नहों । व्यक्तिगत एवं सामाजिक तनाव व्यंजनापूण ढंग से उनको रचनाओं म स्थान पाता है । प्रस्तुत

कविता म कवित्व शक्ति का वणन है । कविता चिड़िया को उडान को तरह कल्पना को उडान है लेकिन चिड़िया के उडने को अपनी सीमा है जबकि कवि अपनी कल्पना के पंख पसार कर देश और काल को सीमाओं से परे उड़ जाता है। फूल कविता लिखने को प्रेरणा तो बनता है लेकिन कविता तो बिना मु[illegible] रहती है । कविता बच्चों के खेल के समान है और समय और काल को परवाह किए बिना अपनी कल्पना के पंख पसार [illegible]

(ख) बात सीधी थी पर :

प्रस[illegible] और सरल कथ्य को अभिव्यक्ति म भी भाषा के चक्कर म ऐसा फंस गया कि उसे कथ्य ही बदला बदला सा लगा। जिस प्र[illegible] –जबरदस्ती से कोल को चूडी मर जाती है। उसी प्रकार बात का मूल भाव भी खत्म हो जाता है। भाव के अभाव म अभिव्यक्ति [illegible]

अंत म भाव ने एक शरारती बच्चे के समान कवि से पूछा कि तूने क्या अभी तक भाषा का स्वाभाविक प्रयोग नहों सीखा । इस कविता म भाषा को सम्प्रेषण शक्ति का महत्त्व समझाया गया है ।
कृत्रिमता एवं भाषा को अनावश्यक अलंकारिकता से भाषा को पकड़ कमजोर हो [illegible]

4. कैमरे म बंद अपाहिज (रघुबीर सहाय)

कविता सार :- इस कविता म कवि ने एक शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्ति को पीड़ा के साथ साथ आज को मीडिया के दोगले चरित्र को भी उजागर किया है । हम किसी को पीड़ा को मन से महसूस करते हुए संवेदनशीलता के साथ [illegible] चाहिए, लेकिन कारोबार और स्वाथ के दबाव तले आज मीडिया अति संवेदनहीन होकर अपनी भूमिका तलाश रही है । जिन लोगों पर समाज को संवेदनशील बनाने का उत्तरदायित्व है, आज वहों संवेदनहीनता को भाषा [illegible]

5- सहष स्वीकारा है (गजानन माधव मुक्तिबोध)

कविता सार:- [illegible]-[illegible], [illegible]-[illegible], [illegible]-पटक को समान रूप से स्वीकार करने को बात कही गई है। स्नेह को प्रगाढता अपनी परम सीमा पर पहुंचकर वियोग को कल्पना मात्र से त्रस्त हो उठती है। प्रे[illegible] प्रिय को पूणतया भूल जाना चाहता है। वस्तुत: विस्मृति को चाह भी स्मृति का ही रूप है। यह विस्मृति भी स्मृतियों के धुंधलके से अछूती नहों है। प्रिय को याद किसी-[illegible]-किसी रूप म बनी रहती है। परंतु कवि दोनों ही परिस्थितियों [illegible] उस परम सत्ता को परछाई मानता है। यह विस्मृति भी स्मृतियों के धुंधलके से अछूती नहों है। प्रिय को याद किसी न किसी रूप म बनी ही रहती है। भावना को स्मृति विचार बनकर विश्व को गुत्थियां सुलझाने म मदद करती है। स्नेह म थोडी निस्संगता भी जरूरी है। अति किसी ची[illegible] ‘[illegible]’ [illegible] मां प्रिय या अन्य ।

6. उषा (शमशेर बहादुर सिंह)

कविता सार :-[illegible] से पूव के समय आकाश म बदलते रंगों के जादू के बिम्बों को अत्यंत आकषक रूप म उठाता है । सूर्योदय के ठीक पूव आसमान नीले शंख को तरह बहुत नीला नजर आता है । प्रातःकालीन नभ को तुलना काली सिल से को गई है जिसे अभी अभी केसर पीस कर धो दिया गया है । कभी कवि [illegible], जो अभी गीला पडा है। नीले गगन म सूय को पहली किरण ऐसी

[illegible] रहा हो। प्रातःकालीन परिवतनशील सौंदय का दृश्य बिम्ब, प्र[illegible] [illegible] क्रि[illegible] [illegible] माध्यम से व्यक्त किया गया है । यथाथ जीवन से चुने गए उपमानों जैसे :- [illegible] हु[illegible] [illegible], [illegible], [illegible] प्र[illegible] प्र[illegible] [illegible], [illegible]

7. बादल राग (सूयकांत त्रिपाठी ‘निराला’) (इस पाठ से परीक्षा म प्रश्न नहों पूछे जाएँगे)

कविता सारः- [illegible] प्र[illegible] [illegible] आम आदमी के दुःख से त्रस्त कवि परिवतन के लिए क्रांति रूपी बादल को [illegible] बादल क्रांति /विप्लव का दूत या प्रतीक रूप म उभरा है । कवि विप्लव के बादल को संबोधित करते हुए कहता है कि जनमन को आकांक्षाओं से भरी तेरी नाव समीर रूपी सागर पर तैर रही है । अस्थिर सुख पर दुख को छाया [illegible] के लोगों के हृदय दग्ध ह । उन लोगों पर निदय को क्रांतिमाया फैली हुई है । बादलों के गजन से पृथ्वी के गभ म सोए हुए अंकुर बाहर निकल आते ह अथात [illegible] क्र[illegible] क्र[illegible] ही टिको है ।बादलों को गजना और मूसलाधार वषा म बड़े बड़े पवत व वृक्ष घबरा उठते ह , [illegible] क्र[illegible] जिस प्रकार छोटे पौधे हाथ हिलाकर वषा को बुलाते से प्रतीत होते ह । शोषित वग को समस्त समस्याओ [illegible] क्र[illegible]

8. लक्ष्मण मूच्छा और राम का विलाप (तुलसीदास)

काव्य सार :- श्रीराम जी को समपित ग्रंथ श्रीरामचरितमानस उत्तर भारत म बडे भक्ति भाव से पढ़ा [illegible] ग्रं[illegible] रावण पुत्र मेघनाद द्वारा शक्तिबाण से मूर्च्छित लक्ष्मण को देखकर राम व्याकुल हो जाते ह । सुषेन वैद्य ने संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान को हिमालय पवत पर भेजा। आधी रात व्यतीत होने पर [illegible] हु[illegible] [illegible]! [illegible], तुम मुझे दुखी नहों देख सकते थे। तुम्हारा स्वभाव सदा से ही कोमल था। मेरे साथ वन म सदो, गमो और विभिन्न प्रकार को विपरीत परिस्थितियों को भी सहा। जैसे पं[illegible] श्रेष्ठ [illegible], हे ! भाई यदि म जीवित रहता हूँ तो मेरी दशा भी वैसी ही हो जायेगी। म अपनी पत्नी के लिए अपने प्रिय भाई को खोकर कौन सा मुँह लेकर अयोध्या जाउंगा। इस बदनामी को [illegible] यर है और अपनी पत्नी को खो बैठा । स्त्री को हानि विशेष क्षति नहों ह , [illegible] क्ष[illegible]

‘[illegible]’ [illegible]’ से गृहीत लक्ष्मण को शक्तिबाण लगने का प्रसंग कवि को मार्मिक स्थलों को पहचान का एक श्रेष्ठ नमूना है । भाई के शोक म विगलि[illegible]-धीरे प्रलाप म बदल जाता है जिसम लक्ष्मण के प्रति राम के अंतर म छिपे कई कोण सहसा अनावृत हो जाते ह । यह प्रसंग ईश्वर राम म मानव सुलभ

गुणों का समंवय कर देता है। हनुमान का संजीवनी लेकर आ जाना करुण रस म वीर रस का उदय हो जाने के स□□□ □□

यहाँ कवितावली का प्रसंग लिया गया है। तुलसी का विविध विषमताओं से ग्रस्त कलिकाल □□□□ □□ □□□□ □□□□ □, जिसम वे कृपालु प्रभु राम व राम राज्य का स्वप्न रचते ह । युग और उसम अपने जीवन का ना सिफ उन्हे गहरा बोध है बल्कि उसको अभिव्यक्ति म भी □□□□□□□□□□□□ □□□□ों □□□ □□□□ □□□□□□□ □ प्रस□□ "□□□□□□□□" □□ □□ □□□□ प्र□□□ □□ □□□□□□□ स□रू□ □---- " किसवी किसान...................." म उन्होने दिखलाया है कि संसार के अच्छे बुरे समस्त लीला प्रपंचों का आधार ----" □□ □ो □□" □□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □ो भक्ति म देखते ह । दरिद्रजन को व्यथा दूर करनेके लिए राम रूपी घंनश्याम का आह्वान किया गया है । □□□ो □□ □□□□□□□□□ □□□ रू□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ो □□श□□□□ □□ों □□ □□ प्र□□□, उनको राम भक्ति पेट को आग बुझाने वाली यानि जीवन के यथाथ संकटों का समाधान करने वाली है, □□ कि□ केवल आध्यात्मिक मुक्ति देने वाली । गरीबी को पीडा रावण के समान दुखदायी हो गई है ।

□□□□□□□ "□□ □□□ □□□□□ □□□ ...." म भक्ति को गहनता और सघनता म उपजे भक्त आत्मविश्वास □□ हृदय के सजीव चित्रण ह। जिससे समाज म व्याप्त जाति तिरस्कार का साहस पैदा होता है । इस प्रकार भक्ति को □□□□□त□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□, □□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □ □□□□ प्र□□□□ □□

9. रूबाइयाँ (फिराक गोरखपुरी)

कविता/रुबाई का सार :- उदू शायरी को रिवायत के विपरीत फिराक गोरखपुरी के साहित्य म लोक जीवन एवं प्रकृति को झलक मिलती है । सामाजिक संवेदना वैयक्तिक अनुभूति बनकर उनको रचनाओं म व्यक्त हुई है । जीवन का कठोर यथाथ उनको रचनाओं म स्थान पाता है । उन्होने लोकभाषा के प्रतीकों का प्रयोग किया है । लाक्षणिक प्रयोग उनको भाषा को विशेषता है । फिराक को रूबाइयों म घरेलू हिंदी का रूप दिखता है ।

'रू□□□' □□'□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □□□ □, जिसम चार पंक्तियाँ होती ह । इसको पहली, □□□□ □□ □□□□ □क्ति □ □□ (□□फि□□□) □□□□□□ □□□□ □□ तथा तीसरी पंक्ति स्वच्छंद होती है । जैसे प्रयोग उनको भाषा को सशक्ता के नमूने के तौर पर देखे जा सकते ह ।

सार रुबाइयाँ :- रक्षाबंधन एक मीठा बंधन है। रक्षा बंधन के कच्चे धागों पर बिजली के लच्छे ह । सावन म रक्षा □□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□

गजल :- इस कविता म फिराक को एक गजल भी शामिल है । रूबाइयों को तरह ही फिराक को गजलों म भी हिंदी समाज और उदू शायरी को परंपरा भरपूर है । इसका अद्भुत नमूना है यह गजल । यह गजल कुछ इस तरह बोलती है कि जिसम दद भी है , एक शायर को हसरत भी है और साथ ही यह काव्य- शिल्प को वह ऊंचाई जो गजल को □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□

10. छोटा मेरा खेत (उमा शंकर जोशी)

कविता का सार- □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ स□□ □□□□ □द्व□ □ □ न□□□□□□□□□□ कविता को प्रकृति से जोडा है । आम आदमी के जीवन को झलक उनको रचनाओं म मिलती है । खेती के रूपक द्वारा □□व्य □□□□- प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया है । काव्य कृति को रचना बीजवपन से लेकर पौधों के पुष्पित होने के □□□□न्न □□□ों □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□फि □□□-□□ □ो □□□ □□□□□□, □□श्व□ □□□□ □□ □□□□ □□ क्ष□□ □क्ष□ □□□□ □□ □□□□ □□ □न्न, □□□ □□ □□□□ □ब□□द्ध □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □ो □□□ □□□□ है । इस खेत म किसी अंधड(आशय भावानात्मक आंधी से होगा) के प्रभाव से किसी क्षण एक बीज बोया जाता है ।

□□ □□ज रचना विचार और अभिव्यक्ति का हो सकता है । यह मूल रूप कल्पना का सहारा लेकर विकसित होता है और प्रक्रिया म स्वयं विगलित हो जाता है । उससे शब्दों के अंकुर निकलते ह और अंततः कृति एक पूण स्वरूप म □□□स्□□ □□□□ □□

(ख) बगुलों के पंख- □□□ों □□□□ □□□□□ एक चाक्षुष बिम्ब को कविता है । सौंदय का अपेक्षित प्रभाव उत्पन्न करने के लिए कवियों ने कई युक्तियाँ अपनाई ह जिसम से सबसे प्रचलित युक्ति है – सौंदय के ब्यौरों के चित्रात्मक वणन के साथ अपने मन पर पडने वाले उसके प्रभाव का वणन और आत्मगत संयोग को यह □क्ति □□□□ □□ □□ □□ □ों□□ के काफो निकट ले जाती है । जोशी जी को इस रचना म भी ऐसा ही है । कवि कालेबादलों से भरे आकाश म पंक्ति □□□ □□ □□□□□□□ □□□ों □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ों □ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ो □□□□ □□□□□ □□ क□□ □□ □ों□□ □□□□□□□□□ ि□□□□ो □□□ □स्□□□ □□ व्यक्त □□□□□□ □□ □□□□□ □□प्रकृति का स्वतंत्र (आलंबनगत) चित्रण आधुनिक कविता को विशेषता है । चित्रात्मकवणन द्वारा कवि ने एक ओर काले बादलों पर उड़ती बगुलों को श्वेत पंक्ति का चित्र अंकित किया है तो दूसरी ओर अप्रतिम दृश्य के हृदय पर पडने वाले प्रभाव को चित्रित किया है ।

(□द्य-□□□□ □□□-2)

11. भक्तिन (महादेवी वमा)

पाठ का सार : □क्ति□ □□□□□ □□स्□□□□ □□□ □क्ष□ □□, लेखिका महादेवी वमा को सेविका है । बचपन म ही भक्तिन को माँ को मृत्यु हो गई । सौतेली माँ ने पाँच वष को आयु म ही विवाह तथा नौ वष को आयु म गौना कर भक्तिन को ससुराल भेज दिया । ससुराल म भक्तिन ने तीन बेटियों को जन्म दिया, □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□यों को उपेक्षा का सामना करना पडा । सास और जिठानियाँ आराम फरमाती थी और भक्तिन और उसको नन्ही बेटियाँ घर और खेत का सारा काम करती । भक्तिन का पति भक्तिन को बहुत आदर सम्मान देता था । पति के □□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□क्ति□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ भावों को भी प्रकट किया लेकिन वह अंदर से अत्यंत प्रसन्न होती हुई सभी चीज प्राप्त करने म कामयाब हो गई । जब □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ष्ठ□ □□ग □□□ □□स्□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□क्ति□ □□ □□□ □□ □□ों □□ □□□□ □□ □□□ । ससुराल वाले भक्तिन को दूसरी शादी करके वहाँ से निकालने को जुगत बैठाने लगे जिसका भक्तिन ने खुल कर विरोध किया और उनको छाती पर ही बसे रहने का फरमान सुना दिया । भक्तिन ने □□□□ □□ □□ □□□□□ □□ ि□□□ □ि□□ □□ □□ □□ ि□ों □□□ □□□□□ □□ □□ □ □□□□□□क्ति□ □ो □□ □□ □□□□□ अपने साले के साथ करना चाहते थे इसके लिए भी भक्तिन व उसको बेटी उनको चाल का शिकार हो गई । गले पडे दामाद को घर जमाई बनाना भक्तिन का दुभाग्य ही था जिसके कारण भक्तिन को अनेक कष्ट हुए क्योंकि जमाई कुछ भी काम काज म हाथ ना बटाता था बल्कि उसे महाजन के कज के दंड स्वरूप धूप म खडा रहना पडा जिस अपमान के चलते वह घर छोड कर लेखिका के पास काम को तलाश म पहुंचती है । भक्तिन लेखिका के चूल्हे चौके , □□□, □ह□□□ □□ □□ □□त्र □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □द्ध □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ गाँव चलने का आग्रह करती है और उसे अपने सामथ्य के अनुसार सारी सुविधाएँ देने का प्रस्ताव रखती है| भक्तिन

[illegible] बुढ़िया क्या करेगी? भक्तिन को खोकर लेखिका उसकी कहानी पूरी नहीं करना चाहती |

12. बाजार दशन (जैनेंद्र कुमार)

सारांश : बाजार दशन पाठ म बाजारवाद और उपभोक्तावाद के साथ साथ अथनीति एवं दशन से संबंधित प्रश्नों को सुलझाने का प्रयास किया गया है। बाजार का जादू तभी असर करता है जब मन खाली हो। बाजार के जादू को [illegible] ,मन म लक्ष्य भरा हो। बाजार की असली साथकता [illegible] म अपनी आवश्यक्ताओं के अनुसार [illegible] ह वे वास्तव म आनंद नहीं दुख ही प्रदान करते ह। इस पाठ म लेखक मन को नियंत्रण म करने और वास्तविक [illegible] देता है। भगत जी का उदाहरण हमारे लिए महत्त्वपूण है तभी हम इस जगत म जीवन का [illegible]

13. काले मेघा पानी दे (धमवीर भारती)

सारांश :-‘[illegible] व्या[illegible]-पाठ और कथा विधान कर थक जाते ह तब वषा कराने के लिए [illegible] गली मुहल्ले म पानी मांगने निकलती है। लोग अपने घरों की छतों खिडकियों से इन्दर सेना पर पानी डालते ह। लोगों की मान्यता है कि इन्द्र, बादलों के स्वामी और वषा के देवता है। इंद्र की सेना पर पानी डालने से इंद्र भगवान [illegible] का तक है कि जब पानी की इतनी कमी है तो लोग मुश्किल से जमा किए पानी को क्यों [illegible] ? आय समाजी विचारधारा वाला लेखक इसे अंधविश्वास मानता है। इसके बिल्कुल विपरीत लेखक की जीजी इसे त्याग और दान से जोड कर देखती है। त्याग के बिना दान नहीं हो सकता। प्रस्तुत निबंध म लेखक ने भ्रष्टाचार की समस्या को उठाते हुए कहा है कि जीवन म कुछ पाने के लिए त्याग जरूरी है। [illegible] वे ही भ्रष्टाचार म लिप्त होकर देश और समाज को लूटते ह। जीजी की आस्था, [illegible] और तक केवल वैज्ञानिक तथ्य को सत्य मानता है। जहाँ तक, [illegible] धरातल पर सच्चाई को परखता है तो वहीं आस्था, [illegible] पचास साल बाद भी देश म व्याप्त भ्रष्टाचार और स्वाथ की भावना को देखकर लेखक दुखी है [illegible] जा रही योजनाएँ गरीबों तक क्यों नहीं पहुंच रही ? [illegible] फूटी हुई क्यों है ? [illegible] प्रश्न [illegible]

14. पहलवान की ढोलक (फणीश्वरनाथ रेणु)

सार : [illegible] ‘[illegible]’ म कहानी के मुख्य पात्र लुट्टन के [illegible] कसरत करके लुट्टन पहलवान बन गया। एक बार लुट्टन श्याम नगर मेले म गया जहां ढोल की आवाज और कुश्ती के

[illegible]-पच देखकर उसने जोश म आकर नामी पहलवान चाँद सिहँ को चुनौती दे दी । ढोल को आवाज से प्रेरणा पाकर [illegible] दिया । अब लुट्टन गाँव म ही अपने बेटों के साथ रहने लगा और गाँब के बच्चों को दाव पेच सिखाने लगा । महामारी के दिनों म भी लुट्टन सुबह शाम ढोल नगाडे के साथ कुश्ती का अभ्यास करता था । यह ढोल को ही अपना गुरु [illegible] लोगों को बीमारी से लडने को हिम्मत बंधा रहा था जिस दिन पहलवान के दोनों लडके मृत्यु के शिकार हुए उस दिन [illegible] स करुण त्रासदी म लुट्टन कई सवाल छोड़ जाता है कि कला का कोई स्वतंत्र अस्तित्व है या कला [illegible]

15. चार्ली चैप्लिन और हम सब (विष्णु खरे)

<u>पाठ परिचय</u> - हास्य फ़िल्मों के महान अभिनेता '[illegible]' [illegible] उसने करुणा और हास्य म सामंजस्य स्थापित कर फ़िल्मों को सावभौमिक रूप प्रदान किया। चार्ली ने कला म बुद्धि को अपेक्षा भावना को महत्त्व दिया है। बचपन के संघर्षों ने चार्ली के जीवन को पृष्ठभूमि तैयार को है। भारती[illegible] और सौंदयशास्त्र म करूणा का हास्य म परिवतन भारतीय परम्परा म नहों मिलता लेकिन चार्ली एक ऐसा जादूई व्यक्तित्व है जो हर देश, संस्कृति और सभ्यता को अपना सा लगता है। भारतीय जन मानस ने उन्हे मन से स्वीकार किया है। स्वयं पर हँसना चार्ली ने ही सिखा[illegible] भारतीयकरण कहा जा सकता है। चार्ली को अधिकांश फिल्म मूक ह इसलिए वे मानवीय है ।

16 नमक (रजिया सज्जाद जहीर)

पाठ परिचय-'[illegible]' [illegible]-पाकिस्तान विभाजन के पश्चात मानचित्र म सीमारेखा खिंच जाती [illegible], उसका लगाव अपने मूल स्थान से बना रहता है भारत म रहने वाली सिख [illegible], [illegible] सवश्रेष्ठ बताता है। दोनो देशों के नागरिकों के बीच मुहब्बत का नमकोन स्वाद आज भी कायम है। तभी सफ़िया [illegible], सिख बीवी के लिए लाहौरी नमक लाने के लिए कस्टम और कानून को [illegible]

17 शिरीष के फूल (आचाय हजारी प्रसाद द्विवेदी)

पाठ परिचय- [illegible], धैयशीलता और कतव्यनिष्ठ बने रहने के मानवीय मूल्य को स्थापित किया है। शिरीष को अवधूत कहा गया है क्योंकि संन्यासी को भांति वह सुख-दुख को चिंता नहों करता। गर्मो, [illegible]वषा और आंधी म भी अविचल खड़ा [illegible], महत्त्व और स्वरूप का वणन करते हुए विभिन्न सामाजिक विषयों पर रोचक टिप्पणी को है। लेखक शिरीष के फल को कठोरता को तुलना आधुनिक नेताओं से करते हुए संदेश देते ह कि समय के साथ परिवतन आवश्यक है- [illegible]! [illegible]?

18 श्रम विभाजन और जाति प्रथा (डॉ. भीमराव अम्बेदकर)

पाठ परिचय- श्र□-□□□□□□ □□ □□□□प्र□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ि□ श्र□ □□□□□□ □□ □स□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□प्र□ □□□□ि□ श्र□ □□□□□□ □ व्य□क्त □ो रु□□ □□ □□त्त□ □□ों ि□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □ो □ों□ □□□□□□, स्वतंत्रता पर टिको रहती है। लेखक ने आदश समाज के निमाण म लोकतंत्रात्मक विशेषताओं को बनाए रखने पर बल दिया है ।

<u>पूरक पुस्तक वितान भाग 2-</u>

<u>पाठ 1 सिल्वर वैडिंग –मनोहर श्याम जोशी</u>

□□□ □□ □□□-□□ल्□□ □ि□□ □□□□□ □ो □□□□ □□□□□ श□□□ □□□□ □□ो □□| □□ □□□ □□□□ध□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □ि□□ □त्र□ ि□□□ □□□ □□| □□□□□□□ □□□□□ □, यशोधर बाबू परंपरागत मूल्यों को हर हाल म □□□□□ □□□□ □□□□□| उनका उसूलपसंद होना दफ्तर एवम घर के लोगों के लिए सरदद बन गया था| □□□□□ बाबू को दिल्ली म अपने पाँव जमाने म किशनदा ने मदद को थी, □□□ □□□□□□□ □□ □□ □□|

दफ्तर म विवाह को पच्चीसवों सालगिरह के दिन ,□फ□□ □□□□□□□□, □□□ □□ □ड्ड□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ | जो वे बड़े अनमने ढंग से देते ह क्योंकि उन्ह फिजूलखर्चा पसंद नहीं | □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □| □□□ □□ □□□, विज्ञापन कम्पनी म काम करता है | □□□□ □□ □□. □. □□. □ो □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ छात्रवृति के साथ अमेरिका जा चुका है | बेटी भी डाक्टरी को पढ़ाई के लिए अमेरिका जाना चाहती है, □□ □□□□□ □□ि□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ों □□□□ | □□□□□ □□□□बच्चों को तरक्की से खुश ह किंतु परंपरागत संस्कारों के कारण □□□□□□ □ □ | उनको पत्नी ने स्वयं को बच्चों को सोच के साथ ढाल लिया है | □□□□□ □ □□□□हु□ □□, □च्चों □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□ □|

बच्चे घर पर सिल्वर वेडिंग को पार्टी रखते ह, □□ □□□□□ □□□□□□□□ों □□□□□□ □□ | उनका बेटा उन्ह ड्रेसिंग गाउन भट करता है तथा सुबह दूध लेने जाते समय उसे ही पहन कर जाने को कहता है, □□ □न□ □च□□ □□ों □□□□ | बेटे का ज़रूरत से ज़्यादा तनख्वाह पाना, तनख्वाह को रकम स्वयं खच करना, □□□□ि□□□ □□ □□□ □□ सलाह न माँगना और दूध लाने का जिम्मा स्वयं न लेकर उन्ह ड्रेसिंग गाउन पहनकर दूध लेने जाने को बात कहना □□□ □□□, □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□|जीवन के इस मोड़ पर वे स्वयं को अपने उसूलों के साथ अकेले पाते ह |

पाठ 2 जूझ: (आनंद यादव)

पाठ का सार–'□□' पाठ आनंद यादव द्वारा रचित स्वयं के जीवन–□□□ □ो □□□□□ □|□□□□ □□□ □ □□ □□□□□□ □□□□, □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ | दादा ने अपने स्वार्थों के कारण उसको पढ़ाई छुड़वा दी थी | □□ □□□□□ □□ ि□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ों □□□□| □□□ □□□□ □ □□□□□□ □□□□□ □□ | □□ □□□□ □□ ि□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□ों |□□ □□□□-□□□□□ □□ ि□□□-□□ □□□□□ □□□ □□□□□ |

[illegible] प्र[illegible]ष्ठ[illegible] व्य[illegible]क्त [illegible] | [illegible], [illegible] | दादा ने भी कुछ बात रखों कि आनंद को खेती के काय म मदद करनी होगी| [illegible] | [illegible] रू [illegible] | शुरु म कुछ शरारती बच्चों ने उसे तंग किया किन्तु धीरे-[illegible] | उसने कक्षा के मानीटर वसंत पाटिल से दोस्ती कर ली जिससे उसे ठीक प्रकार से पढ़ाई करने को प्रेरणा [illegible] | [illegible] जूझते हुए आनंद ने शिक्षा का दामन नहों छोड़ा| [illegible] श्री [illegible] | उन्होंने आनंद के हृदय म एक गहरी छाप छोड़ी| उसने भी कविताओं म रूचि लेनी प्रारम्भ को| उसने खेतों म [illegible] | [illegible] व्य-प्र[illegible] |

पाठ 3 अतीत म दबे पाँव: (ओम थानवी)

पाठ का सार – [illegible] त्र-[illegible] रू [illegible] -दड़ो तथा हड़प्पा का वणन किया है | पाकिस्तान के सिंध प्रांत म [illegible] प्र[illegible] | [illegible] प्र[illegible] | [illegible], स्न[illegible], [illegible] का उल्लेख किया है जिनसे [illegible] व्य[illegible] बस्ती म घरों के दरवाजे मुख्य सड़क को ओर नहों खुलते, [illegible] व्य[illegible] सभी नालियाँ ढको हुई ह, [illegible] प्र[illegible]

नगर म चालीस फुट लम्बा ओर पच्चीस [illegible] | इसको दीवार ओर तल पक्की ईंटों से [illegible] | [illegible] स्न[illegible] | [illegible] | पानी को व्यवस्था के लिए कुंआ है | [illegible] | [illegible] -[illegible], बाजरा आदि के प्रमाण मिले ह|

सिंधु घाटी सभ्यता म न तो भव्य राजमहल मिल ह ओर ही भव्य मंदिर| [illegible] -दड़ो सिंधु घाटी का सबसे बड़ा नगर है फिर भी इसम [illegible] व्य[illegible] | समय के लोगों ने कला ओर सुरुचि को महत्त्व दिया| [illegible], धातु एवं पत्थर को मूतियाँ, [illegible], उन पर बारीको से को गई चित्रकारी| [illegible] सिंधु सभ्यता को खूबी उसका सौंदय-[illegible] ”[illegible] |

पाठ 4 : डायरी के पन्ने: ऐन फ्रैंक

पाठ का सार – ‘[illegible]’ नामक ऐन फ्रैंक को डायरी के कुछ अंश दिए [illegible] | ‘[illegible]’ ऐन फ्रैंक द्वारा दो साल अज्ञातवास के दरम्यान लिखी गई थी| 1933 म फ्रैंकफट के

[illegible] -विरोधी प्रदशन बढ़ने लगे| [illegible] परिवार असुरक्षित महसूस करते हुए नीदरलड के एम्सटडम शहर म जा बसा | द्वितीय विश्वयुद्ध को शुरुआत तक 1939 [illegible]| परंतु 1940 म नीदरलड पर जमनी का कब्ज़ा हो गया ओर यहूदियों के उत्पीड़न का दौर [illegible]| इन परिस्थितियों के कारण 1942 के जुलाई मास म फ्रैंक परिवार [illegible] व्यक्ति [illegible] गुप्त आवास म इनको सहायता उन कमचारियों ने को जो [illegible] ‘[illegible]’ ऐन फ्रैंक द्वारा उस दो साल अज्ञातवास के [illegible]| ऐन फ्रैंक को तेरहव जन्मदिन [illegible] -किट्टी को सम्बोधित किया है|

[illegible] अज्ञातवास म पूरा दिन– [illegible], सिनेमा ओर थिएटर को पत्रिका पढ़ती और उनम से नायक- [illegible] ओं [illegible]| [illegible], चार बरस को उम्र म तैर सकने वाले बच्चे आदि सुनाते रहते| [illegible] | हिटलर के घायल सैनिकों म हिटलर से हाथ मिलाने का जोश , [illegible]|

ऐन फ्रैंक ने नारी स्वतंत्रता को महत्त्व दिया, [illegible]| एक तेरह वर्षीय किशोरी के मन को बेचैनी को भी व्यक्त किया- [illegible], दूसरों को बात सुनकर मिसेज फ्रैंक का उसे [illegible], बड़ों के द्वारा उसके काम [illegible]|

[illegible] द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध को विभीषिका, हिटलर एवं नाजियों द्वारा यहूदियों का [illegible]|

प्रायः पूछे जाने वाले महत्त्वपूण प्रश्न

कविताओं पर आधारित प्रश्नों का आगार

1. कविता (आत्म-परिचय)

1. ‘म जग जीवन का भार लिए.........गान किया करता हूं ‘—[illegible]
2. [illegible] –[illegible]?
3. कवि के ह्लदय के तारों को किसने झंकृत कर दिया होगा? [illegible]?
4. कवि ने यह क्यों कहा होगा कि स्नेह सुरा का पान किया करता हूं?
5. [illegible]?
6. [illegible]-- ” [illegible] ,[illegible]”।
7. [illegible]?
8. [illegible] ----[illegible]।
9. ‘ [illegible]-[illegible] हूं--- [illegible] स्पष्ट [illegible]

एक गीत : दिन जल्दी जल्दी ढलता है

1. [illegible]--- का अथ स्पष्ट कर।
2. [illegible], पथिक का उदाहरण क्यों दिया गया है । कवि अपने घर क्यों नहों लौटना चाहता ?

2. पतंग

1. कविता म भादो का जो वणन मिलता है उसका वणन अपने शब्दों मे कोजिए ।
2. ‘[illegible]’’ [illegible]?
3. [illegible]---कपास से बच्चों का क्या संबंध है ?
4. [illegible] बच्चों [illegible]?

3. कविता के बहाने

1. [illegible]?
2. [illegible]?
3. [illegible]?
4. [illegible]?

बात सीधी थी पर :

1. ‘[illegible]’ [illegible]
2. [illegible] ?
3. [illegible] ?

4. □□□ □ि□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□?
5. □□□□ □□□□□ □□क□ □□□ ?
6. जोर जबरदस्ती से क्या अभिप्राय है ?

4. कैमरे म बंद अपाहिज :

1. ‘□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ ‘□□’ शब्द का अथ बताएँ ।
2. प्रश्न □□□□□□□ □□□□द्देश□ □ ि□□□□ □□□ □□ □□□□ □□?
3. प्रश्नकत्ता कैमरे वाले को क्या निदश देता है ?
4. □□□ों □ो □□□□□□□□ क□□ □□?
5. □□□□□ □ □□□ □ब□ ‘सामाजिक उद्देश्य’ क□□ □□?

5. सहष स्वीकारा है :

1. कवि जीवन को प्रत्येक स्थिति को क्यों स्वीकारता है ?
2. गरीबी के लिए प्रयुक्त विशेषण का औचित्य □□□□□
3. पुनरुक्ति अलंकार के उदाहरण छांटिए तथा उनका प्रभाव बताएँ ।
4. कवि अपने दिल को तुलना किससे करता है और क्यों ?
5. कवि ने अपनी प्रेमिका को तुलना किससे को है और क्यों ?
6. □□□ □□क□ों □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□?

6. उषा :

1. □□□□□□□ □□□□गाँव को सुबह देखी हो तो वणन करो ।
2. “□□□ □□□□ □□□ □”से क्या अभिप्राय है ?
3. “□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□” □□□ः□□ □□क□ □□□□ □□□□□ □□?
4. □□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□?

7. कवितावली :

1. □□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ –□□□□□ □□□ □ □□□□□
2. कवि ने समाज के किन किन वर्गों का वणन किया है ?
3. तुलसी के समाज को जिन समस्याओं को आप आज भी देखते ह उनका वणन करो ।
4. मानव को सभी जरूरतों को पूर्ति का साधन किसे बताया गया है ?

8.लक्ष्मण मूच्छा और राम का विलाप :

1. □□□□□ □□□ □ो ि□□ □□□ □प्र□□□□□ हु□ ?
2. □□□□□ □□ि□त्र □ो □□□□□□□□□□□□□
3. राम ने लक्ष्मण को किन किन विशेषताओं का उल्लेख किया ?
4. वे कौन कौन सी वस्तुएं ह जो संसार म मानव पुनः प्राप्त कर सकता है ?
5. □रू□ □□ □ □□□ □□ □ो □□□□ □क□□ □□ □□?

6. □म□□□□ □□ □□□□ □प्र□□ □□□ □ष्ट□□□ □□?

9.रूबाइयाँ :

1. □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ क्यों ?
2. □च्चे□ो □□□ □□ क्□□ □□□□ □□? आप पर बच्चे को हँसी का क्या असर होता है।
3. □च्चे□ □□ □□□□ □□□□ प्□□□ □□□□□□ □□?
4. दीवाली जैसे त्योहारों का जीवन म क्या महत्त्व □□?

10.गजल :

1. कवि ने गजल म किस ऋतु का वणन किया है ?
2. □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□
3. 'जरा जरा सोए है'—का अथ स्पष्ट कर।
4. □□ □ □□□ □□□□□ □□? क्□□ □□□□□□ □□□ □□?
5. □□□□□□□□□□ □□□□□□ क्□□ □□□ □□□ □□?

11.छोटा मेरा खेत :

1. □□□ □□□□□-कम को तुलना किससे को है ?
2. प्रतीकात्मकता को स्पष्ट कर।
3. 'क्ष□ □□ □□□' □□□□□□ □□?
4. कल्पना और चिंतन को किस प्रतीक द्वारा दिखाया गया है ?

12.बगुलों के पंख :

1. कवि किस दृश्य पर मुग्ध है और क्यों ?
2. '□□□□□ □□□□ □□□ □□□' □ □□□ □ो □□□ □□□□त्ते □□ □□□ □□□□ □□?
3. कविता के मानवीकरण को स्पष्ट कर।

पाठ- 1 (भक्तिन)

1. □□□□□ □□□क्ति□ □ो □□□□ □□□□□ □□ □□क्यों □ो ?
2. □□क्ति□ □□□□□ □ क्□□ □□□□□□□□□ □□ ?
3. भक्तिन ने लेखिका से क्या आग्रह किया ?
4. □□□□□ □□क्ष□□ □□ क्या नामकरण किया और क्यों ?
5. □□□□□□ □□क्ष□□ □□ क्□□ □□□□ □□□ ?
6. लक्ष्मी को सास ने उसके पिता का समाचार क्यों नहीं दिया ?
7. लक्ष्मी को सास ने उसे क्या कह कर विदा किया ?

8. □क्ष□□ □□□□□□ व्य□□ □□ □□प्रस□□ ि□□□ ?

9. लक्ष्मी के जीवन के दूसरे परिच्छेद म (विवाह के बाद) क्या हुआ ?

10. लक्ष्मी के जीवन के दूसरे परिच्छेद म (विवाह के बाद) जीवन कैसा चला?

11. जिठानियों के बच्चों को तुलना काकभुसुंडी से क्यों को है?

12. □क्ष□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ ?

13. लक्ष्मी का दुभाग्य भी कम हठी नहों था ऐसा लेखिका ने क्यों कहा है?

14. जिठोतो को कौन सी आशा को किरण दिखाई दी ?

15. जिठौत ने क्या षड्यंत्र रचा ?

16. □□□□ □□□□□□ड्यंत्र □□ □□□□□□□ ि□□□ ?

17. □□क्ति□ □□□□□□ □□□□□ ि□च□□ □□□ □□□?

पाठ- 2 (बाजार दशन)

1. □□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□□□□ □□ व□□ □□□ □?

2. □□-□□ □□□□□ों □□;□□ □□□□ □ो □□□□□ □,□□□□व□□ □□□- □□□□□□□?

3. □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□द्ध □ो□□□ ि□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ों □□□□ ?

4. मनुष्य को धन पर विजय जड को चेतन पर विजय कैसे है ?

5. '□□□□□ □□□' पाठ म लेखक ने किस बाजार को मानव को विडम्बना कहा है?

6. पाठ के आधार पर बताएं को किन लोगों के आगे पैसे को व्यंग्य शक्ति चूर-□□□□ □□□□ □?

पाठ-3 (काले मेघा पानी दे)

1. □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □द्दे□ स□ष्ट □□ ?

2. □□□ □□□ □□ □□□-कलाप लेखक को अंधविश्वास क्यों लगा ?

3. □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□ व□-व□□ □□; ि□□?

4. त□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ -- □□□ □□□ □□□ □□ स□ष्ट □ो□□□?

5. □□□□ □□□ □ो □□□□□ □□े□□□ □□ □□□□□ □□□ □

पाठ-4 (पहलवान को ढोलक)

1. □श□□ □□□□□ □□□ □ो □□□□ □□ □ट्ट□ □□□□□-□□ □ व□□ □□□□□ □? पाठ म आए ध्वन्यात्मक शब्दों □□ □□ □□ □□□□□ □□ व□□ प्र□□□ □□□□ □?

2. गांव म महामारी फैलने और बेटों को मौत के बाद भी लुट्टन ढोल क्यों बजाता था ?

3. □□□□ □ो □□□□ □□ □□□□□□ □□ व□□ □□□ □□□□ □?

4. □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □ □□ि□□ □□ □□□स □□□श□ □□ □□□ □□□ ?

5. रात्रि म पहलवान को ढोलक किसे ललकारती थी ?

6. लुट्टन ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरू कोई और नहों ये ढोलक ही है।

पाठ-5 चार्ली चेप्लिन यानि हम सब

1. □□□ □□□□□ क्यों □□□ □□□□ फि □□र्ली □□ □□□ 50 □□र्ष □□ □□□□ □□ □□□ □□□□?
2. चेप्लिन ने न केवल फिल्मों को लोकतांत्रिक बनाया बल्कि वण व्यवस्था को भी तोडा ---- इसका अथ स्पष्ट □□□
3. □□□ □□□र्ली □□ □□□□□□□□□ फि□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□रू **चार्ली चेप्लिन से** समीपता क्यों चाहते □□?
4. जीवन को जद्दोजहद ने किस प्रकार चार्ली के जीवन का निमाण किया है ?
5. □□र्ली □□□□ज□□□ स□□□□ □□ □□□□ □□?

पाठ-6 नमक

1. नमक कहानी म हिंदुस्तान पाकिस□□□ □ □□□□□□□□□□□ □ो □□□□□ओं,□□□□ओं □□ □□□□□ □□□ □□□□?
2. विभाजन के अनेक स्वरूपो म बंटी जनता को मिलाने को अनेक भूमियां हो सकती है ---क□□ □□□□□□ □□ि□□ों □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□?
3.'ि□□□□ □□□ □□□□—□□ □□ □स□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□'--- □□□ स□ष्ट □□?

पाठ-7 शिरीष के फूल

1. लेखक ने शिरीष के फूल को कालजयी अवधूत क्यों कहा है?
2. हृ□□ □ो □□□□□□ □□□□□□लिए कभी कभी व्यवहार को कठोरता भी आवश्यक हो जाती है ---स□ष्ट □□□
3. द्विवेदी जी ने शिरीष के माध्यम से कोलाहल व संघष से भरी जिंदगी म जिजी□□□□□□□□□□ो □□□ □□□□ □□?
4. □□□ ! □□ □□□□ □ □ □□□-- कह कर किस महापुरूष को और संकेत किया है ?

पाठ-8 (क) श्रम-विभाजन और जाति प्रथा

1. □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□क□□ □□□□□□हु□ ? समाज म काम करने को स्वतंत्रता के क्या लाभ है ?
2. □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□क□□ □□□□ □□?
3. □□□□ □□□□□□□ □ □□□□□□□ □ □□□□□ □□क□□ □□□ □□□□ ?
4. इस पाठ के आधार पर मनुष्य को कौन कौन सी क्षमता पर विचार किया है?

(ख) आदश समाज

1. डॉ.आम्बेडकर ने जिस आदश समाज को संकल्पना को है। उस पर लेख लिखिए।
2. □□□ □□□□□□ □ो ि□□-ि□□ □□स□□ओं □□ □□□□□ ि□□□ □□?
3. □□□□□□ □□ स□□त्र□□ □□ □□□□□□□□ प्र□□ □ो□□□ |

(पद्य आरोह भाग- 2)

प्रश्न 9. दिए गए दो काव्यांशों म से किसी एक पर अथग्रहण संबंधी तीन प्रश्न 2x3=6□□

प्रश्न 10 दिए गए दो काव्यांशों म से किसी एक पर सौंदय बोध संबंधी दो प्रश्न 2x2=4□□

प्रश्न 11 दिए गए विषयवस्तु पर आधारित तीन प्रश्नों म से दो लघूत्तरात्मक प्रश्न 3x2=6 □□

नोट:- इस समग्री म प्रत्येक पाठ के <u>तीन स्तरों पर लघु प्रश्नोत्तर</u> दिए गए ह जिनका अत्यधिक विस्तार भी संभव है, अध्यापक छात्रों को उनको योग्यता के आधार पर अभ्यास कराने का प्रयास कर ।

<u>टीप-बादल राग पाठ केवल पढ़ने के लिए है</u>

1 कविता :-   आत्म परिचय (हरिवंश राय बच्चन)

<u>काव्य खंड पर आधारित दो प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे- अथग्रहण संबंधी एवं सौंदय बोध संबंधी</u>

<u>अथग्रहण संबंधी प्रश्न</u>

म जग जीवन का भार लिए फिरता हूं,
फिर भी जीवन म प्यार लिए फिरता हूं,
□□ f□□□ f□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□,
□ □□□ों □□□□ □□□ लिए फिरता हूं।

प्र1-□□□ □□□□ह्□□ □ क्□□ क्□□ □□□ f□□□□ □?

□- □□□ □□□□□□□f□□ □□□□ों □□□□-□□ हू□□ □ □□□ f□□□□ □□

प्र2-कवि का जग से कैसा रिश्ता ह?

□- □□□ □□ □□ □□□□ □□□ट्र □□□□ f□श□□ □□

प्र3-परिवेश का व्यक्ति से कया संबंध है? ‘□ □□□ों □□□□ □□□ □□□ f□□□□ हूं□□□□ध□□ □□□□□ क्□□ □□□□ □□□□□ □?

□- संसार म रह कर संसार से निरपेक्षता संभव नही ह क्योंकि परिवेश म रहकर ही व्यक्ति को पहचान बनती है। उसको □□स्□□□ □□क्षे□ □□□□ □□

अन्य प्रश्न-□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ f□□ प्र□□□ व्य□□□ □□□□ □?

□-दुनिया के साथ संघष पूण रिश्ते चलते कवि का जीवन- विरोधों के बीच सामंजस्य करते हुए व्यतीत होता है।

<u>सौंदय बोध संबंधी प्रश्न</u>

“□ स्ने□-□□□ □□ □□□ f□□□ □□□□ हूं,□
□ □□□ □ □□ □□ ध्□□□ f□□□ □□□□ हूं,□
□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □ो □□□,□
म अपने मन का गान किया करता हूं”

प्र1- □□□□□ □ो □□ □□क्ति□ो □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□

□- स्ने□-□□□ – रूप□ □□□□□□,f□□□ □□□□ □ रूप□ □□□□□□

प्र2- कविता म प्रयुक्त मुहावरे लिखिए।

□- ‘□□ □□ □□□’.’□□ □ो □□□□,□□ □□ □□□’ □f□ □

अन्य प्रश्न- □□□□□ □ प्रयुक्त शैली का नाम लिख।

□- □□□□-□□□ □

<u>पाठ को विषय-वस्तु पर आधारित प्रश्नोतर</u>

प्र1- □□□ □□□- □□□ □□ □स्□□□□ों □ □स□ □□□□ □□□□ □ क्□ों?

□- □□□ □□□□ि□□ □□-दुख को दोनों परिस्थितियों म मग्न रहता ह। उसके पास प्रेम को सांत्वनादायिनी अमूल्य निधि है।

प्र2 –□□□ □□-□□□□ □□□□□□□□□□ क्□□ □□□□ □□□□ □□□ □?

□- संसार के कष्टों को सहते हुए हम यह ध्यान रखना चाहिए कि कष्टों को सहना पडेगा। इसके लिए मनुष्य को हँसकर कष्ट □□□□ □□□□□□

प्र3- '□□□□□□ □□ □□□' □□ क्□□ □□□ □?

□- □□□□ □□ □□□ों □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ो □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□, बुद्धि व विवेक को अच्छा लगता है।

प्र4- '□□□□□ □□□ □ □□□ □□□□□□ □□□□' □□ क्□□ □□□ □?

□- □□□□□□□ □□□ □□ □□द्व□□ □□ □□□□□□ □, वास्तव म वही नादानी का सबसे बडा लक्षण है।

प्र5- '□□□□ □ □□□' □□□□□□ □?

□-कवि को रचनाओं म व्यक्त पीडा वास्तव म उसके हृदय म मानव मात्र के प्रति व्याप्त प्रेम का ही सूचक है।

प्र6- '□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□' का अथ स्पष्ट करो।

□- कवि को श्रेष्ठ रचनाएं वास्तव म उसके मन को पीडा को ही अभिव्यक्ति है जिनको सराहना संसार का श्रेष्ठ साहित्य कह कर ि□□□ □□□□ □□

2. कविता:- दिन जल्दी जल्दी ढलता है।

अथग्रहण-संबंधी प्रश्न

ि□□ □ल□-□ल□ □□□□ □□
हो जाए न पथ म रात कहों ,
□□□□ □□ □□ □□□□□ों,
□□ □□□ □□□ ि□□ □□ □□□ □□,
□ल□-□ल□ □□□□ □□
ि□□ □ल□-□ल□ □□□□ □□

"बच्चे प्रत्या□□ □ □ों□,
नीडों से झांक रहे होंगे।
यह ध्यान परों म चिडिया के,
□□□□ ि□□□□ □□□□□ □"

प्र1- पथ और रात से क्या तात्पय है?

□- जीवन रुपी पथ म काय पूण करने के पूव ही पड़ाव रूपी रात से सचेत रहने के लिए कहा गया है।

प्र2- □□□□ □□रों को गति किस प्रकार बढ जाती है ?

□- □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□, व्यक्ति के मन म स्फूर्ति भर देता ह।

प्र3- चिड़िया को चंचलता का क्या कारण है?

□- □□□□□□ □□च्चे□□□ो प्र□क्षा □□□□ों□, यह विचार चिडिया के पंखों म गति भर कर चंचल बना देता है।

प्र4- प्र□□□□ □ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□ क्□□ □□□□ □□□□□?

□-प्रयासो म तेजी लाने के लिए मनुष्य को जीवन म एक निश्चित स्पष्ट लक्ष्य स्थापित करना चाहिए।

पाठ के आधार पर स्तरीय प्रश्नोत्तर :-

स्तर-1

प्र 1.'□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□......ि□□ □□□□ हूं□- □□□□□ □ □□□ □□ □□□ □□□□□

□. □□□□□ □□ □□□ = □त□-□ि□□□
□□□ □□ □□□ = □ि□□□□□□ □च्च□

प्र 2.'□□□□□ □□□ □,□□□ □□□□□□ □□□□'—पंक्ति का भाव स्पष्ट कर ।

उ. भाव है कि सृष्टि म जहां समझदार और विद्वान लोग रहते ह वहाँ नासमझ और मूख लोग भी निवास करते है।

प्र,3 □□□ ि□□□□ □□□ □□□ ि□□□□ □□?

उ. कवि जग जीवन का भार लिए फिरता ह। वह भार दुख और दद के कारण कठिन है।

प्र.4 □□□ □□□□□□ क□ॉ □□ॉ □□□□□ □□□□□ ?

□. □□□ □□□□ □ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ॉ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□ॉ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□

स्तर:-2

प्र.1 □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□ क□□ □□□प्र□□ □□?

उ.कवि प्रेम रूपी मदिरा को पीने वाला है। इसी मदिरा को पीकर मस्ती म डूबा रहता है केवल अपने □□ □□□□□ □□□ॉ □ □ग्न □□□□ □□

प्र.2 कवि ने यह क्यों कहा होगा कि म स्ने□ □□ □□ □□□ ि□□□ □□□□ हूं□?

उ. कवि अपने जीवन म केवल प्रेम का आनंद ही लेना और देना चाहता है।

प्र.3 कवि के हृदय के तारों को किसने झंकृत कर दिया होगा? □□□□□□□□□□□□ □□ क□□ प्र□□□ □□□?

उ. कवि को सांसो को उसके प्रेम पात्र ने ही छुआ होगा इससे उसके जीवन □ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□

प्र.4 □□□□□ □ □□□□□□, □□□□ □□ □□□□□□ क□ॉ ि□□□ □□□ □□

उ.कवि ने चिडिया और पथिक का उदाहरण इसलिए दिया है क्योंकि समय परिवतनशील है और चिड़िया व पथिक □□ □□□□□ प्र□□□ □□ □□□□ □□

स्तर:-3

1.'म जग जीवन का भार लिए.........गान किया करता हूं '—□□□□□ □□□

उ. कवि संसार को बुरी दशा के लिए अति बेचैन होने के कारण भार लिए फिरता है ।

2. □□□ □□□□ क□ॉ □□□-- " □ □□ □□□ ,□□ □□□□□□□ □□□□□"□

□. □□□ □□ □□□□ □ी □□□□□ स्रे□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ॉ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ ि□□□□□ □□□□□□□□

3. □□□ □□□□ □□ क□□ □□□ □□□ □□□□□ □□?

उ. कवि को मान्यता है कि यह संसार नश्वर और दुःखों का घर है। परोपकार के लिए जीना ही जीवन है।

4 ि□□ □ल□-□ल□ □□□□ □□-- का अथ स्पष्ट कर।

□. □□□ ि□□□ □□ □□□□□ □□ॉ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ॉ □□□□ □

2. ॥ पतंग ॥

आलोक धन्वा

□ॉ□□□□□ □□□□ प्रश्न :-

□न्□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□,

दिशाओं को मृदंग को तरह बजाते हुए,

[illegible],

[illegible]ों [illegible]हु[illegible],

[illegible]हु[illegible]

[illegible]ो [illegible]क[illegible]

प्र1. ‘जन्म से ही लाते ह अपने साथ कपास’—[illegible]क्ति[illegible]ो [illegible]

[illegible]त्त[illegible] : [illegible] प्र[illegible]ों [illegible] प्र[illegible] ([illegible]-[illegible])

प्र2. [illegible]क्ति [illegible] प्रयुक्त लाक्षणिक अथ को स्पष्ट कोजिए।

[illegible]त्त[illegible] : [illegible]क्ष[illegible] : ‘दिशाओं को मृदंग को तरह बजाते हुए’ [illegible]ो [illegible]ष्टि

अन्य प्रश्न. सुनहला सूरज प्रतीक का अथ बताएं।

[illegible]त्त[illegible] : [illegible], [illegible]त[illegible]

[illegible] स[illegible] प्रश्नोत्त[illegible] :-

स्तर:- 1

1. [illegible], उसका वणन अपने शब्दों मे कोजिए।

उ. कविता म भादो अथात वषा ऋतु के अंतिम महीने के बाद शरद ऋतु आती है। सवेरे का सूरज खरगोश को आंखों [illegible] प्र[illegible], [illegible] समीर के प्रवाह सहित कई ग्रामीण झांकियां [illegible]

2. [illegible] प्र[illegible]?

उ. [illegible] प्र[illegible] हु[illegible]

3. [illegible]च्चों [illegible] हु[illegible]ों [illegible]ों [illegible]?

उ. [illegible]

स्तर:-2

1. [illegible]च्चों [illegible]क[illegible]?

उ. क्योंकि जिस तरह से बच्चे आकाश म पतंग़ उड़ाते ह, उसी प्रकार उनको कल्पनाएं भी आकाश म उड़ती ह।

2. [illegible]हु[illegible] ?

उ. [illegible]ों [illegible]ों [illegible]

3. दिशाओं को मृदंग को तरह बजाने का क्या तात्पय है?

उ. [illegible]च्चे[illegible],[illegible]

स्तर:-3

1.[illegible]न[illegible]---[illegible]च्चों [illegible]क[illegible]?

उ. [illegible] प्र[illegible],[illegible]च्चे[illegible]न[illegible]

2. [illegible]ो [illegible]ो [illegible]व क्यों?

उ. खरगोश को आँखों से को गई है, वातावरण म प्रसन्नता,चमक व ताज़गी दिखाने के लिए| [illegible] प्र[illegible]

3. [illegible]ों [illegible]-[illegible]---पंक्ति म निहित भाव स्पष्ट कोजिए।

उ. इसका अथ है कि बच्चे भी कल्पना करके आसमान म नि[illegible]

3.कविता के बहाने एवं बात सीधी थी पर

कुँवर नारायण

- **काव्य सौंदय पर आधारित प्रश्न :-**

[illegible]
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] क्[illegible]?

प्र.1 [illegible] पं[illegible]क्तियों [illegible] [illegible]

उत्तर : इन पंक्तियों की भाषा संबंधी निम्नलिखित विशेषताएँ –

- [illegible] प्र[illegible] –[illegible]
- [illegible] त्[illegible],[illegible] प्र[illegible]
- [illegible] क्[illegible]? म प्रश्न अलंकार
- [illegible]
- कवि की कल्पना की उवर शक्ति जिसका प्रयोग करने म कवि जमीन आसमान एक कर देता है।

प्र.2 [illegible] –का लाक्षणिक अथ बताएं।

उत्तर : काव्य की सूक्ष्म अथ निरूपण शक्ति, [illegible]

प्र.3 कविता के पंख किसका प्रतीक ह?

[illegible]त्त[illegible] : [illegible] क्ति [illegible]

पाठ के आधार पर स्तरीय प्रश्नोत्तर :-

स्तर-1

प्र. कविता और बच्चे को समानांतर रखने का क्या कारण है ?

उ. जिस प्रकार बच्चे के मन म किसी भी तरह का द्वंद्व नहीं होता वह सहज होता है ठीक उसी तरह से कविता भी सहज [illegible]

2.प्र. [illegible] क्[illegible]?

[illegible]

स्तर-2

.प्र. [illegible] क्[illegible]?

[illegible]

2.प्र. [illegible] क्क[illegible]?

उ. बात भाषा के चक्कर म पड कर अपना स्वरूप बदल लेती है। बात और भाषा के चक्कर म पडकर लोग अपने भावों को [illegible] व्यक्त [illegible]

स्तर-3

प्र .'[illegible]' [illegible] क्[illegible]?

[illegible] प्रकार पंछी उड़ान भरता है उसी प्रकार कवि भी कल्पना के आकाश म उड़ान भरता है। इसी तरह खिलने का संबंध फूल के साथ है जिसम कोई भेद भाव नहीं होता।

प्र .'[illegible]' [illegible]

[illegible] च्चे [illegible] किसी के साथ कोई भेद भाव नहीं करते।कविता व बच्चों के खेल म कोई बंधन नहीं होता है|

4. कैमरे म बंद अपाहिज (रघुवीर सहाय)

कविता के अथ ग्रहण संबंधी प्रश्न :

□□ □□□□□ □□ □□□□□
□□ □□□ □क्ति□□□
हम एक दुबल को लायगे
□□ □□ □□□□□
□□□□□□,□□ □□ क□□ □□□□□□ □?
तो आप क्यों अपाहिज ह ।

1. प्र.'हम दूरदशन पर बोलगे हम सवशक्तिमान'—का निहित अथ स्पष्ट कर ।

   उत्तर : इन पंक्तियों म अहं को ध्वनि अभिव्यक्ति है, पत्रकारिता का बढता वचस्व दिखाया गया है ।

2. प्र. □□ □□ □□□ □□ □□□□□–□क्ति □□ व्यंग्याथ स्पष्ट कोजिए ।

   उत्तर : पत्रकारिता के क्षेत्र म करूणा का खोखला प्रदशन एक परिपाटी बन गई है। दुबल व्यक्ति को लक्ष्य साधन म □□□□□ □□□□□ □□□ □|□

3. प्र. क□□ □□ □□□□□□ □? तो आप क्यों अपाहिज ह –पंक्ति द्वारा कवि किस विशिष्ट अथ को अभिव्यक्ति करने म □□□ हु□ □□?

   उत्तर : पत्रकारिता म व्यवसायिकता के चलते संवेदनहीनता बढती जा रही है । यहां अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का □□□ व्यक्त हु□ □□

स्तर1-:

.प्र. □ि□ □□□ि□□ रू□ से कमजोर और दशक दोनो एक साथ रोने लगगे तो प्रश्नकता का कौन सा उद्देश्य पूरा हो सकेगा?

उ. सभी को रूलाने का ।चैनल लोगों को प्रभावित कर पाएगा|

.प्र. हम कैमरे के सामने अपाहिज से क्या प्रश्न पूछगे?

□. क□□ □□ □□□□□□ □?

□□□□□□ □□□□ □ष्ट □□ □□□ □□□□?

□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □?

स□□;-2

प्र. "□□ ह्य □□ □□□ □□ □□□□"□क्ति □□□□ध□□ □□□□□ क□□ व्यंग□ □□□□ □□□□□ □?

□. □□□□□□ □ो □□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□

.प्र. '□□ □□□□□ □□ □□□?'--- □क्ति □□ □□ □□□□□□

□. □□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□

स□□ 3-:

.प्र "□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □रु□□ □□□□□□□ □□□□ व्रू□□□ □ो □□□□□ □|" स□ष्ट □ो□□□□

उत्तर : जी हाँ इस कविता म जिस तरह के शब्दों का प्रयोग हुआ है वह संवेदनहीनता का संजीदा उदाहरण ही है । प्रश्नकता को वास्तविक सहानुभूति नहीं है| □□ □□□□ व्य□□□□□□□ □□□□त□ □□□□□-निभाते अपाहिज की संवेदनाओं से □□ □□□ □|□

प्र. कैमरे पर किस चीज की कीमत है ? क्या कविता म वह चीज प्राप्त हुई ?

उत्तर : कैमरे पर वक्त की कीमत है । दूरदशन पर जिस संवेदनहीनता(झूठी सहानुभूति के साथ) के दृश्य प्रस्तुत किए जाने की उत्कट इच्छा जाहिर की गई,वह प्राप्त नहीं हुई ।

5- सहष स्वीकारा है (गजानन माधव मुक्तिबोध)

अथग्रहण संबंधी प्रश्न

जिंदगी म जो कुछ भी ह
[illegible]
[illegible]
वह तुम्ह प्यारा [illegible]
[illegible], [illegible],
[illegible], [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्र1.- [illegible]

उत्तर- [illegible]

[illegible]- सहष स्वीकारा है

प्र2- [illegible], भीतर को सरिता आदि प्रयोगों का अथ स्पष्ट कोजिए।

उत्तर- [illegible]- निधनता का स्वाभिमानी रूप। कवि के विचारों को मौलिकता, [illegible], [illegible], [illegible]

प्र3- [illegible]?

उत्तर- निजी जीवन के प्रेम का संबल कवि को विश्व व्यापी प्रेम से जुडने को प्रेरणा देता है। अत: कवि इसका श्रेय [illegible]

सौंदय बोध ग्रहण संबंधी प्रश्न

जाने क्या रिश्ता है, [illegible]
[illegible] हूं[illegible]
दिल म क्या झरना है?
[illegible]
[illegible], [illegible]
[illegible]
[illegible]

प्र1- [illegible]

उत्तर- 1- [illegible]? म प्रश्न अलंकार है| झरना और मीठे पानी का सोता म रूपक अलंकार है| जितना भी [illegible] हूं[illegible]

2- खड़ी बोलीयुक्त भाषा म लाक्षणिकता है|

प्र2- [illegible]? [illegible]—का आशय स्पष्ट कोजिए।

उत्तर- दिल म क्या झरना है?- [illegible]

[illegible], [illegible]

प्र3- कविता म प्रयुक्त बिंब का उदाहरण लिखिए।

□त्त□- □श□ ि□□- □स□□□□ □□□□ज□ों □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □म□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□

स□□ : 1

प्र. '□□□ स्वीकारा है कविता म निहित भाव स्पष्ट कोजिए।

उ. कवि अपने प्रेमी पात्र को सवस्व न्योछावर कर देना चाहता है। वह सुख दुख, □□□-□□□□□, □□□□ □ो □□□ □□□ □□ समान रूप से स्वीकार करता है । प्रिय से बिछुडने के बाद भी स्मृतियाँ के सहारे विश्व चेतना का अहसास कर□□ □□

प्र. □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ स□ष्ट □ो□□□□

□. □□□□□ □□ □□□-□□□ स□□□□□□ □,□□□= श्र□ □□□□□ □□□□ □त्ति□□□□

स्तर 2 -:

प्र. गरीबी को कवि ने गरबीली क्यों कहा है ?

उ. क्योंकि गरीबी ही कवि को जीवन को पहचान देती है।

प्र. □□□ □□□□□□ □ो □ि□□□ ि□□□□□ क□ों □□□ □□?

□. □□□ □□□□□□□□□ों □□ □ि□□□ □ो □ज्ञ □□ □□'ि□□ □□ □□□□' □□□ □□□□□□ □□□□□ों □□ स्रो□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□व्यक्त □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □ □□ □□

स□□ 3 -:

1.प्र. □□□□□□ □□□□□□ □त□□□□□ □□□□□ □□ क□□ □□□ □?

□. □□□□□□□□ □□□ों □□□□□□□ □□□□

2.प्र. बहलाती सहलाती आत्मीयता बदाश्त नहों होती है ....और कविता के शीषक सहष स्वीकारा है म आप कैसे □□ि□□□□ □□□□□?स□ष्ट □ो□□□□

उ. कविता के शीषक सहष स्वीकारा है के अंतगत कवि को स्थिति स्पष्ट हो□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □ □□ □□ □ अपने प्रेमी पात्र को इसलिए समपित करना चाहता है क्योंकि प्रिय को आत्मीयता के कारण ही वह आगे बढ़ना चाहता □□

6. उषा (शमशेर बहादुर सिहँ)

अथग्रहण संबंधी प्रश्न :-

प्र□□ □□ □□ □हु□ □□□□ □□ □□□
□□□ □□ □□
□□□ □□□□□□ □□□□
(□□□ □□□□ □□□ □)
□हु□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□
□ि□ □□□□□ □□ □□
स□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□
□□ □□ □□ ि□□□ □□
□□□ □□ □ □□ ि□□□ □ो
□□□ □□□□□□ □□
□□□□□ □□□ □□□
□□.......
□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□
□ि□□ □□ □□□ □□

प्र. उषा कविता म सूर्यादय के किस रूप को चित्रित किया गया है ?

उत्तर : कवि ने प्रातःकालीन परिवतनशील सौंदय का दृश्य बिम्ब मानवीय क्रियाकलापों □□□□ध□□ □व्यक्त ि□□□ □□□ □□

प्र. भोर के नभ और राख सी लीपे गए चौके म क्या समानता है ?

□त्त□ : □□□ □□□□ और राख से लीपे हुए चौके म यह समानता है कि दोनों ही गहरे सलेटी रंग के ह, □□□त्र □□ □□□ □□ □क्त □ □

प्र. स□□□□ □□□........□क्ति □□ □□ □□□□□

उत्तर : भोर का नभ लालिमा से युक्त स्याही लिए हुए होता है । अतः लाल खडिया चाक से मली हुई स्लेट के समान प्र□□□ □□□□ □ □

प्र. □□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□ □□?

उत्तर: विविध रूप रंग बदलती सुबह,व्यक्ति पर जादुई प्रभाव डालते हुए उसे मंत्र मुग्ध कर देती है ।

स्तर:- 1

प्र.सूर्यादय से पहले आकाश म किस प्रकार के परिवतन होते है?

□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ रूप □□- □□□□रूप □ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□, □□□ □□□ □□□□□हु□ □□□□□□□□, कभी लाल केसर से धोई गई सिल तो कभी लाल खड़िया चाक मली हुई स्लेट के समान दिखती है|

2.प्र. □□□□□ □ □□□ □□ □□□ □□□□□

□. □□□ □□ □□□- □□□□□□□□□□□□,□□□□□ □□ □□□- □□□

3.प्र. प्रातःकाल का आकाश कैसा प्रतीत हो रहा था ?

□त्त□ : □□□ □□□□□□□□□□, □□□□□□ □□ □

स□□ : 2

प्र. □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□?

उ प्रातःकाल के सभी सुन्दर दृश्य परिवर्तित होने से जादू टूटता है।

प्र. भोर के नभ को राख से लीपा चौका क्यों क□□ □□□ □□?

उ क्योंकि वह स्लेटी रंग का नजर आ रहा है।

3. प्र □□□ □□□□□ □□□□ □ो क□□ □□□□□□□□□□□ □ ?

□. □□□ □□□□□□□□□□□, □□□□□□ □□□□

स□□ : 3

प्र. □□□ □□□□□ □□□ □ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□?

□त्त□ : □□त्र□त□□ (□□म□□त□□) □□□ □ □

प्र □□□□□ □ □□ □□□□□ों □□ □□□□□ □ □

□त्त□: □□ □□-□□□□

□□□ □□□□□□ हु□ □□□□-□□□□

□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ – □□□□

□□□□□ □□□ □□ – उत्प्रेक्षा अलंकार

8. बादल राग (सूयकांत त्रिपाठी 'निराला')

(टीप - बादल राग पाठ केवल पढ़ने के लिए है)

अथग्रहण संबंधी प्रश्न :-

" □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□
अस्थिर सुख पर दुख को छाया
जग के दग्ध हृदय पर
□□□□ □□□□□ □ो □□□□□□ □□□□
□□ □□□ □□□□□
भरी आकांक्षाओं से ,
□□ □□□, गजन से सजग सुप्त अंकुर
उर म पृथ्वी के, □□□ओं □□□□□□□□ □ो, □□□□ □□ □□□,
□□□ □□□□, □ □□□□ □□□□□□□ □
ि□□-ि□□
□□□ □□□ □□□
□□□ □□□□□□□□,
हृ□□ □□□ □□□ □□□□ ,
□□ □□ □□□ □ज्र हुं□□□ □
□□□□ □□□ □□□□□□□ □न्न□ □□ □□ □□□,
क्ष□-□□क्ष□ □□ □□□□ □□□□,
□□□-स्पर्शा स्पधाधीर ।

प्र. □□□□□ □ □□□□ ि□□□□ प्र□□□ □□? □□ क्□ों ?

उत्तर : बादल क्रांति का प्रतीक है । इन दोनों के आगमन के उपरांत विश्व हरा-□□□, □□द्ध □□ स्□स्□ □□ □□□□ □□

प्र. सुख को अस्थिर क्यों कहा गया है ?

□त्त□ : □□ □□□□ □□□ □□ों □□□, □□□ □□□□□स्□□ □□□ □□□□ □□

प्र. विप्लवी बादल को युद्ध रूपी नौका को क्या क्या विशेषताएँ ह ?

उत्तर : बादलों के अंदर आम आदमी को इच्छाएँ भरी हुई ह जिस प्रकार युद्ध को नौका म हथियार भरे होते ह । युद्ध को तरह बादलों के आगमन पर रण भेरी बजती है । सामान्यजनों को आशाओं के अंकुर एक सा□ □□ □□□□□ □

अन्य प्र. बादल के बरसने का गरीब एवं अमीर पर क्या असर पडता है ?

उत्तर : बादल के बरसने से गरीब वग आशा से भर जाता है एवं धनी वग अपने विनाश को आशंका से भयभीत हो □□□□ □□

सौंदय बोध संबंधी प्रश्न:

□□□□ □□□□□□□□□□□□,
□स्□ □□□□ ,
□□□-□□□,
□□□-□□□,
□□□ □□□□□□,
□□□□□□

विप्लव रव से छोटे ही ह शोभा पाते ॥

1. निम्नलिखित प्रतीकों को स्पष्ट कीजिए : छोटे पौधे, □म □□□ □

   □त्त□ : □□□□□□□= □□□□□ □□ , □म □□□ = □ □□□□

2. '□□□□ □□□□□□□□का प्रतीकाथ स्पष्ट कीजिए ।

   □त्त□ : प्रसन्नचित निधन वग जो क्रांति को संभावना मात्र से खिल उठता है ।

   अन्य प्र.'□□□□□ □ □□□□ □□□□म निहित लाक्षणिकता क्या है ?

   उत्तर : निधन मनुष्य निश्चिंत होता है। उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं होता| निधन मनुष्य उस बच्चे के समान है □□ क्र□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□

स□□ 1.

1.प्र. □□□ ि□□□□ ि□□ रू□ □ □□□ह□ □□□□ □□?

□. □□□□ □□ क्र□□-दूत के रूप म।

2.प्र. □□□□ ि□□□□ प्र□□□ □□?

□. क्र□□ □□□

3.प्र. बादलों के आगमन से प्रकृति म होने वाले किन-ि□□ □ि□□□□ों □□ □□□□□ □□ि□□ □□□□ □□?

उ. नए पल्लव फूटने लगते ह। हरियाली छा जाती है।

स□□ 2

प्र. पृथ्वी म सोये हुए अंकुर क्या सुन कर जागते ह और किसके समान जागते ह ?

उ. बादल को गजना सुन कर, □□□ □ो □□□ □

2.प्र. □□□□□□ ि□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□

□. □□ो□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□

स□□ 3

प्र. '□□□□ □□ □□ □□□ □ो □□□□' □क्ति □ □□ □ो □□□□ ि□□□□□□ □□?

□. □□ □ो □□□□ □□□□, अत्याचार अन्याय को कहा गया है।

2.प्र. '□□□□ □□ □□□□□□□ □ □□□□ □□□□—□क्ति □ □□□ि□□□□□□ □□□ □□?

उ. शोषित व निधन लोगों को।

3.प्र. कविता म रूपक अलंकार का प्रयोग कहां कहां हुआ है, □□□□□ □□क□□□ □□ि□□□

□. □□□□=क्र□□□□, कोचड= अत्याचार, □□=क्र□□ □रूप □ □□□□□ □□

8. लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप (तुलसीदास)

अथग्रहण संबंधी प्रश्न :-

□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □
□□ □□□□ □□ □□□ □□ो □□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □
□□हु □ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □
मम हित लागि तजेहु पितु माता । सहेहु विपिन हिम आतप बाता ।
□□रु □□□ □□□□ □□ □□□ □ □ि ि□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □

1. प्र. '□□□□□□ □□□□ □□□□□□' – का तात्पय क्या है ?

   उत्तर :भाई के शोक म विगलित राम का विलाप धीरे धीरे प्रलाप म बदल जाता है । जिससे लक्ष्मण के प्रति राम के अंतर म छिपे प्रेम के कई कोण सहसा अनावृत हो जाते ह । यह प्र□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□ो □□ □□□□□ प्रस□□ करता है । वे मनुष्य को भांति विचलित होकर ऐसे वचन कहते ह जो मानवीय प्रकृति को ही शोभा देते ह ।

2. प्र. □□□ □□□क्ष□□ □□ि□□ □□ों □□ □□□ ि□□□ □□?
उत्तर : * लक्ष्मण राम से बहुत स्नेह करता है ।
) □न्□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□-□□□□ □□ □□ त्□□□ □□ ि□□□ ।
) वे वन म वषा, □□□, धूप आदि कष्टों का सहन कर रहे ह ।
) □□□□ स्□□□□ □हु□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□ों □□ □□□□
पाठ के आधार पर अन्य प्रश्न

3. प्र. राम के अनुसार कौन सी वस्तुओं को हानि कोई हानि नहों होती □□□ □□?
उत्त□ : □□□ □□□□□□□□ □□, □त्र, □□□, घर और परिवार को हानि कोई हानि नहों होती इन्हे खो देने पर पुनः प्राप्त ि□□□ □□ □□□□ ।

4. प्र. □□ □□□□□□ □क्षि □□ □□ □□□□□□ □□□□ □ो क्□□ □□□ □□□□ □□? □□व्य प्र□□ □ □□□□ □ल□□ क्□ों ि□□□ □□□ □□?
उत्तर : राम विलाप करते हुए अपनी भावी स्थिति का वणन कर रहे ह कि जैसे पंख के बिना पक्षी और सूंड के बिना □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□, उनका अस्तित्व नगण्य हो जाता है वैसा ही असहनीय कष्ट राम को लक्ष्मण के न होने से □□□□ ।

स्तर 1

प्र. □□□□□□□□ □ □□□□ □□□ □□□न सामाजिक बुराइयों का जिक्र किया है, उनका वणन कर।
□. □□□□ □ □□-□□□, न्□□□-अन्याय के काय हो रहे है। पेट भरने के लिए बेटा बेटी तक को बेच रहे ह।
प्र. भाई के वियोग म राम को जो दशा हुई, उसे स्पष्ट कर।
□. □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□क्षि, □□□□ □□□ □□□□□ ,□□□□ □□ □□□□□□ □ो □□□ □□□□□ □□□□□□

स्□□:-2

1.प्र. □□□ग्रस्□ □□□□□ □ □□□□□ □□□□□□□□ □□ त्रु□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□?
□. □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□,□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□,□□□□ □□□□□ □□ □□□स्□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□क्ष□ □□□□
2.प्र. □□□□ □□□□□□□,□□□□ □□ □□□□□, लेबौ को एकू न दौको न कऊ..पंक्ति म किस लोकोक्ति का प्रयोग किया गया है?
□. '□□□ □□ □ □□□ □□', कवि को निडरता व निर्भोकता के साथ साथ राम के प्रति अपार श्रद्धा का परिचायक है।

स्□□:-3

1 □□व्य सौंदय स्पष्ट कर:-
(□) □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□□□□□ □ि□□□ □□ □□□□ ।
(□) □□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□□ □ों □□ □□ □□□□□□□□□□
□.*□□□□ त्□□ प्र□□□ □□□□ □□ *□□□□□ □□ □□*□□प्रा□ ,□□ □त्रि, □□□□□□ □□□□□(□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□) □□*
2. □ि□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□
□ि□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□----- काव्य सौंदय स्पष्ट कर।
□. □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□
3. □□□□□ □ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ प्र□□□ □ो □□?
□. □□□□□त्□□ □□□, □□□□ □□□□ ।

9. रूबाइयाँ (फिराक गोरखपुरी)

दीवाली को शाम घर पुते और सजे
चीनी के खिलौने जगमगाते लावे

वो रूपवती मु खड़े पे इक नम दमक

बच्चे के घरौंदे म जलाती है दिए।
रक्षा बंधन को सुबह रस को पुतली
छाई है घटा गगन को हलको-हलको
बिजली को तरह चमक रहे ह लच्छे
भाई के ह बाँधती चमकती राखी।

प्र. [illegible]?

[illegible]

प्र. [illegible]?

[illegible] [illegible]-छोटे घरौंदों म।

प्र. [illegible]? उसे यह संज्ञा क्यों दी गई ?

[illegible]|भाई से अत्यधिक प्रेम के कारण उसे [illegible]|रक्षा बन्धन को सुबह का सरस वातावरण है।

पाठ को विषयवस्तु के आधार पर

स्तर1-:

प्र..[illegible]? [illegible]?

उ. आंगन म मां खड़ी है। वह अपने हाथों म अपने चांद के टुकड़े अथात अपने बच्चे को लिए हुए है।

2.प्र. [illegible] ?

[illegible]

स[illegible]:- 2

1.प्र. शायर राखी के लच्छे को बिजली को तरह चमकता कह कर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है?

[illegible]

2.प्र. खुद का परदा खोलने से क्या आशय है ?

[illegible], [illegible]

स[illegible]:- 3

1.प्र. कवि किस्मत पर रोने को बात क्यों कहता है?

[illegible]

"[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]"

2. उपरोक्त पंक्तियाँ म किस रस को अभिव्यक्ति हुई है ?

[illegible]

3. [illegible]?

[illegible]-हिन्दी भाषा का मिश्रित रूप है| जब घुटनियाँ म ले के है पिन्हाती कपड़े म लोकभाषा का प्रयोग है|

4. [illegible]क्तियों को रचना किस छंद म है?

[illegible]

5. [illegible]?

□. स्वभावोक्ति अलंकार है|

6. □क्तिों □ □□□-छलके शब्दों म कौन सा अलंकार है?

□. □□रूक्ति प्र□□□ □□□□□□ □|

10. छोटा मेरा खेत व बगुलों के पंख (उमा शंकर जोशी)

अथग्रहण संबंधी प्रश्न :-

□□□□ □□□ □□ □□□□□□,
□□□□ □□ □□ □न्न□,
□□□ □□□ □□ों □□□ □□
क्ष□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □
कल्पना के रसायनों को पी
□□□ □□ □□□ □□□□□, □ब□ □□□□□ □□□,
□ल□□-□षों □□□□□□ हु□ □□□□□ □

1. □□□□ □□□ □□ ि□□□□ प्र□□□ □□?

   □त्त□ : □□□□ □□□न्ने□□, □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□

2. □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□?

   □□□: □□□ □□□ □ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□

स□□:-1

1. □□□ □□□ □□□□-□□ □□□ □□□□ □□?

□. □□□ □□□□□□□□ □ □□□ रू□□ □□□ □□□□ □□

2. □□□ □□□ □□ रू□ □□□ □□□ □□?

उ. कवि के भाव ने शब्दों का रूप लेकर एक संपूण कृति का रूप लिया था ।

स□□:-2

1.प्र.कवि ने कविकम को तुलना किससे को है?

□. □□□ □□□□□ □□ □ों □□□□ □□□ □□ों □□□□□ □□ □□□□□त□□ क्ष□ □□ □ल□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □|

2.प्र. □□□ □□ □□ □□□□ □□? □□□

□. □□□□□ क्ष□ □□ □□ □□□□ □म□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □|

3.प्र. □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□?

उ.कजरारे बादल और तैरती हुई शाम को सतेज सफ़ेद बगुलों को काया अपने सौंदय म बाँध रही है।

स□□:-3

1.प्र.□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □न्न□ □□□□□ क□□ □□ □□□□□ □□?

उ. जिस प्रकार कागज का पन्ना चौकोर होता है उसी प्रकार छोटा खेत भी चौकोर होता है। जिस प्रकार खेत म बीज बोया जाता है ठीक उसी प्रकार कागज के पन्ने पर भावों के शब्द कवि को □ल□□□ के सहारे कविता रूप म अभिव्यक्त □□ □□□□□

2.प्र. □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□ □□□ क□□ □□?

□. □□□ □□□□□त□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□व्यक्ति प्र□□□ □□□□ □□

(गद्य-आरोह भाग-2) भक्तिन
लेखिका : महादेवी वमा

प्रश्न -1भक्तिन अपना वास्तविक नाम क्यों छुपाती थी ? इसका वास्तविक अथ बताएँ ।

उत्तर- □क्ति□ □□ □□स□□□□ □□□ □क्ष□□ □□, हिन्दुओं के अनुसार लक्ष्मी धन को देवी है। लक्ष्मी जगत-□□□□ □□□□□ □□ष□□ □ो □र्ता □,धन को देवी है। अब भक्तिन को अपने नाम के अथ और यथाथ म विरोधाभास लगता है, □□□□ □क्ति□, स□□□□ □क्ष□ □□ों □□□□□□□ □□□□□ □□, □□□□□□□ □□□□ □□स□□□□ □□□ □□□□□ □□□

प्रश्न -2लेखिका ने लक्ष्मी का नाम भक्तिन क्यों रखा?

उत्तर- लेखिका ने लक्ष्मी को निम्नांकित विशेषताओं के आधार पर उसे भक्तिन नाम दिया -

1- □□□□ □□□ □□□□ 2. □□□ हु□ □□ 3. □□□□□□□ □□□□□

प्रश्न -3भक्तिन के जीवन को कितने परिच्छेदों म विभाजित किया गया है?

उत्तर- □क्ति□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ों □ □□□□ □□□ □- पहला परिच्छेद: भक्तिन का बचपन, □□□□ □□□□□□ □□□□, □□□□□ □□□□□□ □□□□, चौथा महादेवी वमा को सेविका ।

प्रश्न 4. भक्तिन का बचपन कैसा था ?

उत्तर- बचपन म ही मां को मृत्यु होने से भक्तिन का बचपन दुखमय रहा, सौतेली मां ने पांच वष को आयु म ही उसका विवाह कर दिया गया और नौ वष को उम्र म भक्तिन का गौना कर उसे ससुराल भेज दिया।

प्रश्न 5- भक्तिन (लक्ष्मी) को विमाता ने उसे पिता को बीमारी का संदेश क्यों नहीं भेजा?

□त्त□- भक्तिन के पिता उस पर अगाध स्नेह रखते थे। पिता को संपत्ति म से लक्ष्मी अपना हिस्सा न मांगे इसलिये विमाता ने □□□□□□□ □ो □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□,□□ □□ □□ □□□ □□□

प्रश्न 6- भक्तिन के जीवन का दूसरा परिच्छेद कैसा रहा?

□त्त□- भक्तिन के जीवन के दूसरे परिच्छेद म सुख कम और दुख अधिक रहा। भक्तिन का पति, □□□□स□□□, □□, □श्व□□ स□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □प्र□□□□□ □□, वह अपनी पत्नी को बहुत चाहता था परंतु तीन-□□□ □□□ों □□ □न□ □□□□□□□□□ □क्ति□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□ों □ो □□□ □□क्ष□ □□□□ □□□□

प्रश्न 7- भक्तिन और उसको बेटियों के साथ क्या भेदभाव होता था?

□त्त□- भक्तिन को घर भर के सारे काम करने पड़ते थे जबकि सास और जि□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □ों| भक्तिन को बेटियां दिनभर गोबर पाथती थीं| जिठानियों के काले-□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □क्ति□ □□ उसको बेटियों को काले गुड़ को डली के साथ चना बाजरा दिया जाता था।

प्रश्न 8- □क्ति□ □□ □□□ग □□ □□ □□□ □□□ □□, □□□□□ □□□□□ क□ों □□□ □□?

□त्त□- □□□□ □ □□ □□□□ो □त्त□□

1- □□□□□□ □ो □□क्ष□ □

2- □क्ति□(□क्ष□□) □□ □□□□□□□□ □

3- □□□□ □□ □□□□ □

4- □□□-तीन बेटियों को जन्म देने के कारण सास और जिठानियों के द्वारा भक्तिन को उपेक्षा ।

5- पति को असमय मृत्यु □

6- □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □द्वा□□ □□□म□□□□□□□□ □□□ □□□क्ति□ □ो □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □

7- □□□□ □ □□□ □□□□□□ □□ों□□ द्वा□ □क्ति□ □□ □□□□□□

प्रश्न 9- भक्तिन ने महादेवी वमा के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

[illegible]- [illegible] [illegible]ओं [illegible] [illegible]
असुविधाओं को सहने लगीं। भक्तिन ने उन्हे देहाती भोजन खिलाकर उनका स्वाद बदल दिया। भक्तिन मात्र एक सेविका न होकर महादेवी की अभिभावक और आत्मीय संगिनी बन गयी।

प्रश्न 10- भक्तिन के चरित्र की [illegible]ओं [illegible]

[illegible]- महादेवी वमा की सेविका भक्तिन के व्यक्तित्व की विशेषताएं निम्नांकित ह-

1- समर्पित सेविका 2- [illegible]

3- [illegible] 4- [illegible] 5- [illegible]

प्रश्न 11- भक्तिन के दुगुणों का उल्लेख कर।

[illegible] :-

1- वह घर म पड़े रुपए-पैसे को भंडार घर की मटकी म छुपा देती है और अपने इस काय को चोरी नहीं मानती।

2- महादेवी के क्रोध से बचने के लिये भक्तिन बात को इधर-उधर करके बताने को झूठ नहीं मानती। अपनी बात को सही सिद्ध [illegible]

3- वह दूसरों को अपनी इच्छानुसार बदल देना चाहती है पर स्वयं बिलकुल नही बदलती।

प्रश्न 12 [illegible]-प्रयोगों का अथ स्पष्ट कीजिए-

[illegible]-([illegible]) पहली कन्या के दो और संस्करण कर डाले- भक्तिन ने अपनी पहली कन्या के बाद दो और कन्याएं पैदा कर दी।

([illegible]) [illegible]सिक्कों की टकसाल जैसी पत्नी- आज भी अशिक्षित ग्रामीण समाज म बेटियों को खोटा सिक्का कहा जाता है। भक्तिन ने [illegible]

प्रश्न 13-भक्तिन पाठ म लेखिका ने समाज की किन समस्याओं का उल्ले[illegible]?

[illegible]- भक्तिन पाठ के माध्यम से लेखिका ने भारतीय ग्रामीण समाज की अनेक समस्याओं का उल्लेख किया है-

1- [illegible]लड़कियों म किया जाने वाला भेदभाव-
2- विधवाओं की समस्या
3. [illegible]
4. [illegible]

गद्यांश आधारित अथग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर

[illegible]

[illegible]

प्रश्न-1[illegible]?

[illegible] -[illegible]

प्रश्न-2 [illegible]?

[illegible] -[illegible]

प्रश्न-3 छात्राओं [illegible]?

उत्तर -[illegible]

प्रश्न-4 [illegible]?

उत्तर -[illegible]

2. बाजार दशन (जैनेंद्र कुमार)

प्रश्न: पर्चजिंग पावर किसे कहा गया है, बाजार पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर- पर्चजिंग पावर का अथ है खरीदने को शक्ति। पर्चजिंग पावर के घमंड म व्यक्ति दिखावे के लिए आवश्यकता से अधिक [illegible] व्यंग-[illegible]

प्रश्न2- [illegible], इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर- [illegible]

प्रश्न3- [illegible]

[illegible], [illegible], [illegible]

उत्तर- [illegible]- मन म कोई निश्चित वस्तु खरीदने का लक्ष्य न होना। निरुद्देश्य बाजार जाना और व्यथ को चीजों को [illegible]

[illegible]- [illegible]

[illegible]-मन म किसी भी प्रकार को इच्छा को ना आने देना, [illegible]

प्रश्न4- '[illegible] बटोर रखने को स्पृहा है, [illegible]' यहां किस बल को चचा को गयी है?

उत्तर- लेखक ने संतोषी स्वभाव के व्यक्ति के आत्मबल को चचा को है। दूसरे शब्दों म यदि मन म संतोष हो तो व्यक्ति दिखावे और ईष्या से दूर रहता है उसम संचय करने को प्रवृत्ति नहीं होती।

प्रश्न5- [illegible], [illegible]?

उत्तर- [illegible], खरीददार और दुकानदार एक दूसरे को ठगने को घात म लगे रह , [illegible] हानि म दूसरे को अपना लाभ दिखाई दे तो बाजार का अथशास्त्र, [illegible]

प्रश्न 6-भगतजी बाजार और समाज को किस प्रकार साथकता प्रदान कर रहे ह?

उत्तर- भगतजी के मन म सांसारिक आकषणों के लिए कोई तृष्णा नहीं है। वे संचय, [illegible] और व्यापार उनके लिए आवश्यकताओं को पूर्ति का साधन मात्र है। भगतजी [illegible], [illegible] श्रेष्ठ उपभोक्ता और विक्रेता बनाते ह।

निम्नांकित बिंदु उनके व्यक्तित्व के सशक्त पहलू को उजागर करते ह।

1-[illegible]

2-[illegible]

3-छः [illegible]

4-बचे हुए चूरन को बच्चों को मुफ़्त बांट देना।

5- [illegible]

6-[illegible]

7- [illegible]

प्रश्न 7-[illegible]?

[illegible]- [illegible]ओं [illegible] पूर्ति करने म ही बाजार को साथकता है। जो ग्राहक अपनी आवश्यकताओं को चीज खरीदते ह वे बाजार को साथकता प्रदान करते ह। जो विक्रेता, ग्रा[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible]ग्रा[illegible] [illegible] प्र[illegible] [illegible]

गद्यांश आधारित अथ ग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर

[illegible] रूप [illegible], [illegible], [illegible] हूँ [illegible] क्त [illegible] हु [illegible] किसको [illegible] रूप [illegible] [illegible]-[illegible] हु[illegible], [illegible] रूप [illegible] क्या [illegible]?

[illegible], [illegible] व्यथ [illegible], [illegible] क्योंकि [illegible] [illegible]

प्रश्न-1 बाजार के जादू को लेखक ने कैसे स्पष्ट किया है?

[illegible] -[illegible] रूप [illegible] हु [illegible]

प्रश्न-2 जेब भरी हो और मन खाली तो हमारी क्या दशा होतीहै?

[illegible] -[illegible], [illegible] हुं [illegible]

प्रश्न-3 फसी चीजों को बहुतायत का क्या परिणाम होता है?

[illegible] -[illegible] रूप [illegible]

प्रश्न-4 जादू को जकड़ से बचने का क्या उपाय है?

[illegible] -[illegible], [illegible]

13. काले मेघा पानी दे (धमवीर भारती)

प्रश्न 1- [illegible]-[illegible] क्यों [illegible]?

[illegible]- गांव के लोग बारिश के लिए भगवान इंद्र से प्राथना किया करते थे। जब पूजा-[illegible], [illegible] प्रसन्न [illegible], [illegible]-[illegible]

प्रश्न 2-[illegible] क्या [illegible]?

उत्तर- [illegible] उसका मानना है कि यदि इंदरसेना [illegible] तो स्वयं अपने लिए पानी क्यों नहीं मांग लेती? [illegible] फ़ेंकते हैं। लेखक इसे पानी की निर्मम बरबादी मानता है।

प्रश्न 3-[illegible] प्र[illegible]?

उत्तर- [illegible] लेखक को निम्नलिखित तर्क देकर समझाया-

1- त्याग का महत्त्व- [illegible]

2- दान की महत्ता- [illegible]

3- इंद्रदेव को जल का अर्घ्य [illegible]

4- [illegible]- जिस प्रकार किसान फ़सल उगाने के लिए जमीन पर बीज डालकर बुवाई करता है वैसे ही पानी वाले बादलों की फ़सल पाने के लिए पहले पानी की बुवाई की जाती है।

प्रश्न4- इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती थी ?

[illegible], सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्त्व है ?

उत्तर- [illegible] स्वर्ग की सीढ़ी है, [illegible] पवित्र है। उसमें पानी नहीं अपितु जल बहता है, जो अमृत तुल्य है। ऐसे परिवेश में उत्पन्न [illegible]

भारतीय सामाजिक परिवेश में नदियों का महत्वपूर्ण स्थान है। नदियों की महत्ता निम्न बातों से प्रकट होती है-

1.[illegible]

2. [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]

3. [illegible] नदियों के तट पर स्थित हैं [illegible], [illegible], प्र[illegible], [illegible], उज्जैन, [illegible], [illegible], [illegible]

4- [illegible]

प्रश्न4- लेखक क्यों दुखी है, उसके मन में कौन से प्रश्न उठ रहे हैं?

उत्तर- आजादी के कई वर्ष बाद भी भारतीयों की सोच में सकारात्मक बदलाव न देखकर लेखक दुखी है। उसके मन में कई प्रश्न [illegible]-

1- क्या हम सच्चे अर्थों में स्वतन्त्र हैं?

2- क्या हम अपने देश की संस्कृति और सभ्यता को समझ पाए हैं?

3- राष्ट्र निर्माण में हम पीछे क्यों हैं, हम देश के लिए क्या कर रहे हैं?

4- हम स्वार्थ और भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हैं, त्याग में क्यों नहीं?

5- सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं गरीबों तक क्यों नहीं पहुंचती है?

14. पहलवान की ढोलक (फणीश्वरनाथ रेणु)

प्रश्न1- [illegible] रात्रि की विभीषिका का वर्णन कीजिए।

उत्तर- [illegible], जिसे सियारों और उल्लुओं की आवाज और भी भयानक बना देती थी। बीमार लोगों के कराहने, [illegible] बच्चों के कमजोर कंठ से निकली मां मां की करुण पुकार भी रात्रि की विभीषिका को कम नहीं करती थी।

प्रश्न2- [illegible]?

उत्तर- ढोलक की आवाज से रात की विभीषिका और सन्नाटा कम होता था महामारी से पीड़ित लोगों की नसों म बिजली सी [illegible], उनकी आंखों के सामने दंगल का दृश्य साकार हो जाता था और वे अपनी पीड़ा भूल, खुशी-[illegible] [illegible] प्र[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

प्रश्न 3- लुट्टन ने अपना गुरु [illegible] क्यों?

उत्तर-लुट्टन ने कुश्ती के दांव-[illegible], बल्कि ढोल की आवाज से सीखे थे। ढोल से निकली हुई ध्वनियां उसे दांव-पेच सिखाती हुई और आदेश देती हुई प्रतीत होती थी। जब ढोल पर थाप पड़ती थी तो पहलवान की नस उत्तेजित हो जाती [illegible]

प्रश्न4- लुट्टन सिंह राज पहलवान कैसे बना?

उत्तर- श्यामनगर के राजा कुश्ती के शौकीन थे। उन्होंने दंगल का आयोजन किया । पहलवान लुट्टन सिंह भी दंगल देखने पहुंचा। चांदसिंह नामक पहलवान जो शेर के बच्चे के नाम से प्रसिद्ध था, [illegible] उससे भिड़ने की हिम्मत नहीं करता था। चांदसिंह अखाड़े म अकेला गरज रहा था। लुट्टन सिंह ने चांद सिंह को चुनौती दे दी और चांदसिंह से भिड़ गया। ढोल की [illegible]-नस म जोश भर गया। उसने चांद सिंह को चारों खाने चित कर दिया। राजासाहब ने लुट्टन को [illegible]

प्रश्न 5- [illegible] क्यों [illegible]?

उत्तर- राजा की मृत्यु के बाद उसके बेटे ने गद्दी संभाली। उसे घोड़ों की रेस का शौक था । मैनेजर ने नये राजा को भड़काया, [illegible]-[illegible] फ़िजूलखर्च बताया। फ़लस्वरूप नए राजा ने कुश्ती को बंद करवा दिया और पहलवान लुट्टन सिंह को उसके दोनों बेटों के साथ महल से निकाल दिया।

प्रश्न 6- किन घटनाओं से पहलवान लुट्टन के संघषशील व्यक्तित्व और हिम्मती होने का परिचय मिलता है?

उत्तर- [illegible] हिम्मती था। अपने दुखों की परवाह न करते हुए दूसरों को हिम्मत बंधाना बहुत हिम्मत का काम है। उसने निम्नांकित अवसरों पर अपनी दिलेरी और हिम्मत का परिचय दिया-

1- [illegible]

2- अपने बेटों की मृत्यु पर उनका अंतिम संस्कार करते समय।

[illegible]

<u>गद्यांश आधारित अथग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर</u>

[illegible]-[illegible] प्र[illegible] [illegible] ज्ञान [illegible] -'[illegible], [illegible], [illegible] [illegible] प्र[illegible], [illegible] व्य[illegible], [illegible]

[illegible]-[illegible] स्वग [illegible], [illegible] परिवतनों [illegible]

[illegible]-व्य[illegible] "[illegible]' [illegible] -"[illegible]! [illegible], [illegible]

प्रश्न-1 लुट्टन सिंह को अपने बेटों के भविष्य को कोई चिंता न थी। क्यों?

उत्त- [illegible]-[illegible]-[illegible], [illegible] लुट्टन सिंह [illegible]

प्रश्न-2 लुट्टन सिंह अपने पुत्रों को ढोल के विषय म क्या बताता था?

उत्तर -लुट्टन सिंह [illegible]त्रों [illegible] धैर्य [illegible], [illegible] गुरू [illegible], [illegible] प्रयोग [illegible]

प्रश्न-3 लुट्टन के किए कराए पर पानी क्यों फिर गया?

उत्तर‘- [illegible] द्वारा [illegible] लुट्टन [illegible]

प्रश्न-4 राजकुमार के आने पर क्या परिवतन हुए?

उत्तर -[illegible] हुए [illegible]ओं [illegible] हुआ [illegible] लुट्टन [illegible]

अन्य उपयोगी प्रश्न :-

1. लुट्टन [illegible] प्रेरणा [illegible] ?
2. रात के भयानक सन्नाटे म लुट्टन को ढोलक क्या करिश्मा करती थी ?
3. लुट्टन ने सवाधिक हिम्मत कब दिखाई ?
4. लुट्टन सिंह [illegible]
5. [illegible] क्या [illegible] ?

अन्य अभ्यास प्रश्न :-

1. [illegible] लुट्टन [illegible] पच म क्या तालमेल [illegible] ? पाठ म आए ध्वन्यात्मक शब्दों को सुन [illegible] प्रयोग [illegible] ?
2. गांव म महामारी फैलने और बेटों को मौत के बाद भी लुट्टन ढोल क्यों बजाता था ?
3. [illegible] क्या [illegible]?
4. [illegible] म सूर्योदय और सूयास्त के [illegible] का वणन करिए|
5. रात्रि म पहलवान को ढोलक किसे ललकारती थी ?
6. लुट्टन ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरू कोई और नहीं ये ढोलक ही है ।

15. चार्ली चैप्लिन यानी हम सब (विष्णु खरे)

प्रश्न -1चार्ली को फ़िल्मों को क्या विशेषताएं है?

उत्तर- 1. [illegible]

2- चार्ली ने फ़िल्मों को लोकतांत्रिक बनाया और फ़िल्मों म वग तथा वण-व्य[illegible]|

3- चार्ली को फ़िल्मों म भाषा का प्रयोग बहुत कम है। उनम बुद्धि को अपेक्षा भावना का महत्त्व [illegible]

4-[illegible]

5-उसको फ़िल्मों म सावभौमिकता है।

6-[illegible]

7-चार्ली को फ़िल्मों म हास्य और करुणा का अद्भुत सामंजस्य है।

प्रश्न 2 -भारतीय हास्य परंपरा और चार्ली के हास्य म क्या अंतर है?

□त्त□- □□□□□□ □□स□ □□□□□□ □ □रु□□ □□ □□स□ □□ □□□ □□ों f□□□□□ □□□□□ □□□□ □ स□□□□□ □□□□□ों □□□□□ □□ों है। भारतीय सौंदयशास्त्र म करुण रस और हास्य रस को परस्पर विरोधी माना गया है अथात जहां करुणा है,वहां हास्य नहीं हो सकता। परंतु चार्ली के पात्र अपने पर हंसते-□□□□□□□ □□□□ी □ी फ़िल्मों के दृश्य, □□□□-□□□□रु□□ □□□□ □□ कभी करुण दृश्य के बाद अचानक ही हंसने पर मजबूर कर देते ह।

प्रश्न 3-चार्ली को बचपन म किन संघर्षों का सामना करना पड़ा?

□त्त□-चार्ली चैप्लिन का बचपन घोर कष्टों और संघर्षों म बीता। चैप्लिन को मां साधारण दज □ी □□□□त्री □□, □□□□ उसके पति ने छोड़ दिया था और वह गरीबी को हालत म पागल हो गयी थी। भयंकर गरीबी, □□□□□ □□□□□□, □□ □□ पिता का साया न होने के कारण चार्ली को सामन्तों और पूंजीपतियों को घोर उपेक्षा सहनी पड़ी।

प्रश्न 4- चार्ली अपने पात्रों के माध्यम से क्या □□□□ □□□□□□?

□त्त□- चार्ली के चरित्रों के साथ प्रायः ऐसी घटनाएं घटित होती कि वे सफ़लता को ऊंचाइयों तक पहुंचकर अचानक □□□□ □□ □□□□□ □□□-कभी कुछ न करते हुए भी यूं ही जीत जाते ह। अपनी हास्य फ़िल्मों म अपने पात्रों के माध्यम से □□□□ी □□□□ □□□□□□ कि बड़प्पन, □□□□□□, □□□□, शासनाधिकार आदि सब क्षणिक और दिखावे ह। इन सब बनावटी रूपों □ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□, वास्तव म बहुत तुच्छ और साधारण ह। उसे अपने मूल स्वरूप को कभी नहीं □□□□□ □□□□□□

प्रश्न 5- चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा गया है और क्यों?

□त्त□- □□□□□□द्व□□□ □□□□ □□□ '□□□□□' □□ 'श्र□ 420' फिल्मों को चार्ली का भारतीयकरण कहा गया । राजकपूर ने ऐसी फ़िल्मों के नायकों को स्वयं पर हँसाया । उसके बाद भारतीय फ़िल्मों म स्वयं पर हँसने को परंपरा चल निकली। f□□□□ □□□□, □म□ □□□, □□□□□□ □च्च□, □□□□ □□□□ □□ श्र□□□ □□□□ी □□ □□□□□ □□ स□□□□□ □□□□ों □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□त□ □□□□ □□ □□□□ी □ी □□□ □□ □ग□ □□

<u>गद्यांश आधारित अथग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर</u>

□□□□ी □ी □□□□□□ फिल्म □□□□ □□ □स□□□□ □□ों □□□□ □□□□□ □न□ ज□□□□ □ज□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□क्षेत्र □□ □□ □□□□□□□□□ हु□ □, □□□□ □□ □□ष्□□ □ी □□□□□□□□□ □□ क्यों □□ों □हुं□ □□□, □□□ी □□□□□ □□□ □□□□□ □,□□□□ी □□ □□□-□□ □□□□ □□ □च्चों □□□ f□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□, □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ f□□□ □□ □स□□□ □□ □□□□□ □□ों □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□ □□□, □□□□□□, □ष्ट, □□□ □□ □□□□, □□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□ □□ □□□□,□□□□ी □□□□□□□□□ों □ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ '□' □□ □□ □□□□ हूं□□□ □ □ज□□□□ □□ □□□□ी □□' □□ '□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □ 'स□□ □ी□' □□□□ी □□ष्□□ □□□□ □□स□ प्र□□□ □□ □□□□ □ी□□ □□स□ □□ □□फ□ □□□□□ □□ष्□ प्रे□□□ □ज□□□□ □□□□□ □□

□□ □□□□ □□ त□□□□□ □□□ □ □□ □□□□□□ □□□□□ □ व्यक्ति □□□□□□□ □□□,स□□□□ □□□□-□□□हास्यास्पद □□□ □□□□□ों □□□□□ □□ों □□□□□□□ □□□□□ों □□ □□□ स□□□ □ □□ □□ □□ □□□□ □□, □□□ भ□□□ □ □□ □□ □□ □□ों □□ष्□ □□ □□□□ □ □□त्त □□ □□□□ □□ 'अंग्रेजों' □□व्यक्तियों □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ी स□□□□ □□□□ज□□□ □□ □□□□ □,□□□ □□ स□□□□ गर्वान्मित्त □त□-□श्व□□ □□□□□, □□□□□, भ□□□, □स□□ □□□ □□□द्धि □ी प्रतिमूर्ति,दूसरों □□ ज□□□□ □क्ति □□□□ □□□ श्रेष्ठ, □□□□□ज्र□□ □□□□□□□□□, □□□□ '□□□□□□□□□' क्ष□ □ f□□□□□□ □,□□□ □□ □□□□□ □ □□ □□□ हु□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□-□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □स□ □□ □□□□□

प्रश्न-1 चार्ली को फिल्मों को भाषा क्या है? इससे क्या लाभ है?

□त्त□'-चार्ली को अधिकांश फिल्म अवाक (मूक) ह। इसी से वह ज्यादा से ज्यादा मानवीय ह। परिणामतः सामान्य मानवीय गुणों को मूल अभिव्यक्ति हर देश के दशकों को समझ म आती है। इसी से चार्ली सावभौमिकता तक पहुंचे ह।

प्रश्न-2 चार्ली के साथ हमारा क्या नाता है?

उत्तर-[illegible] व्यक्ति [illegible]-[illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

प्रश्न-3 भारतीय परंपरा म होली का हास्य से क्या संबंध है?

उत्तर -[illegible] [illegible]

प्रश्न-4 'गुब्बारे सा फुस्स होना' किस अथ को व्यक्त करता है?

उत्तर -[illegible], श्रेष्ठता, [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

16 नमक (रजिया सज्जाद जहीर)

प्रश्न1-[illegible]?

उत्तर- भारत म जन्मे लोग आज अपने को पाकिस्तानी या बांग्लादेशी मानने के लिए बाध्य ह । दिल्ली म जन्मा पाकिस्तानी [illegible], [illegible], ढाका म जन्मा सुनीलदास गुप्त अपने जन्मस्थान को कैसे भूल। इन [illegible] प्र[illegible], अपितु परिस्थितिजन्य है।

[illegible], [illegible], [illegible], [illegible] [illegible] प्र[illegible] जहाँ मुस्लिम महिला सफिया पड़ोसी के यहाँ कोतन म गई है और प्रसाद [illegible]

प्रश्न-2 [illegible] द्वंद्व [illegible]?

[illegible]. [illegible],सिख महिला के लिए पाकिस्तान से नमक ले जाना चाहती थी परंतु कस्टम के नियमों के अनुसार यह वजित था। सफ़िया का द्वंद्व यह था कि वह छिपाकर नमक ले जाए या कस्टम अधिकारियों को बताकर।

.प्रश्न-3 [illegible] [illegible]या के मन म उठे द्वंद्वों के आधार पर उसकी चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- [illegible] प्र[illegible] [illegible], [illegible]

[illegible]ओं [illegible], [illegible]

"[illegible]"

वह बुद्धि से भी चतुर है। उसने नमक ले जाने का निणय लिया और यह भी मान लिया कि कीनुओं म छिपी नमक को [illegible] ले जाने का निणय लेती है। यह उसका बुद्धि कौशल है कि कस्टम अधिकारी से पूछती है कि आप कहाँ के रहने वाले ह ? [illegible] के बैग म रख दी। सफिया म नारी सुलभ झिझक है अतः वह सुनीलदास गुप्त के कमरे म जाते हिचकिचाती है।

17 शिरीष के फूल (आचाय हजारी प्रसाद द्विवेदी)

प्रश्न1-[illegible] व्य[illegible]-[illegible]

[illegible]|

उत्तर-1-सज्जनों को परिभाषा देते हुए कहा जाता है कि वे वज्र से भी कठोर तथा पुष्प से भी कोमल ह। शिरीष के फूल को संस्कृत साहित्य म बहुत कोमल माना गया है। वह इतना कोमल है कि केवल भौंरों के पदों का दबाव ही सह सकता है।

2- [illegible] होती है कि इस पर झूला डाला जा सके। उसके फल इतने कठोर होते है कि नए फल आने [illegible]

3- [illegible] है कि हृदय को कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार को कठो[illegible]

प्रश्न2-[illegible] को सीख दी है। स्पष्ट कर।

[illegible]- [illegible], जब पृथ्वी अग्नि के समान तप रही होती है। शिरीष से सीख लेते हुए लेखक सोचता है कि हमारे देश म जो मार काट, [illegible], [illegible]-[illegible], [illegible]-[illegible] [illegible]

[illegible], [illegible] देश भी रह सकता है। जीने को प्रबल अभिलाषा के कारण विषम परिस्थितयों मे भी यदि शिरीष खिल सकता है तो हमारा देश भी विषम परिस्थितियों म स्थिर रह सकता है।

प्रश्न 3- [illegible]? [illegible]?

[illegible]- [illegible] '[illegible]' के लिए प्रयुक्त हुआ है। उन्होंने अपने आत्मबल से देह बल को पराजित किया। आज आत्मबल पर देह बल का वचस्व दिखाई दे रहा है। आज गाँधीजी के अभाव म, वतमान सभ्यता के सं[illegible]

गद्यांश आधारित अथग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर

[illegible], क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे। कुछ इसी श्रेणी को अनासक्ति आधुनिक हिन्दी कवि सुमित्रानंदन पंत म है । कविवर रवींद्रनाथ म यह अनासक्ति [illegible]- "[illegible], वह यह नहीं कहता कि हमम आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया। असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही [illegible], वह अपने आप म समाप्त नहीं है। वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिए [illegible]

शिरीष तरू सचमुच पक्के अवधूत को भाँति मरे मन म ऐसी तरंग जगा देता है जो ऊपर को ओर उठती रहती ह। इस [illegible]? क्या ये बाह्य परिवतन-[illegible] ? [illegible]? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों हुआ ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इ[illegible] खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। म जब-[illegible]

प्रश्न-1 गद्यांश म वणित कालिदास को कोई दो विशेषताएँ लिखिए ?

[illegible]- 1-कालिदास सौंदय के [illegible]

वे महान थे क्योंकि वे अनासक्त रह सकते थे।

प्रश्न-2 [illegible]?

[illegible]- [illegible], सुमित्रानंदन पंत म और रवींद्रनाथ [illegible]

प्रश्न-3 [illegible] ?

□त्त□- लेखक सोचने लगता है कि इस चिलचिलाती धूप म वह इतना सरस कैसे रह पाता है ? क्□□ □□□□□ □□, □□, □□□□-□□ □ □त□ □□ों □□? □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□

प्रश्न-4 □□□□□ □□□□□□ ि□□□□□□□□ □□□ □,□□□ क्□ों ?

□त्त□- □□□□□ □ो □□□□ □□□□त□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □,क्योंकि वे भी मार-□□□, □ग्न□□□ □□ □□-□च्च□ □□□□□ □□□□ कोमल और कठोर बने रह सके थे। सत्य और अहिंसा के अपने सिद्धांतों के प्रति अडिग थे।

18 श्रम विभाजन और जाति प्रथा (डॉ.भीमराव आम्बेडकर)

प्रश्न1- □□□□ प्र□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□?

□त्त□- 1- मनुष्य के पेशे का पूव निधारण

2- प्र□□□□ ि□□स्□□□□ों □ □□ □□□ □□□□□□ो □□□□□ □ □□□□

3- □□□□□□ □□□□ि□□ □□□□ प्रति व्यक्ति को अरूचि।

□□□□ प्र□□ ि□□□ □□ व्य□क्त □□ □□□ □□□ □□□□□ो □□□□□ □□ों □□□ □,□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□, □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □द्य□□ □□ों □ो प्रक्रि□ □ □□□□□ □ □□□□□ □□□□□ □□ □□□-कभी अकस्मात ऐसे परिवतन होते ह कि व्यक्ति □□□ □□□□□□ □ध्□ □□□□ □□□□ ि□ □□□□ प्र□□ □ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□

□□ □□□□ □□□□-प्र□□ □□□□□ □□ □□□ □ध्□□□ □□ों □□□□□ □□□ व्य□□□□ □□ त□□□ □□ □□ □□ों □ □□ □□□□ □□ लोग पैतृक व्यवसाय से ही जुड़े ह, □□□ □□ स्□च्□□ □□ह अथवा अन्य क्षेत्र को दक्षता के अभाव के कारण काय कर रहे ह।

प्रश्न2- □□□ □□□□ □ो स्□□□□□ □□ □□□□ क्□□ □?

□त्त□- निम्नांकित तीन बिंदुओं के आधार पर आदश समाज को स्थापना को जा सकती है-

1- □□□□

2- स्□□त्र□□

3- □□□□□□□

प्रश्न3-□□□ि□□ □□-□□□□ □□ □माजिक उत्तराधिकार को दृष्टि से मनुष्यों को असमानता संभावित रहने के बावजूद ‘□□□□‘ को एक व्यवहाय सिद्धान्त मानने का आग्रह क्यों ह ?

□त्त□- □□0 अम्बेडकर यह जानते हुए भी कि शारीरिक वंश परंपरा को दृष्टि से मनुष्यों को असमानता का होना संभव है समता के व्यवहाय सिद्धान्त को मानने का आग्रह करते ह।

इसके पीछे लेखक का तक यह है कि समाज को यदि अपने सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करनी है, □□ □□□□ के सभी सदस्यों को आरम्भ से ही समान अवसर एवं समान व्यवहार उपलब्ध कराए जाएँ। राजनीतिज्ञों को भी सब मनुष्यों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता का विकास करने के लिए अवसर देने चाहिए। उनका तक है कि वंश म जन्म लेना या सामाजिक परंपरा व्यक्ति के वश म नहीं है। अतः इस आधार पर निणय लेना उचित नहीं है।

गद्यांश आधारित अथग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर

‘□□□□’ का औचित्य यहों पर समाप्त नहीं होता। इसका और भी आधार उपलब्ध है । एक राजनीतिज्ञ पुरूष का बहुत बड़ी □□□□ख्□ □□□□□ □□□□ □।अपनी जनता से व्यवहार करते समय राजनीतिज्ञ के पास न तो इतना समय होता है, न प्रत्येक □□□□ □ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □,□□□□□□□ □□□ो □□□-□□□ □□श्□□□□ओं □□□ क्ष□□ओं □□□□□□ □□ □□□□ व्य□□□□ □□□-अलग कर सके। वैसे भी आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर भिन्न व्यव□□□ ि□□□□ □□श्□□ □ □□□त□□□ क्□ों □ □□, ‘□□□□□□‘ के दृष्टिकोण से समाज दो वर्गों व श्रेणियों म नहीं बांटा जा सकता । ऐसी स्थिति म राजनीतिज्ञ को अपने व्यवहार म एक व्यवहाय सिद्धांत को आवश्यकता रहती है और यह व्यवहाय सिद्धांत यही होता है कि

□□ □□षों के साथ समान व्यवहार किया जाए। राजनीतिज्ञ यह व्यवहार इसलिए नहीं करता कि सब लोग समान होते ह, □□लि□ □□□□□ □ि □□ोि□□□ □□□श्रे□□□□□ □□□□ □□□□|

□□ प्र□□□ "□□□□" यद्यपि काल्पनिक जगत की वस्तु है, फिर भी राजनीतिज्ञ को सभी परिस्थितियों को दृष्टि म रखते हु□, □□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □,क्योंकि यही व्यावहारिक भी है और यही उसके व्यवहार की एकमात्र कसौटी भी है।

प्रश्न-1 □□□□ □□ □□□□त □□□□□□ □□?

□त्त□- □□□□ □□ □□□□त □हु□ □□□□□ □□□□ □,□□□ □□□□, □□, □प्र□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□त्र □□ प्र□□ □□□□ व्य□□□□ □□

प्रश्न-2 राजनीतिज्ञ पुरूष के संदभ म समता को कैसे स्पष्ट किया गया है ?

□त्त□- □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□, उसको उनके पास पयाप्त जानकारी नहीं होती अतः उसे समता और मानवता के □□□□ □□ व्य□□□□ □□□□ □□□□□□

प्रश्न-3 □□□□□□□ज्ञ □□□न व्यवहार क्यों नहीं करते ?

□त्त□- क्योंकि सब लोगों के समान होते हुए भी उनका समाज म वर्गीकरण और श्रेणीकरण असंभव होता है।

प्र-4 राजनीतिज्ञों के व्यवहार की कसौटी क्या है ?

□त्त□- □□□□□□□ज्ञों □व्य□□□□ □ि □□□□□ □□□□□□□□ । प्रत□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □प्र□□ □□□□ ि□□□ □□□□□ □□ व्यवहार करना चाहिए, तभी सच्चा लोकतंत्र आ पायेगा । समाज विकास करेगा ।

वितान भाग-2

□□□ :- □□□□□ □□□ -2 से दो तरह के प्रश्न पूछे जायगे ।

*प्रश्न 12 पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक प्रश्न 4 □□

*प्रश्न 14 विषयवस्तु पर आधारित तीन म से दो निबंधात्मक प्रश्न 4+4= 08 □□

वितान भाग-2 "सिल्वर वैडिंग"

<u>प्रश्नोत्तर -</u>

प्रश्न 1. अपने घर और विद्यालय के आस-पास हो रहे उन बदलावों के बारे म लिख जो सुविधाजनक और आधुनिक होते हुए भी □□□ों □□ □च□□□ों □□□□□□च□□ □ □□□□□□क□□ □□□□ □□ □□□□ ?

□त्त□ आधुनिक युग परिवतनशील एवं अधिक सुविधाजनक है। आज के युवा,□□□□□□ □□ परिवतनशीलता को महत्त्व देते ह इसीलिए वे नई तकनीक और फैशन की ओर आकर्षित होते ह। वे तत्काल नयी जानकारियाँ चाहते ह, □□□□□□□ □□□□ □□□ □म्□□□, □न्□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ि □□□□ □□ □□□□□□ध□□ □□□□□ □□□ □ ज□□□ □□□□□□□ □□त्र □□ लेते ह। घर से विद्यालय जाने के लिए अब उनके पास बढ़िया साईकिल एवं मोटर साईकिल ह। आज युवा लड़के और लड़कियों के बीच का अन्तराल काफी कम हो गया है। पुराने जमाने म लड़कियाँ-□□□ों □□□□□ □□□□ □□ □□□□□-□□□□ ठीक नहीं माना जाता था, जैसे आज के परिवेश म सामान्□ □□ये सारी बात उन्ह आधुनिक एवं सुविधाजनक लगती ह।

दूसरी ओर इस तरह की आधुनिकता बुज़ुर्गों को रास नहीं आती क्योंकि जब वे युवा थे, उस समय संचार के साधनों की कमी □□□ □□ि□□ि□□ □ष्□□□ □□□□□□ □□□□□स्□□ म अपनी भावनाओं को काबू म रखते थे और अधिक □□म्□□□ □□□□□□□□□□ से बड़ों का आदर करते थे और परंपराओं के अनुसार चलते थे। आधुनिक परिवेश के युवा बड़े-बूढ़ों के साथ बहुत कम समय व्यतीत करते ह इसलिए सोच एवं दृष्टिकोण म अधिक अन्तर आ गया है। इसी अन्तर को '□□□□ □□ □न्□□' □□□□□□ □□□ □□□□ □ि □□□ □□ □□□ □□□ों □□ □च□□ □□ों □□□□□

2. □□□□□ □□□□□ि □त्नी □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □,लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते ह, □□□ क्□ों ?

उत्तरःयशोधर बाबू अपने आदश किशनदा से अधिक प्रभावित ह और आधुनिक परिवेश म बदलते हुए जीवन-□ल्□ों □□ संस्कारों के विरूद्ध ह। जबकि उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ खड़ी दिखाई देती ह। वह अपने बच्चों के आधुनिक दृष्टिकोण से प्रभावित ह। इसलिए यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ परिवर्तित होती है, □ि□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ ि□□□□□ □□ □स्□□□ों □□ □□□□□ओं □□□□□हु□ □□

3. '[illegible]' [illegible] प्र[illegible]

उत्तरः सांस्कृतिक संरक्षण के लिए स्वस्थ परंपराओं को सुरक्षा आवश्यक है, किंतु बदलते समय और परिवेश से सामंजस्य को [illegible], अन्यथा सिल्वर वैडिंग के पात्रों को तरह बिखराव होने लगता है।

4.'[illegible]' कहानी को ध्यान म रखते हुए परंपराओं और सांस्कृतिक संरक्षकों को वतमान म उपादेयता पर अपने विचार प्र[illegible]

[illegible] परंपराओं और संस्कृति से ही किसी देश को पहचान कायम रहती है। सादगी से जीकर गृहस्[illegible] यदि ऐसा न होता तो शायद यशोधर बाबू को संतान पढ़-[illegible]

5."सिल्वर वैडिंग के कथानायक यशोधर बाबू एक आदश व्यक्ति ह और नई पीढ़ी द्वारा उनके विचारों को अपनाना ही उचित [illegible]|" [illegible]क्ष-[illegible]क्ष [illegible]

[illegible]- [illegible] नयी पीढ़ी के युवा उनको सादगी और व्यक्तित्व के कुछेक प्रेरक पहलुओं को लेकर सफल व संस्कारी नागरिक बन सकते ह अन्यथा वे अपनी पहचान खो बैठगे।

[illegible]

6 . [illegible]

[illegible] - [illegible]-पीढ़ी के अन्तराल से पैदा हुई बिखराव को पीड़ा।

7 . [illegible]-सी छवि यशोधर बाबू के मन म बसी हुई थी?

[illegible] 1. उनको दफ्तर म विभिन्न रूपों को छवि,

2. [illegible],

3. [illegible] व्य[illegible] ,

4. परोपकारी व्यक्ति |

8. सिल्वर वैडिंग'कहानी का प्रमुख पात्र बार-बार किशनदा को क्यों याद करता है? इसे आप क्या मानते ह उसको सामथ्य या [illegible]? [illegible] ?

[illegible] सामथ्य मानते ह, [illegible] प्रे[illegible] प्रे[illegible]-स्रोत तो सदा शक्ति एवं सामथ्य का सजक होता है।

9 . [illegible] '[illegible]' वाक्य को कितनी अथ छवियाँ आप खोज सकते ह?

उत्तरः यशोधर बाबू यही विचार करते ह कि जिनके बाल-[illegible] व्य[illegible] [illegible]-से हो जाते ह और उनको मृत्यु हो जाती है| जिस प्रकार यशोधर बाबू अपने आपको परिवार से कटा और अकेला [illegible] | [illegible] बाबू यही सोचते रह गए कि किशनदा को मृत्यु कैसे हुई? जिसका उत्तर किसी के पास नहों था।

10 .[illegible],[illegible]रूप से जुड़े आपके अनुभव इस कहानी से कहाँ तक सामंजस्य बिठा पाते ह ?

उत्तरः यशोधर बाबू और उनके बच्चों को सोच म पीढ़ीजन्य अंतराल आ गया है। यशोधर संस्कारों से जुड़ना चाहते ह और संयुक्त परिवार को संवेदनाओं को अनुभव करते ह जबकि उनके बच्चे अपने आप म जीना चाहते ह। अतः जरूरत इस बात को है कि यशोधर बाबू को अपने बच्चों को सकारात्मक नई सोच का स्वागत करना चाहिए, [illegible] पीढ़ी के युवा भी वतमान बेतुके संस्कार और जीवन मूल्यों के प्रति आकर्षित न हों तथा पुरानी पीढ़ी को अच्छाइयों को ग्रहण कर। यह शुरूआत दोनों तरफ से होनी चाहिए ताकि एक नये एवं संस्कारी समाज को स्थापना को जा सके।

11. यशोधर बाबू के चरित्र को विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर 1. [illegible] –सेक्शन ऑफिसर होने के बावजूद दफ्तर म देर तक काम करते थे | [illegible] |

2. [illegible]- [illegible] | वे यह बात स्वीकार नहीं कर पाते कि उनका बेटा उनको [illegible] | पत्नी उनकी बात न मानकर बच्चों के कहे अनुसार [illegible] | बेटी विवाह के बंधन म बंधने से इंकार करती है और उसके वस्त्रों म शालीनता नहीं झलकती | [illegible] |

3. [illegible]- [illegible] | [illegible] इसलिए परिवार के अन्य सदस्यों से उनका तालमेल नहीं बैठ पा रहा था |

4. धार्मिक व्यक्ति-[illegible] व्यक्ति | [illegible] |

12. यशोधर बाबू जैसे लोग समय के साथ ढलने म असफल क्यों होते ह?

उत्तर [illegible], [illegible] पसन्द करते ह तथा बदलाव पसन्द नहीं करते। अतः समय के साथ ढलने म असफल होते ह।

13. [illegible]-सा क्यों अनुभव करते ह?

उत्तर [illegible]

14.“अभी तुम्हारे अब्बा को इतनी साख है कि सौ रुपए उधार ले सक।” किन परिस्थितियों म यशोधर बाबू को यह कहना [illegible]?

उत्तर [illegible]-पुत्र द्वारा उनके निकट संबंधी को आर्थिक सहायता के लिए मनाही से आहत होकर ऐसा कहना पड़ा।

15. ‘[illegible]’ कहानी के तथ्य का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर [illegible], वतमान समाज की इस प्रकार की सच्चाई से पदा उठाया गया है।

16. [illegible]च्चों [illegible]क्की [illegible]?

उत्तरः उनके बच्चे गरीब रिश्तेदारों के प्रति उपेक्षा का भाव रखते ह। उनको यह खुशहाली अपनों के बीच परायापन पैदा कर [illegible], जो उन्ह अच्छा नहीं लगता।

17. [illegible]-शैली अपनाने वाले बहुत कम लोग मिलते ह, क्यों ?

उत्तर: किशन दा जैसे लोग मस्ती से जीते ह, [illegible] कुछ न कुछ पाने की आशा रखते ह, बिना कुछ पाने की आशा रखे सहायता करने वाले बिरले ही होते ह ।

18. [illegible]च्चों [illegible]-[illegible] प्र[illegible]-सा पक्ष आपत्तिजनक है?

उत्तर- प्र[illegible]- ([illegible]) [illegible]त्वाकांक्षी और प्रगतिशील होना (ख) जीवन म उन्नति करना (ग) [illegible] |

आपत्तिजनक बात – ([illegible]) [illegible] रूप [illegible]रूप व्य[illegible], ([illegible]) [illegible], [illegible], [illegible] नकारात्मक भाव (ग) मानवीय सम्बन्धों की गरिमा और संस्कारों म रूचि न लेना |

19. [illegible]ष्टि [illegible]([illegible]) [illegible]?

उत्तर [illegible],[illegible], [illegible]त्र-[illegible]त्रों द्वारा [illegible]-[illegible]

20. सिल्वर वैडिंग म चटाई का लहँगा किसे कहा गया है?

उत्तरः यह एक प्रतीकात्मक प्रयोग है जिसे यशोधर बाबू अपनी पत्नी के लिए प्रयोग करते ह। उनकी पत्नी पुरानी परंपराओं को [illegible] ‘[illegible]’ [illegible] ‘[illegible]’ [illegible]

[illegible]. यशोधर बाबू परिवार के बावजूद स्वयं को अधूरा क्यों मानते ह?

[illegible] - [illegible] [illegible]ओं [illegible], जबकि उनका सारा परिवार [illegible] [illegible]-मेल न बिठा पाने के कारण वे स्वयं को अधूरा समझते ह।

अन्य महत्त्वपूण अभ्यास-प्रश्न:

1. [illegible] क्यों [illegible]?
2. यशोधर बाबू का अपने बच्चों के साथ कैसा व्य[illegible]?
3. [illegible] क[illegible]-क[illegible]?
4. ऑफिस के साथियों ने यशोधर बाबू को किस बात की बधाई दी?
5. [illegible] प्र[illegible]? इस तकिया कलाम का उनके व्यक्तित्व तथा कहानी [illegible]?
6. [illegible] व्यक्ति [illegible] -स्पष्ट कर।
7. [illegible] ?

पाठ 2 जूझ: आनंद यादव

<u>प्रश्नोत्तर</u> -

1.जूझ कहानी के आधार पर दत्ता जी राव देसाई का चरित्र-चित्रण कीजिए।

[illegible] 1.[illegible] व्यक्ति– दत्ता जी राव ने छोटे से बालक आनंद की बातों को सुना| [illegible]| उन्होंने पिता से इस प्रकार बात की, कि उन्ह शक ही नहीं हुआ कि ये सब उन्ह आनंद [illegible]|

2. ग्र[illegible]– [illegible] प्रतिष्ठित एवम प्रभावशाली व्यक्ति थे किंतु उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा का दुरुपयोग नहीं [illegible]| ग्र[illegible]| दत्ता जी उनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास करते थे|

3. प्रभावशाली व्यक्तित्व– [illegible] प्र[illegible] व्यक्ति [illegible]| [illegible] व्यक्ति[illegible] ग्रामीण उनकी बात मान जाते थे|

2. जूझ कहानी का उद्देश्य क्या है ?

अथवा

‘विषम परिस्थितियों म भी विकास संभव है।’ ‘जूझ’ कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए|

[illegible] उद्देश्[illegible]| [illegible], उसके परिवेश के साथ दिखलाया गया है। लेखक का शिक्षा-प्रा[illegible], कक्षा म संघष, [illegible] उसकी सफलता, कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट करते [illegible]ओं [illegible]| [illegible]|

3. ‘जूझ’ कहानी के शीषक की साथकता पर टिप्पणी कीजिए।

□त्त□□ □□ □□ □□ □–□□□| □□ □□□, □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □|□□□□□ □□□□□ों □ □□□ □□□□, विपरीत परिस्थितियों पर विजय हासिल कर सका| □□□ □ि□ □□ □ □□□ □□, □□□□ □त□□□श्व□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□|

4. 'जूझ' कहानी के आधार पर आनंदा के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

'जूझ' शीषक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट कर कि क्या यह शीषक कथानायक की किसी केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है?

□त्त□

(□) □□□□□ों □□□□□- □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□| □ि□□ □□□□□ों □□त्र □च्□□ □□□□□□□□ □□ □□ उद्देश्य □ि□□□ □□ □□ □□□□□□□ष्□ □□ □□ □□□ ि□□□ □□□□ □□□ □□□□ □|

(□) □□□□□द्ध□- आनंदा ने विद्यालय जाने के लिए पिता को जो शत मानी थी उनका पालन हमेशा किया| □□ □□द्य□□□ □□□□ □□□□□□स्□□ □□□ □□ों □ □□□□ □□□| □□ □□□ □□□□□□□ □□□□| पिता को बातों का □□□□□□ □□□□|

(□) □त□□□श्व□□□ □□□□□□ □□□□–□□□□ □□□□□□ □ □□□□ □□ □|□□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ ि□□□ □□| ि□□□□□□□□□म्□□ □□ों □□□□, पूरे आत्मविश्वास के साथ योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा और सफल हुआ|

(□) □□□□□ □प्र□□ □□□□- □□□□ □□मास्टर सौंदलगेकर से प्रभावित होकर काव्य म रुचि लेनी प्रारम्भ की| वह खेतों म पानी □□□, भस चराते समय भी कविताओं म खोया रहता था| □□□-□□□□□□ स्□□□□□□□ □□□□□□□| □□□□□□□□□□□□□□□ □त□□□श्व□□ □□□|

5. आनन्दा के पिता की भाँति आज भी अनेक गरीब व कामगार पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते थे, क्यों? आपकी दृष्टि म उन्ह किस प्रकार प्रेरित किया जा सकता है?

□त्त□- अधिकतर लोग अशिक्षित होने के कारण शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझते| □□□□ □च्चे,□□□ □□□□□, □□ □□□ि□क्त □□□ों □□□□□□ □ी □□□□□ आदि इसके प्रमुख कारण ह। उन्ह प्रेरित करने हेतु उन्ह जागरूक करना, □□क्ष□ □□ □□त्त □□□□□, शिक्षित होकर जीवन स्तर म सुधार के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

6. सकारात्मक सृजनात्मकता से आत्मविश्वास को दृढ़ता मिलती है। जूझ कहानी के आधार पर समझाइए।

□त्त□ □□□ □□□□□□ □ स्□□□□□ □□□□□□ हु□ □□□□| ि□□□□क्ष□ □□□□□□□□ □प्रे□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□| □□□□–□□□□□□□ □त□□□श्व□□ □□□□□□□| □□□□त□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□ □□□ ि□□□| □□□ □□□ □द्व□□□ कविता रच लेने से उसम आत्मविश्वा□ □□ □□□ हु□□

7. 'जूझ' कहानी के आधार पर बताइए कि एक प्रभावशाली शिक्षक किस तरह अपने विद्यार्थी का भविष्य सँवार सकता है?

अथवा

आनन्दा से कवि डॉ. आनन्द यादव बनने की यात्रा म मास्टर सौंन्दलगेकर की भूमिका स्पष्ट कोजिए।

□त्त□ □□स्□□ सौं□□□□□□ □□□□ □ध□□□□, □□□□□ □ज्□□□□ □ □□□, सुरीले ढंग से स्वयं को व दूसरों को कविताएँ गाते थे। आनन्दा को कविता या तुकबन्दी लिखने के प्रारम्भिक काल म उन्होंने उसका मागदशन व सुधार किया, □□□□ □त□□□श्व□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□-□□□□□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□ प्र□□□ष्ठ□ □□□ □□ □□□□

8. आनन्दा को पुनः स्कूल जाने पर क्या-क्या झेलना पड़ा ?

उत्तर- [illegible]त्रों [illegible], वह अन्य छात्रों को हँसी का पात्र बना तथा उसे पि[illegible] [illegible]

9. स्कूल म मानीटर ने आनंदा को सवाधिक प्रभावित किया और कैसे?

उत्तर- [illegible] प्र[illegible] [illegible]| वह शांत व अध्ययनशील छात्र था। आनंदा उसकी नकल कर [illegible], [illegible]-धीरे एकाग्रचित व अध्ययनशील बनकर आनन्दा भी कक्षा म सम्मान का पात्र बन गया।

10. आपकी दृष्टि से पढ़ाई-लिखाई के सम्बन्ध म लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का? तक सहित उतर दीजिए।

उत्तर- लेखक का मत है कि जीवन भर खेतों म काम करके [illegible] कुछ प्राप्त नहीं हो सका। वे मानते ह कि यह खेती हम गड्ढे म धकेल रही है। अगर म पढ़-[illegible] व्य[illegible] [illegible]-[illegible] त्त [illegible] बताते ह, तो दत्ता जी राव, पिता जी को बुलाकर खूब डाँटते ह और कहते ह कि तू सारा दिन क्या करता है। बेटे और पत्नी को खेतों म जोत कर तू सारा दिन साँड की तरह घूमता रहता है। कल से बेटे को स्कूल भेज, अगर पैसे नहीं ह तो फीस म [illegible] [illegible] त्त [illegible] करने के बावजूद भी वे आनन्द को स्कूल भेजने के पक्ष [illegible] प्र[illegible] [illegible] त्त [illegible] व का रवैया लेखक के पिता की सोच से ज्यादा ठीक है क्योंकि पढ़ने-[illegible] व्यक्ति [illegible]

<u>अन्य महत्त्वपूण अभ्यास-प्रश्न</u>:

१ . [illegible]?

२ . [illegible] कोल्हू जल्दी क्यों चलवाता था?

३ . [illegible]?

४ . त्त [illegible] स [illegible] ?

५ . आनंदा के पिता ने उसे पाठशाला भेजने की सहमति किस शत पर दी ?

पाठ 3 अतीत म दबे पाँव: ओम थानवी

प्रश्नोत्तर–

1. सिन्धु सभ्यता साधन सम्पन्न थी, पर उसम भव्यता का आडंबर नहीं था |' प्रस्तुत कथन से आप कहाँ तक सहमत ह?

उत्तरः दूसरी सभ्यताएँ राजतंत्र और धमतंत्र द्वारा संचालित थी । वहाँ बड़े-□□□□न्□□ □□□, □□□ स□□, □व्य □□□□□, □□□□□□□ □□ □□न्□□ □□□□□□ □□□□ओं, □□□□□□ीं □ी □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□न्□□भ□□□, □□ □□□□-सम्पन्न सभ्यता थी परन्तु उसम राजसत्ता या धमसत्ता के चिह्न नहीं मिलते। वहाँ की नगर योजना, □□स□□□□, □□□ीं, □प्□ीं, □□-व्यवस्था, □□□-सफाई और सामाजिक व्यवस्था आदि की एकरूपता द्वारा उनम अनुशासन देखा जा सकता है | □□स□□□□ □□□□□ पर यह तथ्य सामने आता है कि सिन्धु घाटी की सभ्यता, □□□□ भ□□□□ओं □□□□□ □□स□□□□□□□, किसी प्रकार की □□त्रे□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□, जबकि अन्य सभ्यताओं म राजतंत्र और धमतंत्र की ताकत को दिखाते हुए भव्य महल , □□□□ ओर मूतियाँ बनाई गईं, किंतु सिन्धु घाटी सभ्यता की खुदाई म छोटी-छोटी मूतियाँ, □□□□□,□□□-□□□, □□□ □□□□ □□ □□ प्रकार यह स्पष्ट है कि सिन्धु सभ्यता साधन सम्पन्न थी परन्तु उसम भव्यता का आडं□□ □□ीं □□।

2.'सिन्धु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दय बोध है जो राजपोषित न होकर समाज-पोषित था।' ऐसा क्यों कहा गया है?

□त्त□- सिन्धु सभ्यता म औजार तो बहुत मिले ह, □□□□□□□□□ीं □□ □□ प्र□□□ □□□□ □□□ □□□□, □□□□ □□□ प्र□□□ □□ीं □□□□ □□□ अनुशासनप्रिय थे परन्तु यह अनुशासन किसी ताकत के बल के द्वारा कायम नहीं किया गया, □□ले□ □□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ प्रे□ □□□□□□□-दड़ो की खुदाई म एक दाढ़ी वाले नरेश की छोटी मूति मिली है परन्तु यह मूति किसी राजतंत्र या धमतंत्र का प्रमाण नहीं कही जा सकती। विश्व की अन्य सभ्यताओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन से भी यही अनुमान लगाया जा सकता है कि सिन्धु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दय □□□ □□□ि □□□□ □□□□□ □,□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ीं □□।

3 'यह सच है कि यहाँ किसी आँगन की टूटी-फूटी सीढ़ियाँ अब आप को कहीं नहीं ले जातीं, वे आकाश की तरफ अधूरी रह जाती ह। लेकिन उन अधूरे पायदानों पर खड़े होकर अनुभव किया जा सकता है कि आप दुनिया की छत पर ह, वहाँ से आप इतिहास को नहीं उस के पार झाँक रहे ह।' इसके पीछे लेखक का क्या आशय है?

□त्त□- □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□ि □□ □□-फूटे घरों की सीढ़ियों पर खड़े होकर आप विश्व की सभ्यता के दशन कर सकते ह क्योंकि सिन्धु सभ्यता विश्व की महान सभ्यताओ म से एक है। सिन्धु सभ्यता आडंबर □□□□ □□□□□□□□□प्रे□ □□ □□□□ीं □□□□□□□□□ीं □□ □□ □□-□□□□ीं □□□□□ □□न्□□भ्यता का इतिहास ही नहीं देखा जा सकता है बल्कि उससे कहीं आगे मानवता के चिह्न ओर मानवजाति के क्रमिक विकास को भी देखा जा सकता है। कई प्रश्न - □□□□□□ □□□□□□ □□□ होंगे कि ये महानगर आज केवल खंडहर बन कर रह गए ह?, □□□□□□□□□□ क्□ीं □□□ □□?, □□ □□□□□□□□□ीं □ी □□स□□□□, कला ओर ज्ञान म रुचि, □□□□ □□□□□ □□श□□ □□- □□□□□□, □□□□□, स्□च□□□, सहभागिता आदि म मानवजाति के क्रमिक विकास पर पुनः चिंतन करने पर मजबूर कर देते ह। इस प्रकार हम इन सीढ़ियों पर चढ़कर किसी □□□□□□ □ी □□ □□□ □□ीं □□□□ □□□□□□□ले□ □□न्□□भ□□□ □□□भ□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□।

4. हम सिन्धु सभ्यता को जल-संस्कृति कैसे कह सकते ह ?

उत्तरःसिन्धु सभ्यता एक जल-□स□□□ □□ | प्रत□□ □□ □ □□ स्न□□□□ □□ □ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ीं □□ माध्यम से बाहर हौदी म आता है और फिर बड़ी नालियों म चला जाता है। कहीं-□□ीं □□□□□□□□□□ □□□□□ □ □□न्□□

अधिकतर नालियाँ ऊपर से बंद ह। इनको जलनिकासी व्यवस्था बहुत ही ऊँचे दज को था | □□□ □ □ओं □□ प्र□□ □□ □ □□□□□ पक्की ईटों के बने थे। सिन्धु सभ्यता से जुड़े इतिहासकारों का मानना है कि यह सभ्यता विश्व म पहली ज्ञात संस्कृति है जो कुएँ □□□□□ □ऺ□□ □□ □हुँ□□□ □□□□□□□□-□□ों □□□ □ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □ऺ□□ □□ □ज्ञ□□ □□ □□□□ □□|□□ प्र□□□ □□□□□-दड़ों म पानी को व्यवस्था सभ्य समाज को पहचान है।

5. मुअनजो-दड़ो को गृह-निमाण योजना पर संक्षेप म प्रकाश डालिए|

□त्त□- □□□□□-दड़ो नगर को मुख्य सड़क के दोनों ओर घर ह परंतु किसी भी घर का दरवाजा मुख्य सड़क पर नहीं खुलता। □□ □□□□के लिए मुख्य सड़क से गलियों म जाना पड़ता है,सभी घरों के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था है। घर पक्की ईंटों के □□□□| छोटे घरों म खिड़कियाँ नहीं थीं किंतु बड़े घरों म आंगन के भीतर चारों तरफ बने कमरों म खिड़कियाँ ह| □□ □□□□□ □ □□ □□□□□ ि□□□□□ □□ □तार म बने ह|

6. 'सिन्धु सभ्यता ताकत से शासित होने को अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी'- स्पष्ट कोजिए।

□त्त□- □□□ ि□□खुदाई से प्राप्त अवशेषों म औजार तो मिले ह किंतु हथियार नहीं| □□□ □ड्□, □□□□, □□□-□□□ □□ों □□□□| तथा भव्य महलों व समाधियों □□□ □□□□□□□ □□□□□ ि□ □□न्□□भ□□□ □□□□ □□□ों □□□ □□□□□□□□□ □□□

7. संसार को मुख्य प्राचीन सभ्यताएँ कौन-कौन सी ह? प्राचीनतम सभ्यता कौन-सी है उसको प्रमाणिकता का आधार क्या है?

□त्त□- □□स्र □ो □□□ □□□□ □ो □भ□□□, मेसोपोटामिया को सभ्यता, □□□□□□ को सभ्यता, सिन्धु घाटी को सभ्यता। सबसे प्राचीन है सिन्धु घाटी को सभ्यता। प्रमाण है-1922 □ □□□□□□प□□ □ □□□□□-□□□ □□□ों □□□□□□□ □□□□□ □□□-□□ □□□□

8. सिन्धु घाटी को सभ्यता को विशिष्ट पहचान क्या है ?

उत्तरः 1. एक जैसे आकार को पक्की ईटों का प्र□□□, 2. जल निकासी को उत्कृष्ट व्यवस्था

3. □त□□□□□ □□स□□□□, 4. नगर का श्रेष्ठ नियोजन।

9..मोहनजोदड़ो म पयटक क्या-क्या देख सकते ह ?

□त्त□ 1. बौद्ध स्तूप 2. □□□□□ 3.□□□□□□□ □ि□

10. सिन्धु सभ्यता व आजकल को नगर निमाण योजनाओं म साम्य व अन्तर बताइए।

□त्त□ □□म्□-1. □च□ □□ □□□□□ □□□□□,ढको हुई नालियाँ, 2. नौकरों के लिए अलग आवास व्यवस्था, 3. पक्की ईंटों का प्र□□□ □न्□□- □□□ □□□□□, □□□□□ □□□□□ □□□ □त□□□□□ □□□–निमाण सामग्री का प्रयोग|

11. कुलधरा कहाँ है ? मुअनजो-दड़ो के खण्डहरों को देख कुलधरा को याद क्यों आती है?

□त्त□ कुलधरा जैसलमेर के मुहाने पर पीले पत्थरों से बने घरों वाला सुन्दर गाँव है। कुलधरा के निवासी 150 वष पूव राजा □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □ण□□□ □□ □□□□, □□□□□□□□□ों| घरों को दीवार और खिड़कियाँ ऐसी ह मानो सुबह लोग काम पर गए ह और साँझ होते ही लौट आएंग | □□□□□-□□□ □□□ण□□□ों □□ □□□□ □□ ऐसा ही आभास होता है वहाँ घरों के खण्डहरों म घूमते समय किसी अजनबी घर म अनधिकार चहल-□□□□ □□ □□□□□□□

□□□□ □|पुरातात्विक खुदाई अभियान को यह खूबी रही है कि सभी वस्तुओं को बड़े सहेज कर रखा गया| □□□ □□□□□ □ो □स□□ □□ □□□□□-□□□ के खण्डहर अपने काल के इतिहास का दशन कराते ह।

अन्य महत्त्वपूण अभ्यास-प्रश्न:

1. □□न□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□-□□ □□□ □□ □□द्ध □ो□□□

2. '□□□□□ण□□□ □भ□□□ □□ □स□□ □□□□□□□ □□□□-साथ धड़कती जिन्दगियों के अनछुए समयों का दस्तावेज होते □□' इस कथन का भाव स्पष्ट कोजिए।

3. □□ □□ □□□ □□ □□□ □□स□ □|ऐसे म सिन्धु सभ्यता के महानगर मुअनजो-□□□ □ो □□ व्य□स□ □व□ प्रे□□□ □□ □□ □□□□ □? □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□□ □□ व□ □□□□ □□?

4. □□□□□-□□□ □□□□□□□□□ □ □□□-कोन सी वस्तुएँ प्रदशित थों ?

5. सिंधु सभ्यता अन्य सभ्यताओं से किस प्रकार भिन्न है ?

6. □□□□□-दड़ो को प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

7. सिंधुघाटी को सभ्य□□ □□-प्र□□□□□ □स□ष्ट □ो□□□ ?

8. □□□ □प्र□□□ □□स□ ि□□□□□ □? □□□ो व□ □□□□□□ □?

9. ताम्रकाल के दो सबसे बड़े नियोजित शहर किन्ह माना गया है और क्यों ?

पाठ 4 : डायरी के पन्ने: (ऐन फ्रैंक)

<u>प्रश्नोत्तर –</u>

1. "ऐन को डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुःख और भावनात्मक उथल-पुथल का भी। इन पृष्ठों म दोनों का फक मिट गया है। " इस कथन पर विचार करते हुए अपनी सहमति या असहमति तक पूवक व्यक्त कर।

□त्त□- ऐन को डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावे□ □,□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□-□□ □□ □□□□□त□ □□□-पुथल का भी क्योंकि इसम ऐन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के समय हॉलड के यहूदी परिवारों को अकल्पनीय यंत्रणाओं का वणन □□□□□□□□-□□□, वहाँ को राजनैतिक स्थिति एवं युद्ध को विभीषिका का जीवंत वणन किया है। वायु□□□ □□□ □□□□□□□□, हज़ार गिल्डर के नोट अवैध घोषित किए गए, □□□□□ □□□□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ , □□□□□□□ □□ □□□□□ □ि□|

□□□ □□ □□ □□□□□, □□ □□□ि□□ि□□ □□-दुःख और भावनात्मक स्थिति को प्रकट करती है- □□□□□, □□□□□,□ज्ञ□□□□□ □ □□□□ व्य□□□ □□□□, □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□, □□□□□□□□□□ □□, □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□□ वातावरण म सैनिकों को स्थिति, आचरण व जनता पर होने वाले अत्याचार दिखाती ह तो दूसरी ओर एक तेरह वष को ि□□□□ □ो □□□□□□□□, □ल□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ ि□□□□□ □□□ □□ □ो □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □स□□□ □□□□□□□-□□□ □□ □□□□□ □□□-□□ □□ □त्र□ □□ □□

2. "यह साठ लाख लोगों को तरफ से बोलने वाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज जो किसी सन्त या कवि को नहों, बल्कि एक साधारण-सी लड़को को है।" इल्या इहरनबुग को इस टिप्पणी के संदभ म ऐन फ्रैंक को डायरी के पठित अंशों पर विचार कर।

[illegible]- उस समय यूरोप म लगभग साठ लाख यहूदी थे। [illegible] हिटलर को नाजी फौज यहूदियों को विभिन्न प्रकार से यंत्रणाएं देने लगी| [illegible] | गेस्टापो (हिटलर को खुफिया पुलिस) छापे मारकर यहूदियों को अज्ञातवास से ढूँढ़ निकालती ओर यातनागृह म भेज देती| अतः चारों तरफ अराजकता फैली हुई थी। यहूदी अज्ञातवास म [illegible]रंतर अंधेरे कमरों म जीने को मजबूर थे। [illegible] | [illegible]-दुःख और भावनाओं को व्यक्त [illegible], [illegible] दुख भरी जिन्दगी को लिपिबद्ध किया है। इसलिए इल्या इहरनबुग को यह [illegible] "यह साठ लाख लोगों को तरफ से बोलने वाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज जो किसी संत या कवि को नहीं, [illegible]

3. ऐन फ्रैंक कौन थी? उसने अपनी डायरी म किस काल को घटनाओं का चित्रण किया है? यह क्यों महत्वपूण है?

उत्तर: ऐन फ्रैंक एक यहूदी लड़को थी। उसने अपनी डायरी म द्वितीय विश्वयुद्ध (1939-1945) [illegible] फौज द्वारा यहूदियों को विभिन्न प्रकार से दी गई यंत्रणाओं का [illegible] राजनैतिक परिदृश्य को दशाती है| यह नाजियों द्वारा यहूदियों पर किए गए जुल्मों का एक प्रामाणिक दस्तावेज है और साथ ही साथ एक तेरह वर्षीय किशोरी को भावनाएँ और मानसिकता को समझाने म सहायक है।

4. डायरी के पन्ने पाठ म मि. डसेल एवं पीटर का नाम कई बार आया है। इन दोनों का विवरणात्मक परिचय द।

[illegible]- ऐन के पिता के साथ काम करते थे। वे ऐन व परिवार के साथ अज्ञातवास म रहे थे। डसेल उबाऊ लंबे-[illegible] सुनाते रहते थे। ऐन को अक्सर डाँटते थे । वे चुगलखोर थे और ऐन को मम्मी से ऐन [illegible]

[illegible] उम्र था। ऐन का उसके प्रति आकषण बढ़ने लगा था और वह [illegible]

5. किट्टी कौन थी? ऐनफ्रैंक ने किट्टी को संबोधित कर डायरी क्यों लिखी?

[illegible] अन्यथा नाजियों द्वारा अत्याचार बढ़ने का डर व उन्ह अज्ञातवास का पता लग सकता था।| [illegible] व्यक्त करने का ज़रिया किट्टी को बनाया| वह हृदय म उठ रही कई भावनाओं को दूसरों के साथ बाँटना चाहती थी किंतु अज्ञातवास म उसके लिए किसी के पास समय नहीं था| [illegible], दूसरों के द्वारा उसके बारे म सुनकर मम्मी (मिसेज फ्रैंक) का उसे [illegible] लापरवाह और तुनकमिजाज मानना और उसे छोटी समझकर उसके विचारों को महत्त्व न देना , [illegible] | अतः उसने किट्टी को अपना हमराज़ बनाकर डायरी म उसे ही संबोधित किया |

6.'ऐन फ्रैंक को डायरी यहूदियों पर हुए जुल्मों का जीवंत दस्तावेज है' पाठ के आधार पर यहूदियों पर हुए अत्याचारों का विवरण द।

[illegible] हिटलर की नाजी सेना ने यहूदियों को कैद कर यातना शिविरों म डालकर यातनाएँ दी। उन्ह गैस चबर म डालकर मौत के घाट उतार दिया जाता था। कई यहूदी भयग्रस्त होकर अज्ञातवास म चले गए जहाँ उन्ह अमानवीय परिस्थितियों म [illegible] | अज्ञातवास म उन्ह सधमारों से भी निबटना पड़ा। उनकी यहूदी संस्कृति को भी कुचल डाला गया।

7. 'डायरी के पन्ने' पाठ किस पुस्तक से लिया गया है? वह कब प्रकाशित हुई? किसने प्रकाशित कराई ?

[illegible] फ्रैं[illegible] द्व[illegible] '[illegible]' [illegible]
यह 1947 म ऐन फ्रैंक की मृत्यु के बाद उसके पिता मिस्टर ऑटो फ्रैंक ने प्रकाशित कराई।

अन्य महत्त्वपूण अभ्यास-प्रश्न:

1."[illegible], [illegible] [illegible]ओं [illegible] | [illegible], [illegible] व्यक्ति [illegible] [illegible].... "| क्या आपको लगता है कि ऐन के इस कथन म उसके डायरी लेखन का कारण छुपा हुआ है ?

2. अज्ञातवास म उबाऊपन दूर करने के लिए ऐन फ्रैंक व वान परिवार क्या करते थे ?

3. [illegible]?

4. ऐन के अनुसार युद्ध म घायल सैनिक गव का अनुभव क्यों कर रहे थे ?

5. 'हर कोई जानता था कि बुलावे का क्या मतलब होता है'| [illegible]|

6. 'प्र[illegible] [illegible]?

<u>**परीक्षा उपयोगी महत्त्वपूण सुझाव :-**</u>

<u>**परीक्षा से पूव :-**</u>

1. [illegible], [illegible] व्य[illegible]

2. पाठाधारित अभ्यास प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य परीक्षा उपयोगी प्रश्न तैयार कर अभ्यास कर।

3. [illegible]क्षा [illegible] मस्तिष्क पर हावी न होने द, परीक्षा अध्ययन प्रक्रिया का एक अंग मात्र ही है।

4. [illegible], वतनी और वाक्य म सुधार हो सके ।

5. [illegible]क्षा [illegible] 6-7 घंटे की नींद अवश्य पूरी कर ।

6. परीक्षा के दौरान सदैव प्रसन्न रह कर मुस्कान [illegible]

<u>**परीक्षा के दौरान**</u> :-

1. परीक्षा के दौरान शांत चित्त रह और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा द

2 प्रश्न-[illegible]त्र [illegible]ग्र[illegible]त्त [illegible]

3. प्रश्न-पत्र पढ़ते समय न तो अत्यधिक प्रसन्नता महसूस कर न ही घबराएं ।

4 जो प्रश्न ठीक से हल हो सक उनको पहले हल कर । कठिनता से हल होने वाले प्रश्नों को बाद म हल करने की चेष्टा [illegible]

5. उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या जिसका उत्तर दिया जा रहा है , [illegible]

6. प्रश्नों के उत्तर प्रश्न पत्र म दिए निदश एवं अंकों के [illegible]

7. [illegible]क्ष[illegible] [illegible] प्र[illegible]न्न [illegible] [illegible]

परीक्षा के उपरांत :-

1. परीक्षा समाप्ति के पश्चात प्रश्नों के उत्तरों का मिलान या जाँच न [illegible]

2. आने वाले विषय को परीक्षा का ध्यान रख व गंभीरता बनाएं रख ।

3. [illegible] [illegible]क्षा [illegible] [illegible]

4. परीक्षा के दौरान सदैव प्रसन्न रह कर मुस्कान बनाएँ रखे।

प्र[illegible] प्रश्न[illegible]त्र – 1

[illegible]न्[illegible] ([illegible])

[illegible] 3 [illegible] [illegible] 80

[illegible] :- 1 [illegible] प्रश्न [illegible]त्र [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]|

2 तीनों खंडो के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवाय है|

3 यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिये|

खंड क

प्रश्न 1- निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 12

[illegible]त्र [illegible], [illegible] न्[illegible] [illegible] प्र[illegible] माग या उद्देश्य के प्रति शिथिल होते है या संविधान के दिशा निदशों को अवहेलना होती है तो न्याय पालिका का विशेष [illegible] न्[illegible] [illegible] देने वाली चेहरे को विद्रूपता को सुधरने का प्रयास हो | [illegible] न्[illegible] [illegible] पालिका को भांति अति सक्रियता माना पर जनता को लगा कि न्यायालय सही है | [illegible] भ्र[illegible] [illegible]|प्रश्न यह है को संविधान को सत्ता सर्वापरि है तो उसके अनुपालन म शिथिलता क्यों होती है | [illegible] लगन स्वाथ या निजी आड़े आ जाता है और यही भ्रष्टाचार को जन्म देता है हम कसमे खाते है जन कल्याण को ओर कदम उठाते ह आत्म कल्या[illegible] [illegible] न्[illegible] जो समाज कल्याण के हो और राजनैतिक ठेकेदारों को उनको औकात बताते हो तो जनता को उसमे आशा को किरण दिखाई [illegible]न्[illegible] [illegible] |

[illegible]. [illegible]द्यां[illegible]श के लिय उपयुक्त शीषक दीजिए | 1

ख. लोकतंत्र म न्यायपालिका कब विशेष महत्वपूण हो जाती है ? क्[illegible] ? 2

□. □□□□ ि□□□□□□□ क्□□ □□त्□□ □□□ □ न्□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ ि□□□□□ □□? 2

□. '□□□□ो □□द्र□□□' □िक्□□ □□त्□□ □□□ □ □□ □□□□ ि□□□□□□□ ि□□□ □□□ □□? 2

ड.. भ्रष्टाचार का जन्म कब और कैसे होता है ? 2

च. जनता को आशा को किरण कहाँ और क्यों दिखाई देती है ? 2

छ. आशय स्पष्ट कोजिए -'□न्□□□ □□ □□ □□□□□ □ □□□□□□ □□□□ □□□□ '| 1

प्रश्न 2- निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए -1X4=4

तुम नहीं चाहते थे क्या
□□ □□□□□□ □ □□□□□□□□□□□□□?
□□ीं □□□□□□□□
□□□□□□□□□ □□□□ □ी □□□, □□□ि□□ीं □□ □□□त्□□?
□ि□□ □ी □हू, □□□□ीं □ी □□□?
□म्□□ □□□□ □□□□□□
□□□ीं □□□□□□□□□□□□□□□ □□□
□□□□ हरियाली को धुँआ बनाते विस्फोट !
□□□□□ □□□ ि□□□ □□□□□□ □□□ □□□□
□ □□□□□□□ □□ □□ □□
□□□□□□ □ □□,□□□□ □□□□□
□□ □□ □□□ □□□□ो □□□□ष□ □□□
□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□
□□ □त्रो □□ ध□□□□
□□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□

□. आतंको विस्फोटो के क्या क्या परिणाम होते है ?

□. आतंकवादियों को धरती के कौन कौन से रूप नहीं लुभाते ?

□. आशय स्पष्ट कोजिए -□म्□□□□ □□□□□,□□□□□□□□□□□□□□□ □□□ |

□. □□ □□ □□□ □□'कहकर कवि क्या अपेक्षा करता है ?

खंड ख

प्रश्न 3-किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए - 5

□. □□□ प्रे□ □□□□ □□□

□. □□ □□□□□□□ □□□□□

प्रश्न 4-नगरो म दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए प्रदूषण के प्रति चिंता प्रकट करते हुए दैनिक पत्र के □म्□□□ □□ □त्र □□□□□ | 5

□□

दूरदशन के कद्र निदेशक को किसी विशेष कायक्रम को सराहना करते हुए पत्र लिखिए |

प्रश्न 5-निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए - 1X5=5

□. □त्र□□िक□□ □□ □□□ □त्त□ क□□ □□?

□. □□□□क□□ □त्र□□□ि□□□□□□□□□?

□. □: □□□□ □□□ □□?

□. □□□□ □क□□ □□□□ □□?

(□) □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□श□□ □त्त□ □□□□□|

प्रश्न 6- 'शिक्षा का बदलता चेहरा' पर फीचर लेखन लिखिए | 5

□□□□

बुजुर्गों की समस्या - □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□|

खंड ग

प्रश्न 7-निम्नलिखित पठित गद्यान्श को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए 2X3=6

" सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है नाम की लछमिन अर्थात लक्ष्मी पर जैसे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के □□□□ □ी □□□□ □□□□ □ □ीं □□ □□ी | □□□□ □□□□ □ प्र□□: □□□ □□ □□□□- □□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□:□□ □□क्ते□ □हु□ □□□□□□ □, क्योंकि वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं | "

□. भक्तिन के सन्दर्भ में हनुमान जी का उल्लेख क्यों हुआ है ?

□. भक्तिन के नाम पर और उनके जीवन में क्या विरोधाभास था?

□. लेखिका ने भक्तिन को क्यों समझदार माना है ?

प्रश्न 8- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **4+4+2=10**

□. □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ ि□□ □□□ □□□ □□□□□□? 4

□. □□□□ □ी □□□□ □□ □□□□□□ □ क□□ □□□ □□□□ □□? 4

□. अवधूत किसे कहा गया है और क्यों? 2

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2X3=6

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूं मैं भूलूं मैं
□म□□□ □□□□ी
दक्षिण ध्रुवी अन्धकार - □□□स□
□□□□ □□ □□□□□, □□□ □ □□ □□□
झेलूं मैं उसी में नहा लूँ मैं

□□□□□□ f□ □□□□□□ □f□□□□ष्टे □च□f□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□
□□□ □□ों □□□□ □□
□□ों □□□ □□□□ □□|

□. □□□ □□क्ते□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □ क्यों?

□. □□□ □□ □□□□□ □प्रे□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□?

□. □□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□ □□?

प्रश्न 10- निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिख - 2X2=4

□□□ □□ □□
□□□ □□□□□□ हु□ □□□□□
(□□□ □□□□□ □□□ □)□
□हु□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□
f□ □□□□□□ □□□ □□
स्□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□
□□ □□ □□ f□□□ □□|

□. काव्यांश को अलंकर योजना का सौंदय समझाइए |

□. काव्यांश को भाषा को दो विशेषताएँ लिखिए |

प्रश्न 11-निम्नलिखित प्रश्नों म से किन्ही दो प्रश्नो के उत्तर दीजिए - 3X2=6

□.'□□□□ □□□ □□' □□□□□ □ '□□□□□ □□ □न्न' □□ '□□' म किस आधार पर समानता □□□□ □□□ □□?

□.□त□ f□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □ो □□□□□ □, स्पष्ट कोजिये |

प्रश्न 12-निम्नलिखित प्रश्नो म से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 4X3=12

(□) □□ कहानी के आधार पर बताइए कि पाठशाला पहुंचकर लेखक को किन परेशानियों □□ □□□□□ □□□□ □□□?

(□) '□□□□□ □□□न्ने□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ फ्रेंक □□□□□□□ □□ प्र□□□ □□□□□□|

(ग) सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी | □□ □□□□□व्य□□ □□ □□म□□ □□ों □□ □□□?

(□) □□ल□□ f□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□?

प्र[illegible] प्रश्न[illegible]त्र – 2

[illegible]न्[illegible] ([illegible])

[illegible] 3 [illegible] [illegible] 80

[illegible] :- 1 [illegible] प्रश्न [illegible]त्र [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]

2 तीनों खंडो के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवाय है

3 यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिये

खंड क

प्रश्न 1- निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 12

[illegible]क्ष[illegible] [illegible] शिक्षा के बिना मनुष्य विवेकशील और शिष्ट नहीं बन सकता | [illegible] से मनुष्य म सही गलत का चयन करने को क्षमता उत्पन्न होती है | [illegible] क्र[illegible]ों [illegible]प्र[illegible] [illegible]ष्टि[illegible] [illegible]त्[illegible]न्न [illegible]| शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित [illegible] शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जाग्रत होकर कतव्याभिमुख हो जाता है | ‘स[illegible]’ [illegible]‘ [illegible] [illegible]ग्र[illegible] [illegible]| [illegible], [illegible] प्र[illegible], [illegible] [illegible]स्[illegible] [illegible]क्षे[illegible] [illegible]| [illegible], [illegible]त[illegible], [illegible]स्त्र, [illegible]स्त्र, दशनशास्त्र इत्यादि पढ़कर [illegible]द्या[illegible] [illegible]द्व[illegible], [illegible]ष्ट [illegible]ष्टि, [illegible]त[illegible] [illegible]क्र[illegible] [illegible]| [illegible]क्षे[illegible] [illegible] व्य[illegible]क्ते अशिक्षित सामजिक परिवेश को तुलना म सदैव ही उच्च स्तर [illegible]| [illegible]क्ष[illegible] [illegible]| शिक्षा भौतिक आकांक्षा को पूर्ति का साधन बनती जा रही है | व्य[illegible] [illegible]क्ष[illegible] [illegible]न्[illegible] [illegible]त्र [illegible]द्य[illegible] [illegible]क्ष[illegible] [illegible], जिसके कारण रूस को क्रान्ति, फ्रांस को क्रां[illegible], अमेरिको क्रान्ति, [illegible], [illegible], [illegible] व्य[illegible]स[illegible], सांस्कृतिक मूल्यों आदि को सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण [illegible]त्रों [illegible]| यह शिक्षा का विशुद्ध रोजगारोन्मुखी रूप है | शिक्षा के प्रति इसप्रकार का संकुचित [illegible]ष्टि[illegible] [illegible]नाकर विवेकशील नार्गारकों का निमाण नहीं किया जा सकता | [illegible]क्ष[illegible] [illegible]| इस कुप्रवृत्ति पर अंकुश लगाना आवश्यक है | [illegible]त्रों [illegible] पत्रकारिता, [illegible]त[illegible], [illegible]ज्ञ[illegible], जनसंपक इत्यादि कोस [illegible], ताकि उन्ह रोज़गार के लिए न [illegible], वहीं व्यावसायिक कोस करने वाले छात्रों को मानविको के विषय जैसे इतिहास, [illegible]त[illegible], [illegible]स्त्र, [illegible] प्र[illegible]प्त [illegible], [illegible] |

□. □□ □□□□□□ □□ □□□□क्त □□□□ □□□□□ | (1)

□.'व्य□□□□□□□' शब्द म निहित प्रत्यय व मूलशब्द अलग कीजिए | (1)

□.'□□क्ष□ □□ □□□□ □□ □□□□ □प्र□□ □□□□□□ □□□□□ओं □□□□□□ □□□□ □-□□□ □□ स्पष्ट □□□□ | (2)

□.□□क्ष□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □– तक के साथ पुष्टि कीजिए |(2)

□.समाज म एक शिक्षित व्य□क्त □□ व्य□□□□ f□□ □□□ □□ □□□□ □□? स्पष्ट कर |(2)

□.भारत म शिक्षा रोज़गार का साध्य किस प्रकार हो गयी है – स□ष्ट □□□□ |(2)

□. व्य□□□□यिक शिक्षा म किस प्रकार का सुधार होना चाहिए ? (2)

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो- 1×4 = 4

□□ □□□f□□ □□□□ □□□□ □□□
□□ □□□ □□□□□ □□□ हु□
□□ □□□f□□ □□□□□□□□□ □□□
□□ □□□ □□□□□□□ □□□ हु□
□□ □□□f□□ □□ □□□□□ □□□
□□ f□□□ □□□□ □ □□□□
आज सबका यकीन किया
□□ □□□□□□□ □□□□□□□
□□ □□□□□□ □□त□□□ □□ □□
f□ □□ □□□□□ □□□f□□□ □□ □□ □□□□
□□□□□ □□ □□ □□□□ हु□ □□□□.

(□) □□□ □□□f□□ f□□ □□ □□□□□ व□□□□□ □□□ □□?

(□) □□□ □□□ व□□□□□ □□□□□ □?

(□) □□ f□□ □□ □□□ □□व□□-व□□ f□□□ ?

(□) □□ □□□□□ □□ □□□ व□□ □□?

प्रश्न 3.निम्नलिखित म से किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए - 5

(□) f□□□ □□ □□□□□

(□) □□□□□□□□□□

(□) □□□ □□□□□□□

प्रश्न 4.चुनाव के दिनों म बढ़ते ध्वनि प्रदूषण की शिकायत करते हुए थानाध्यक्ष □□ □□ □त्र □□□□□ | 5

□□□□

अपने क्षेत्र में एक पार्क विकसित कराने के लिये नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखिए |

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप म लिखिए | 1X5 =5

(क) '[illegible]र्थ' [illegible]त्र[illegible] [illegible] क[illegible] [illegible]?

(ख) [illegible]ख[illegible] [illegible]त्र[illegible] [illegible] त्र[illegible] क[illegible]?

(ग) [illegible]?

(घ) फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज़ किसे कहते ह

(ड.) संपादक के दो प्रमुख उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए ?

प्रश्न 6. '[illegible] श्र[illegible]' [illegible] **फीचर** [illegible]| 5

[illegible]

धम की आड़ म भ्रष्टाचार' [illegible] **आलेख** [illegible] |

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 2X3=6

चार्ली को अधिका[illegible] [illegible]ल[illegible] [illegible]स[illegible] [illegible]न[illegible]ज्यादा से ज्यादा मानवीय होना पडा. [illegible] त्र[illegible] हु[illegible] लेकिन वे चैप्लिन को सावभौमिकता तक क[illegible] हुँ[illegible] [illegible] चुं [illegible] किसी भी सँस्कृति को विदेशी नही [illegible] ष्ट [illegible] हूँ[illegible] '[illegible]ज[illegible]' [illegible] म[illegible] बस्टर कीटन चार्ली चैप्लिन से [illegible]स प्र[illegible]स [illegible]फ[illegible] जबकि चैप्लिन प्रेमचंद के ज्यादा नजदीक हैं।

(क) चार्ली की फिल्मों को मानवीय क्यों होना पडा ? 2

(ख) [illegible]क[illegible]? 2

(ग) [illegible] | 2

प्रश्न 8. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लिखिए | 4+4+2= 10

(क) जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे अम्बेडकर का क्या तर्क है? 4

(ख) [illegible]ट्र[illegible] [illegible]-दृष्टि कब प्राप्त हुई ? वह उन सुविधाओं से वंचित कैसे हो [illegible] ? '[illegible]' [illegible] स्पष्ट [illegible] | 4

(ग) लेखक ने किस प्रकार के अथशास्त्र को अनीति-[illegible]स्त्र [illegible]? 2

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 2x3 = 6

[illegible]

[illegible]

[illegible]

□□□
□□□□ □□□ □□□□ □□
(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा?)
□□□□□ □□□□□
□□□□ □□□□□ □□□
(□□ □□□□□ □□ □□□?)
आप जानते ह कि कायक्रम रोचक बनाने के वास्ते
□□ □□-□□□□ □□□□ रु□□ □□□
□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□
□□□□□ ?

(क) □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ प्र□□□ □प्रश्न □□□□□ ?

(ख) कायक्रम को रोचक बनाने के किए संवाददाता क्या काय करता है ?

(ग) इस काव्यांश म समाज व मीडिया को किस मानसिकता को दशाया गया है ?

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 2X2=4

□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□
□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□
□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□
□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□|

(क) काव्यांश के भाव सौंदय को स्पष्ट □□□□ | 2

(□) □□व्या□ □□□□□-सौंदय को कोई दो विशेषताएँ लिखिए | 2

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 3x2=6

(□) '□□□ □□□□ □□' □□□□□ □□□ □□□ □□ '□□□□ □□ □□□□□□' □□□□□□□□अभिप्राय को स्पष्ट कोजिए |

(□) '□□□□ □□□ □□' □□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□न्ने□ □□□□□□ □□□□□ □□ओं □□ प्र□□□ □□□□□ |

प्रश्न 12. निम्नलिखित मे से किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर दीजिए- 4×3=12

(क) □□□□□ □□□न्ने□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□-□□ □□ □□□□□□□□ □□□-पुथल का भी | इन प्रश्नों म दोनों का फक मिट गया है इस कथन पर विचार करते हुए अपनी सहमति-□□□□□□ □□□□ व्यक्त □□ | 4

(□) □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ - स□ष्ट □□□□ ।

(□) '□□' कहानी के कथानायक का मन पाठशाला जाने के लिए क्यों तड़पता था ? उसे खेती का काम अच्छा क्यों नहों लगता था ? तकपूण उत्तर दीजिए |

(□) □□□□□ □□□के चरित्र को प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

****

प्र□□□□ प्रश्न□त्र – 3

□□न्□□ (□ □□□)

□□□ 3 □□□ □□□□□□ □□ 80

□□□□ :- 1 □□ प्रश्न □त्र □□□□□ □□□ □ □, □, □|

2 तीनों खंडो के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवाय है|

3 □□□ □□□□ प्रत□□ □□ □□□त्त□ क्र□□: □□□□□|

खंड क

प्रश्न 1- निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 12

"इस संसार म कुछ व्यक्ति भाग्यवादी होते ह और कुछ केवल अपने पुरुषाथ पर भरोसा रखते ह | प्राय: ऐसा देखा जाता है कि भाग्यवादी व्यक्ति ईश्वरीय इच्छा को सर्वोपरि मानता ह और अपने प्रयत्नों □□ □□□ □□□ □□□□□ | □□□□□□□ □□ □□ □□□□ नाम भाग्य को मान लेते है| भाग्यवादी कभी-कभी अकमण्यता को स्थिति म भी आ जाते ह| उनका कथन होता है कि कुछ नहीं □□ □□□□□□ □□□ □श्व□ □□□□□□ □|□□ □□□ प्र□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□| □□□□□□ □□□ □ □□□ प्र□□□ □□|□□ □न्□ □□ □□-सूर्योदय| हम जानते ह कि उदय सूरज का नहीं होता सूरज तो अपनी जगह पर रहता है, चलती घूमती तो धरती ही है| फिर भी सूर्योदय हम बहुत शुभ और साथक मालूम होता है| भाग्य भी इसी प्रकार है | हमारा मुख सही भाग्य को तरफ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□|

पुरुषार्थी व्यक्ति अपने परिश्रम के बल पर काय सिद्ध कर लेना चाहता है| पुरुषाथ वह है जो पुरुष को सप्रयास रखे| पुरुष का अथ पशु से भिन्न है| बल-विक्रम तो पशु म अधिक होता है, लेकिन पुरुषाथ पशु चेष्टा के अथ से अधिक भिन्न और श्रेष्ठ है | वासना से पीड़ित होकर पशु म अधिक पराक्रम देखा जाता है, किन्तु यह पुरुष से ही संभव है कि वह आत्मविसजन म पराक्रम □□□□□|

पुरुषाथ व्यक्ति को क्रियाशील रखता है जबकि अकमण्य व्यक्ति ही भाग्य के भरोसे बैठता है| हम भाग्य और □रु□□□ □□ □□ साधना है | यदि सही दिशा म बढ़गे तो सफलता अवश्य हमारे कदम चूमेगी|"

□. कौन किसको इच्छा को सर्वोपरि मानता है और क्यों? 2

□. पुरुषाथ से क्या तात्पय है? 2

□. कौनसी चीज पुरुष को सप्रयास रखती है ? 2

□. □□□वादी होना या पुरुषार्थी होना आपके विचार से क्या उचित है? 2

□. □□□□□ □□ □□□□ □□ग्र□ □□□□हु□ प्रयुक्त |□□□□ □□ □□□ □□□□□ 2

□. □□□□ण□□ □□ □□□□□□ □□प्रत□□ □□□ □□□□ 1

□. □□□□क्त □द्या□ □□ □□□□ □□□□□ | 1

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए - 4

"क□□ क□□ □□□:□प्र□□ □□□ □□,क□□ □□द्यु□ □□□□□

□□□□ □□□□ □□□ □□:□,□□□□ □□□□□-□□□|

□□□□□□□ □□□□ □□□□□, रु□□□ □□□□□□ □□□,

शूलों के बदले फूलों का, किया न मने कभी चयन|
मै विपदाओं म मुस्काता नवाषा के दीप लिए,
फिर मुझको क्या रोक सकगे, जीवन के उत्थान-□□□|
□□□□□□ □□, □□ □□□□□□ □;□□□□ □□□ □□□ □□□,
रोक सको पगले कब मुझको यह युग को प्राचीर निबल|
□□□ □□, □□□□□ □□, □□□ □□ि□□□□ □□ □□□,
फिर मुझको क्या डरा सकगे ये जग के खंडन-□□□|
□□□□□ □□□ □□ □□□, □□□□□□□ों □□□□□,
□□□□□□□ □□ □□□ □□□□, □ग्र□□□□ओं □□□□□ |
□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□-□□ □ □न□□□ □□□,
फिर मुझको क्या डरा सकगे, ये बादल □□द्यु□ □□□|"

क. □□□□□ □□ □□□□□ क्□□ ?

शय स्पष्ट कोजिए.ख 'ि□□□ □ □□□□□□ □□□ ,□□ों □□□□□□□□□ों □□')

ग.इस कविता म कवि को कौन सी विशेषताएं नजर आती है ?

घ.मेघ और विद्युत् किसके प्रतीक ह ?

खण्ड 'ख'

प्रश्न 3.निम्नलिखित म से किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए - 5

(□) विज्ञापन होडिग

(□) □□□ □स□□

(□) □□□□□□ □ो □□□

प्रश्न 4.हड़ताल के कारण जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार व्यक्त करते हुए किसी □□□□□□ □त्र □□□□□□□ □□ □त्र □□□□□ | 5

□□□□

दूरदशन के प्रसारित कायक्रमों को समीक्षा करते हुए दूरदशन के निदेशक को पत्र लिखिए □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ |

प्रश्न 5.निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप म उत्तर दीजिए- 5

(क) पत्रकारिता का मूल तत्व क्या है ?

(□) □□□□□□□□ □त्र□ि□□□ ि□□□□□□□ ?

(□) 'फ्री□□□□ □त्र□□□' ि□□□□□□□ ?

(□) □□□□ □ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□ ?

(□) □त्र□ि□□□ □ो □□□□ □"□□□" ि□□□□□□□?

प्रश्न 6. □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □ो□□ □□□□□ | 5

□□□□

'भारतीय किसानों को समस्या' □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ |

खण्ड 'ग'

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 2+2+2=6

“[illegible] | [illegible] आहों को अपने हृदय म ही बल पूवक दबाने को [illegible] | [illegible] पृथ्वी पर आना भी चाहता तो उसको ज्योति और शक्ति रास्ते म ही शेष हो जाती थी | अन्य तारे उसको भावु[illegible] असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे | सियारों का क्रंदन और पेचक को डरावनी आवाज रात को निस्तब्धता को भंग करती थी | गाँव को झोपडियों से कराहने और कै करने को आवाज, हरे राम हे भगवान को टेर सुनाई पड़ती थी| बच्चे भी निबल [illegible]|

(क) [illegible] हुए क्यों [illegible]?

(ख) [illegible] क्या [illegible]?

(ग) [illegible] ?

प्रश्न 8.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 4+4+2=10

(क) सिद्ध कोजिए कि शिरीष कालजयी अवधूत को भाँति जीवन को अजेयता के मंत्र का प्रचार [illegible]| 4

(ख) ‘[illegible] ने सिफ फिल्मकला को ही लोकतांत्रिक नही बनाया बल्कि दशकों को वग तथा वण-व्य[illegible]’- विविध तर्कों के माध्यम से सिद्ध कोजिए| 4

(ग) [illegible] प्रा[illegible] श्र[illegible] रू[illegible] क्यों [illegible] ? 2

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्याँश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

2+2+2=6

“[illegible]’-
‘[illegible]ओं [illegible] हु[illegible]’
‘[illegible]’।
‘[illegible] हु[illegible]’।
‘जब वे पग भरते हुए चले आते ह
[illegible]
[illegible] –
[illegible]
[illegible]
पतंगों को धडकती ऊचाइयां उन्ह थाम लेती ह महज एक धागे के सहारे |’

(क) “[illegible]”- [illegible] क्या [illegible]?

(ख) [illegible]?

(ग) [illegible] ?

प्रश्न 10.निम्नलिखित काव्याँश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 2+2=4

“[illegible] हु[illegible]
[illegible]

□□□ □ो □□□ □□ □□
□□ □□ □□□□ □ □□□□□ □□□□□□□!
□□□ □□ □□□□□□ो□ □ो □□□ □ों□ ि□□□!
□□□□ □□□□□□□
□□ □□□ □□
□ □□ □□□□ □□□□ □□
□ □□□□!
□□□ □□,जो एक शरारती बच्चे की तरह
□□□□□□□ □□□ □□,
□□□□□□□ □ों□□□□□□□ □□□ –
क□□ □□□□□□□ □□
□हू□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ों □□□□?

(□) "□□□ □□□□ □□ □□" का भाव सौंदय स्पष्ट कीजिए |
(□) उक्त पंक्तियों का शिल्प सौंदय स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए | **3+3=6**

(□) □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ष्ट □□□□□□□ क□ों □□□□?
(ख) तुलसी के युग की समस्याओं का चित्रण कीजिए।

प्रश्न 12 निम्नलिखित प्रश्नों म से किन्हों तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए **4*3=12**

(क) "□□□□□ □□□□ो □र्ता □□□□□□□□ों □ो □□| ि□□ □□□□ों □□□□□ □□□□ □□□□ □□□?क□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□"?

(ख) □□□□ □ि□□से□□□ों □ □□ □□□□□ □□□ □□'□□' □□□□□ □□□ □□□ □□ स□ष्ट □ो□□□|

(ग) ि□□-घाटी सभ्यता की खूबी उसका सौंदय बोध है जो राजपोषित ना होकर समाज-□□□□ □□| □□□ क□ों □□□ □□□ □□?

(घ) ि□ट्□ □□□ □□? □□ फ्रें□ □ि□ट्□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ क□ों □□□□?

SET-1

Series BVM/2

कोड नं. **2/2/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं – क, ख, ग ।*

(ii) *सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *12*

महिलाओं की मर्यादा और उनसे दुर्व्यवहार के मामले भी अन्य मामलों की तरह न्यायालयों में ही जाते हैं किंतु पिछले कुछ समय से ऐसे आचरण के लिए स्वयं न्यायपालिका पर उँगली उठाई जा रही है । काफ़ी हद तक यह समस्या न्यायपालिका की नहीं, बल्कि पूरे समाज की कही जा सकती है । जज भी समाज के ही अंग हैं, इसलिए यह समस्या न्यायपालिका में भी दिखाई देती है । हमारे समाज में क़ानून के पालन को लेकर बहुत शिथिलता है और अकसर क़ानून का पालन न करने को सामाजिक हैसियत का मानक मान लिया जाता है । वी.आई.पी. संस्कृति का छद्म सिद्धांत ही यह बना लिया गया है कि उसे सामान्य नियम-क़ानून नहीं पालन करने होते, क्योंकि वह महत्त्वपूर्ण व्यक्ति है । छोटे शहरों, कस्बों में सरकारी अफ़सरों की हैसियत बहुत बड़ी होती है । और जज भी उन्हीं हैसियत वाले लोगों में शामिल होते हैं । ऐसे में, अगर कुछ जज यह मान लें कि वे तमाम सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर हैं, तो यह हो सकता है । माना यह जाना चाहिए कि जितने ज़्यादा ज़िम्मेदार पद पर कोई व्यक्ति है, उस पर क़ानून के पालन की ज़िम्मेदारी भी उतनी ही ज़्यादा है । ख़ास तौर से जिन लोगों पर क़ानून की रक्षा करने और दूसरों से क़ानून का पालन कराने की ज़िम्मेदारी है, उन्हें तो इस मामले में बहुत ज़्यादा सतर्क होना चाहिए लेकिन प्राय: ऐसा होता नहीं है । इस समस्या की ओर कई वरिष्ठ जज और न्यायविद ध्यान दिला चुके हैं कि न्यायपालिका में निचले स्तर पर अच्छे जज नहीं मिलते । इसकी एक बड़ी वजह यह है कि अच्छे न्यायिक शिक्षा संस्थानों से निकले अच्छे छात्र न्यायपालिका में नौकरी करना पसंद नहीं करते, क्योंकि उन्हें कामकाज की परिस्थितियाँ और आमदनी, दोनों ही आकर्षक नहीं लगतीं । नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट को तो बनाया ही इसलिए गया था कि अच्छे स्तर के जज और वकील वहाँ से निकल सकें, लेकिन देखा यह गया है कि वहाँ से निकले ज़्यादातर छात्र कॉर्पोरेट जगत में चले जाते हैं । अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र भी बजाय जज बनने के प्रैक्टिस करना पसंद करते हैं । जजों की चुनाव प्रक्रिया में कई ख़ामियाँ हैं जिन्हें दूर किया जाना ज़रूरी है, ताकि हर स्तर पर बेहतर गुणवत्ता के जज मिल सकें ।

(क) गद्यांश को पढ़कर उचित शीर्षक लिखिए । *1*

(ख) आजकल न्यायपालिका पर उँगली क्यों उठाई जा रही है ? *1*

(ग) कुछ जज अपने आप को सारी सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर क्यों मान लेते हैं ? *2*

(घ) जजों को अधिक सतर्क क्यों होना चाहिए ? *2*

(ङ) न्यायपालिका में निचले स्तर पर अच्छे जज क्यों नहीं मिलते ? *2*

(च) नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के अनेक अच्छे छात्र जज बनना क्यों नहीं चाहते हैं ? *2*

(छ) वी.आई.पी. संस्कृति की धारणा किस प्रकार सामाजिक अराजकता और ग़ैर-बराबरी को बढ़ावा देती है ? *2*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

यादें होती हैं गहरी नदी में उठी भँवर की तरह
नसों में उतरती कड़वी दवा की तरह
या ख़ुद के भीतर छिपे बैठे साँप की तरह
जो औचक्के में देख लिया करता है
यादें होती हैं जानलेवा ख़ुशबू की तरह
प्राणों के स्थान पर बैठे जानी दुश्मन की तरह
शरीर में धँसे उस काँच की तरह
जो कभी नहीं दिखता
पर जब-तब अपनी सत्ता का
भरपूर एहसास दिलाता रहता है
यादों पर कुछ भी कहना
ख़ुद को कठघरे में खड़ा करना है
पर कहना मेरी मजबूरी है ।

(क) यादों को नदी में उठी भँवर की तरह क्यों कहा गया है ?

(ख) कवि के पास ख़ुद को कठघरे में खड़ा करने की मजबूरी क्या है ?

(ग) यादों को शरीर में धँसे काँच जैसा मानने के पीछे क्या तर्क हो सकता है ?

(घ) यादों को जानी दुश्मन की तरह मानने का क्या आशय है ?

अथवा

गुलाब का फूल है हमारा पढ़ा-लिखा
मैंने उसे काफ़ी उलट-पुलट कर देखा है
मुझे तो वह ऐसा ही दिखा
सबसे बड़ा सबूत उसके गुलाब होने का यह है
की वह गाँव में जाकर बसने के लिए तैयार नहीं है
गाँव में उसकी प्रदर्शनी कौन कराएगा
वहाँ वह अपनी शोभा की प्रशंसा किससे कराएगा
वह फूलने के बाद किसी फ़सल में थोड़े ही बदल जाता है
मूरख किसान को फूलने के बाद
फ़सल देने वाला ही तो भाता है,
गाँव में इसलिए ठीक है अलसी और सरसों के फूल ।
बीच-बीच में यह प्रस्ताव कि गुलाब गाँव में चिकित्सा करे या पढ़ाए
पेश करने में कोई हर्ज़ नहीं है
मगर साफ़ समझ लेना चाहिए कि गुलाब का यह फ़र्ज़ नहीं है कि
गाँव जाकर खिले, अलसी और सरसों वगैरा से मिले
ढँक जाए वहाँ की धूल से
और वक्तन बवक्तन अपनी प्रदर्शनी न कराए
आमीन, गुलाब पर ऐसा वक्त कभी न आए ।

(क) गुलाब और अलसी-सरसों के फूलों से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(ख) पढ़े-लिखे गुलाब के गाँवों में जाकर बसने में क्या समस्याएँ हैं ?

(ग) 'मूरख किसान' को क्या भाता है और क्यों ?

(घ) 'आमीन, गुलाब पर ऐसा वक्त कभी न आए' से कवि का तात्पर्य क्या है ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) पुस्तकीय ज्ञान तक सिमटती शिक्षा

(ख) कठिन है मित्र की पहचान

(ग) अन्नदाता किसान की समस्याएँ

(घ) प्लास्टिक : एक पर्यावरण संकट

4. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर सीमा पर देश की रक्षा करते हुए अपना बलिदान देने वाले भारतीय सेना के जवानों के शौर्य एवं वीरता को रेखांकित कीजिए । *5*

अथवा

'युवा सहयोग संस्था' के अध्यक्ष के रूप में सचिव, आपदा नियंत्रण विभाग, केरल सरकार को पत्र लिखकर बाढ़ राहत सामग्री के रूप में एकत्रित दवाइयों और कपड़ों को पहुँचाने का प्रस्ताव प्रस्तुत कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) इंटरनेट पर मौजूद हिन्दी की किन्हीं दो साहित्यिक पत्रिकाओं के नाम लिखिए ।

(ख) समाचार लेखन के संदर्भ में 'ककार' का क्या आशय है ?

(ग) 'वायस ओवर' क्या है ?

(घ) समेकित माध्यम किसे कहा जाता है ?

(ङ) इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ?

6. 'जंकफूड और स्वास्थ्य' विषय पर एक आलेख लिखिए । *3*

अथवा

हाल ही में पढ़ी गई किसी खेल पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7. 'मतदान केंद्र पर लगा लोकतंत्र का मेला' विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए । *3*

अथवा

विद्यालय में संपन्न स्वच्छता अभियान को विषय बनाकर एक फ़ीचर तैयार कीजिए ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी ।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों कहाँ जाई का करी ?
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकियत,
साँकरे सबैं पै, राम ! रावरें कृपा करी
दारिद दशानन दबाई दुनी, दीनबंधु ।
दुरित दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

(क) तुलसीदास ने अपने समय की किन-किन समस्याओं को उठाया है ?

(ख) तुलसी किससे कृपा की उम्मीद कर रहे हैं और क्यों ?

(ग) दरिद्रता की तुलना किससे की गई है और उससे बचाव का उपाय क्या है ?

अथवा

आख़िरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर-ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया !
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अन्दर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा –
"क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(क) भाषा को सहूलियत से बरतने में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

(ख) 'बात की चूड़ी मर गई' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(ग) भाषा प्रयोग के सन्दर्भ में इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

'अन्दर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !'

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2=4*

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया ।

(क) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य लिखिए ।

अथवा

रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छायी है छटा गगन की हलकी-हलकी
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे
भाई के है बाँधती चमकती राखी ।

(क) काव्यांश के भाव-सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) दिन ढलने पर कवि के पद शिथिल होने और उर में विह्वलता का अनुभव होने के क्या कारण हैं ? 'एक गीत' के आधार पर लिखिए ।

(ख) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि संबोध्य ('तुम') को भूल जाने का दंड क्यों माँग रहा है ?

(ग) 'उषा' कविता में भोर के नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(घ) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि ने रस के अक्षय पात्र से रचनाकर्म की किन विशेषताओं का संकेत किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

फिर जीजी बोलीं, "देख तू तो अभी से पढ़-लिख गया है । मैंने तो गाँव के मदरसे का भी मुँह नहीं देखा । पर एक बात देखी है कि अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बना कर फेंक देता है । उसे बुवाई कहते हैं । यह जो सूखे हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है । यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, क़स्बा, गाँव पर पानीवाले फ़सल आ जाएगी । हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं । सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले ख़ुद दो तब देवता तुम्हे चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे । भईया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है । यथा राजा तथा प्रजा सिर्फ़ यही सच नहीं है । सच यह भी है कि यथा प्रजा तथा राजा । यही तो गांधी जी महाराज कहते हैं" ।

(क) बुवाई के लिए किसान किस प्रकार से श्रम करते हैं ?

(ख) त्याग की महत्ता को किसने बताया था ? समाज के लिए यह क्यों ज़रूरी है ?

(ग) 'यथा प्रजा तथा राजा' से जीजी क्या कहना चाहती थीं ?

अथवा

"जब डिवीज़न हुआ तभी आए, मगर हमारा वतन ढाका है, मैं तो कोई बारह-तेरह साल का था । पर नज़रुल और टैगोर को तो हम लोग बचपन से पढ़ते थे । जिस दिन हम रात यहाँ आ रहे थे उसके ठीक एक वर्ष पहले मेरे सबसे पुराने, सबसे प्यारे, बचपन के दोस्त ने मुझे यह किताब दी थी । उस दिन मेरी सालगिरह थी – फिर हम कलकत्ता रहे, पढ़े, नौकरी भी मिल गई, पर हम वतन आते-जाते थे ।"

"वतन ?" सफ़िया ने ज़रा हैरान होकर पूछा ।

"मैंने आपसे कहा न कि मेरा वतन ढाका है ।" – उन्होंने ज़रा बुरा मानकर कहा ।

"हाँ-हाँ, ठीक है, ठीक है ।" सफ़िया जल्दी से बोली ।

"तो पहले तो बस इधर ही कस्टम था, अब उधर भी कुछ गोलमाल हो गया है ।"

(क) भारतीय कस्टम अधिकारी ने ऐसा क्यों कहा कि 'मगर हमारा वतन ढाका है' ?

(ख) कस्टम अधिकारी ने सफ़िया के साथ किन स्मृतियों को साझा किया ?

(ग) "विभाजन की विभीषिका झेलने के बावजूद विस्थापित हुए लोगों में अपनी जन्मस्थली के प्रति गहरा लगाव मौजूद है" – टिप्पणी कीजिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) " 'पहलवान की ढोलक' कहानी पारंपरिक रूप से लोकप्रिय रहे कुश्ती जैसे खेलों के प्रति नई पीढ़ी की सोच में आए परिवर्तनों को भी दर्ज करती है," टिप्पणी कीजिए । *3*

(ख) डॉ. आम्बेडकर ने शाब्दिक अर्थ में असंभव होते हुए भी 'समता' को नियामक सिद्धांत मानने पर बल क्यों दिया है ? *3*

(ग) मेंढक-मंडली से लेखक का क्या तात्पर्य है ? वह उन पर पानी डालने को क्यों व्यर्थ मानता था ? *3*

(घ) किस प्रकार के मनुष्य बाज़ार को सार्थकता देते हैं ? *1*

13. 'जूझ' के लेखक ने अपने मराठी शिक्षक सौंदलगेकर से किन गुणों और जीवन-मूल्यों को ग्रहण किया ? क्या आज भी उनकी प्रासंगिकता है ? *4*

अथवा

ऐन फ्रैंक की डायरी विश्व की सर्वाधिक पढ़ी गई पुस्तकों में से एक है । इसके क्या कारण हैं ?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) हमारे पूर्वजों ने पाँच हज़ार वर्ष पहले किस प्रकार विश्व को व्यवस्थित जीवन जीने का तरीका सिखाया था ? 'अतीत के खंडहर' पाठ के आधार पर सोदाहरण उत्तर दीजिए ।

(ख) यशोधर बाबू ने किशनदा से किन जीवन-मूल्यों को पाया था ? क्या आप भी उन्हें अपनाना चाहेंगे ? क्यों ?

(ग) 'जूझ' पाठ के लेखक के पिता अपने बेटे की पढ़ाई के विरुद्ध क्यों थे ? शिक्षा के प्रति अपनाया गया उनका यह रवैया वर्तमान सन्दर्भों में त्याज्य क्यों है ?

(घ) ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी एक निर्जीव गुड़िया 'किट्टी' के नाम संबोधित चिट्ठी के रूप में क्यों लिखी ? इस आलोक में तत्कालीन राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी कीजिए ।

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110016

18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016

Website : www.kvsangathan.nic.in

@KVSHQ @KVS_HQ

DESIGNED & PRINTED BY :
CHOUDHARY PRINTING PRESS, Near Mohanpur Devisthan, Punaichak, Patna-800 023
Mob. : 09430906087, 07903299242, T/F: 0612-2546751
E-mail - choudharyprintingpress@gmail.com, Website : www.choudharyprintingpress.com